राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 21
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रू.
UPHIN/2014/6776

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ
बुधवार, 7 नवम्बर 2018
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

सिग्नेचर ब्रिज उद्घाटन मामला: AAP ने की मनोज तिवारी की गिरफ्तारी की मांग

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को मांग की कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में खतरा पैदा करने और दंगे की स्थिति पैदा करने के लिए दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष मनोज तिवारी को गिरफ्तार किया जाए। तिवारी और उनके समर्थकों की रविवार को यहां नवनिर्मित सिग्नेचर ब्रिज के उद्घाटन समारोह में आप सदस्यों और पुलिस के साथ कथित तौर पर धक्का–मुक्की हो गयी थी। भाजपा नेता तिवारी क्षेत्र के सांसद होने के बावजूद कथित रूप से उद्घाटन समारोह में नहीं बुलाये जाने पर विरोध जताने के लिए समारोह में गये थे। आप की पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट की

प्रभारी आतिशी मार्लेना ने आरोप लगाया कि तिवारी 'दंगे की स्थिति पैदा करने' के लिए समारोह स्थल पर गये थे। उन्होंने कहा, 'पुलिस इस मामले में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल थी और उसने तिवारी और उनके समर्थकों को मंच तक पहुंचने दिया जहां मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री उपस्थित थे और इस तरह उनकी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो गया।' वरिष्ठ आप नेता दिलीप पांडेय ने कहा कि रविवार की घटना में घायल हो गये एक पार्टी कार्यकर्ता ने पुलिस में शिकायत दाखिल की है। उन्होंने कहा कि 'भाजपा के गुंडों' को समारोह स्थल से दूर रख पाने में दिल्ली पुलिस की 'नाकामी' के मद्देनजर दिल्ली सरकार कानूनी विकल्पों पर भी विचार कर रही है। पांडेय ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को तिवारी की गिरफ्तारी का आदेश देकर भाजपा और दिल्ली पुलिस की छवि को बचाना चाहिए। भाजपा ने रविवार को कहा था कि आप विधायक अमानतुल्ला खान ने गाली–गलौच की भाषा का इस्तेमाल किया और तिवारी को धक्का दिया। पांडेय ने कहा कि खान ने तिवारी को मंच पर पहुंचने से रोकने के लिए ऐसा किया। उन्होंने कहा, 'खान को उन्हें धक्का नहीं देना चाहिए था। वह केवल उन्हें मंच पर आने से रोकने की कोशिश कर रहे थे, जहां केजरीवाल और अन्य नेता उपस्थित थे।'

सबरीमला में महिलाओं के प्रवेश का विरोध करने वाले संगठन के कार्यालय में तोड़फोड़

तिरुवनंतपुरम। सबरीमला मामले में उच्चतम न्यायालय के

फैसले का विरोध कर रहे जाति आधारित संगठन नायर सर्विस सोसायटी (एनएसएस) के कार्यालय में शुक्रवार सुबह कुछ शरारती तत्वों ने तोड़फोड़ की। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नीमोम स्थित इस कार्यालय पर कुछ असामाजिक तत्वों ने कथित तौर पर पत्थर फेंके और वहां लगा उनका ध्वज–स्तंभ नष्ट कर दिया। इस इमारत के भीतर बने संत और समाज सुधारक चट्टांपी स्वामी के स्मारक के शीशे भी तोड़ दिये। यह मामला तब प्रकाश में आया जब स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज करके जांच की जा रही है। एनएसएस सबरीमला मंदिर में सभी आयु वर्ग की महिलाओं को प्रवेश देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का विरोध कर रहा है। यह संगठन राज्य में प्रभावशाली नायर तबके से संबंधित है। ये संगठन चर्चा में तब आया जब राज्य में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) ने सबरीमला में बने भगवान अय्यपा के मंदिर में सभी आयु वर्ग की महिलाओं को जाने की इजाजत देने के शीर्ष न्यायालय के निर्णय को लागू करने का फैसला किया। एनएसएस ने बुधवार को कहा था कि वह उन सभी भक्तों के साथ दृढ़ता के साथ खड़ा है जो मंदिर में रजस्वला आयु वर्ग की महिलाओं को प्रवेश देने का विरोध कर रहे हैं। एनएसएस ने उच्चतम न्यायालय के फैसले पर समीक्षा याचिका भी दायर की है। इसपर 13 नवम्बर को सुनवाई होगी। एनएसएस के अलावा भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस भी फैसले का विरोध कर रहे भक्तों का समर्थन कर रही हैं। इस बीच, भक्तों ने आगामी सालाना तीन महीने लंबी तीर्थयात्रा के दौरान राज्य सरकार के खिलाफ अपने विरोध को तेज करने की बात भी कही है।

अधिकतर लोग मोदी के दूसरे कार्यकाल के हिमायती : ऑनलाइन सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। ऑनलाइन सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वाले देश और विदेश के 63 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में अपना ''भरोसा'' प्रकट किया जबकि 50 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उनके दूसरे कार्यकाल से उनको बेहतर भविष्य मिलेगा। न्यूज पोर्टल 'डेलीहंट' और डेटा विश्लेषण करने वाली कंपनी 'नील्सन इंडिया' ने एक बयान में दावा किया है कि उनका सर्वेक्षण देश और विदेश के 54 लाख लोगों के विचारों पर आधारित है। सर्वेक्षण के मुताबिक, ''63 प्रतिशत लोगों ने नरेंद्र मोदी में 2014 (में जब सत्ता में आए थे) की तुलना में ज्यादा या उसी स्तर का भरोसा जाहिर किया है और पिछले चार वर्षों में उनके नेतृत्व क्षमता पर संतोष प्रकट किया है।'' उधर, कांग्रेस ने सर्वेक्षण के नतीजे को ''बेतुका'' और ''फर्जी'' बताया है।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, ''हताश

मोदी सरकार लोगों का भरोसा गंवा चुकी है और पांच चुनावी राज्यों में जबरदस्त हार का सामना कर रही है। अब वह अनुचित साधनों से जुटाए गए वित्तीय संसाधनों का इस्तेमाल फर्जी सर्वेक्षणों के जरिए वैधता हासिल करना चाहती है। इस तरह के बेकार सर्वेक्षण से सरकार को कभी भी समर्थन नहीं मिलता, जिसे पहले ही सरकार द्वारा खारिज किया जा चुका है।'' सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि 50 प्रतिशत प्रतिभागियों का मानना है कि मोदी के दूसरे कार्यकाल से उनको बेहतर भविष्य मिलेगा। पांच चुनावी राज्यों के मामले में सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के लोगों का ''अभी मोदी में भरोसा बना हुआ है।'' मिजोरम के रूझान के बारे में कुछ बताए बिना सर्वेक्षण में कहा गया है, ''तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है जो इस रूझान के खिलाफ है।'' सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि लंबे समय से जड़ जमाए भ्रष्टाचार को खत्म करने के मुद्दे पर 60 प्रतिशत लोगों ने मोदी में अपना भरोसा जताया है। सर्वेक्षण के मुताबिक, ''62 प्रतिशत लोग आश्वस्त हैं कि किसी राष्ट्रीय संकट के समय देश का नेतृत्व करने में नरेंद्र मोदी सबसे उपयुक्त हैं। इसके बाद राहुल गांधी (17 प्रतिशत), अरविंद केजरीवाल (आठ प्रतिशत), अखिलेश यादव (तीन प्रतिशत) और मायावती (दो प्रतिशत) का नाम है।''डेली हंट' और 'नील्सन इंडिया' ने बयान में स्पष्ट किया है कि सर्वेक्षण राजनीति से प्रेरित नहीं है और यह देश के लोगों की आवाज को बयां करने कि लिए किया गया है।

गांव की तस्वीर और तकदीर बदलने के वाहक बनें युवाः रघुवर दास

रांची। झारखण्ड के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सोमवार को कहा कि युवा पीढ़ी गांव की तस्वीर और तकदीर बदलने की संवाहक बने क्योंकि सरकार योजनाएं बनाती है, ताकि इसका लाभ आम लोग ले सकें लेकिन कई योजनाओं में प्रशासनिक प्रक्रिया जटिल होती है, इससे ग्रामीण इलाके में निवास करने वाले लोगों तक योजनाएं नहीं पहुंच पातीं। मुख्यमंत्री रघुवर दास ने प्रोजेक्ट भवन में ग्रामीण विकास के पंचायती राज विभाग के तत्वावधान में आयोजित जिला व प्रखंड समन्वयकों की समीक्षा बैठक में यह बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के सरलीकरण व आम लोगों तक योजना की पहुंच बनाने के उद्देश्य से आप जैसे युवाओं को जिला समन्वयक व प्रखंड समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है। आपकी भी जिम्मेवारी बनती है। देश, राज्य, समाज को

बदलने की। दास ने कहा कि अब आप अपने गांव की तस्वीर और तकदीर बदलें। इसके लिए शासन व सरकार आपको सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि जिस माटी में हमने जन्म लिया है उस माटी के लिए हमें कुछ करना है। उस माटी का कर्ज चुकाना है। इसलिए आप सभी युवाओं से अनुरोध है कि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करें। सरकार की योजनाओं को गांव के धरातल पर उतारे, जिससे विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके। साथ ही इस दिवाली संकल्प लें कि उस गरीब के घर को रोशन करना है जहां आजादी के बाद से अंधेरा। रघुवर दास ने कहा कि राज्य के 32 हजार गांव में आदिवासी विकास समिति व ग्राम विकास समिति के गठन की प्रक्रिया अब मूर्त रूप ले चुकी है। सोलह हजार गांव में आदिवासी विकास समिति और 11, 382 गांव में ग्राम विकास समिति का गठन हो चुका है। जिला समन्वयक और प्रखंड समन्वयक की जिम्मेवारी है कि वे गांव वालों के साथ बैठक कर गांव के लिए सर्वसम्मति से योजना बनाएं। अपनी योजना की जानकारी जिला के उप विकास आयुक्त को दें। महज एक सप्ताह के अंदर आपकी योजना को मंजूरी मिल जायेगी। इस योजना में होने वाले खर्च के लिए समिति के अध्यक्ष के बैंक खाते में राज्य सरकार 5 लाख रुपये जमा कर देगी। इसकी भी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। योजना के क्रियान्वयन के लिये गांव वाले भी श्रमदान करें। सरकार आपको योजना की 80 प्रतिशत राशि देगी बाकि या तो गांव वाले मिलकर दें या श्रमदान करें। इसमें ध्यान रखना है कि गांव के गरीब को रोजगार अवश्य मिले।

मुख्यमयंत्री ने कहा कि प्रखंड व जिला समन्वयक गांव के किसानों को आधुनिक व बहुफसलीय खेती के लिये प्रेरित करें। उन्हें यह बतायें की राज्य सरकार 29 और 30 नवंबर को ग्लोबल एग्रीकल्चर एंड फूड समिट का आयोजन करने जा रही है। जहां देश व विदेश से प्रगतिशील व उन्नत किसान आयेंगे। इस आयोजन का लाभ किसान लें। आधुनिक व कम संसाधन में उन्नत खेती की जानकारी प्राप्त करें। किसान के हित में कार्य करने को सरकार कृतसंकल्पित है। राज्य के 52 किसानों को इजराइल भेज उन्हें आधुनिक व उन्नत कृषि की विधि से अवगत कराया गया है।

दीवाली से पहले दिल्ली की हवा बेहद खराब, धुंध में लिपटा महानगर

नयी दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर सोमवार को नीचे गिरकर ''बेहद खराब'' श्रेणी में पहुंच गया

है और हवा की दिशा बदलने तथा पड़ोसी राज्यों में भारी मात्रा में पराली जलाये जाने से दिल्ली की आबोहवा बुरी तरह बिगड़ गई है। सोमवार को समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में 418 दर्ज किया गया। एक दिन पहले एक्यूआई 171 के मध्यम स्तर पर था और आज इसमें काफी गिरावट दर्ज की गयी। दिवाली से दो दिन पहले ही राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की चादर बिछ गयी है। इसके बाद विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि स्थानीय कारकों की वजह से वायु गुणवत्ता और बिगड़ सकती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार दिल्लीवासियों के लिए रविवार का दिन पिछले तीन सप्ताह में सबसे साफ था। इस मौसम में पहली बार वायु गुणवत्ता 30 अक्टूबर को गंभीर स्तर पर चली गयी थी। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार पीएम 2.5 और पीएम 10 क्रमशरू 361 और 500 की बेहद खराब और आपात स्थिति की श्रेणी में पहुंच गया है। गौरतलब है कि सूचकांक शून्य से 50 तक होने पर हवा को 'अच्छा', 51 से 100 होने पर 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'सामान्य', 201 से 300 से 'खराब', 301 से 400 तक 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' श्रेणी में रखा जाता है। सोमवार को पीएम2.5 (हवा में 2.5 माइक्रोमीटर से भी कम मोटाई वाले कणों की मौजूदगी) का स्तर 268 दर्ज किया गया जबकि पीएम10 (हवा में 10 माइक्रोमीटर से भी कम मोटाई वाले कणों की मौजूदगी) का स्तर 391 दर्ज किया गया। अधिकारियों ने प्रदूषण अचानक से बढ़ने के पीछे हवा की दिशा में बदलाव को बताया है जो पश्चिमोत्तर क्षेत्र से उत्तर की ओर बह रही है और पड़ोसी राज्यों से पराली जलने से उठाने वाले धुएं और धूल को ला रही है। केंद्र की वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान तथा अनुसंधान प्रणाली (सफर) के एक अधिकारी ने बताया राष्ट्रीय राजधानी के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 24 प्रतिशत है। मौसम संबंधी कारणों और दिल्ली में अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों से हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार होने के एक दिन बाद ही दिल्ली की आबोहवा दमघोंटू हो गई। अधिकारियों ने प्रदूषण से निपटने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं जिसमें निर्माण गतिविधियां रोकने और यातायात का नियमन करना शामिल है। खुदाई समेत सभी निर्माण गतिविधियों पर रोक है। दिल्ली तथा एनसीआर के अन्य जिलों में सिविल निर्माण गतिविधियां रोक दी गई हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने परिवहन विभाग और यातायात पुलिस को वाहनों की प्रदूषण जांच को तेज करने तथा 1 से 10 नवंबर के दौरान क्षेत्र में यातायात की भीड़ को नियंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। एक से 10 नवंबर तक 'स्वच्छ हवा अभियान' भी शुरू किया गया है ताकि प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जाए और उनकी रिपोर्ट की जाए। इस अभियान के तहत प्रदूषण से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने पर लोगों पर पिछले तीन दिनों में एक करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया जा चुका है। दिवाली के मद्देनजर शहर में प्रदूषण की स्थिति और बदतर हो सकती है।

राम मंदिर निर्माण को लेकर संत सत्यमित्रानंद छह दिसंबर से अनशन करेंगे

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राम भक्तों को जल्द अच्छी खबर मिलने का भरोसा दिलाये जाने के एक दिन बाद सोमवार को प्रसिद्ध संत और भारत माता मंदिर के परमाध्यक्ष स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिये वह छह दिसंबर से हर की पौड़ी पर अनशन शुरू करेंगे। देश के सभी संतों से इस अभियान में जुड़ने की अपील करते हुए स्वामी सत्यमित्रानंद ने कहा कि अगर

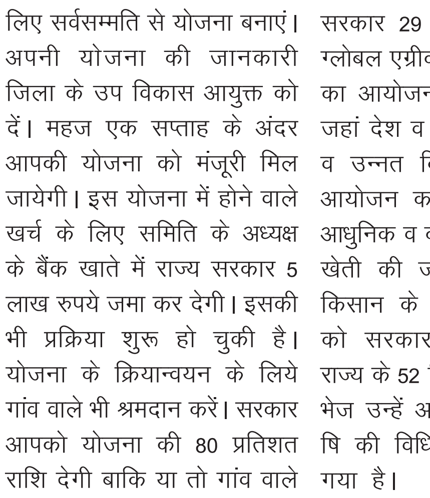

अगले साल एक जनवरी तक मंदिर निर्माण की दिशा में कोई पहल नहीं हुई तो वह अपनी देह त्याग देंगे।

संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी सरकार की चिंता किये बगैर राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ करने का आग्रह किया और कहा कि उन्हें अपनी सरकार की परवाह नहीं करनी चाहिए क्योंकि राम हैं तो राज है और सरकार है। भारत माता मंदिर के परमाध्यक्ष ने कहा, 'यह ऐतिहासिक काम (राम मंदिर निर्माण) नरेंद्र मोदी को अपने रहते हुए करना चाहिए। सरकार को किसी लाभहानि के बारे में नहीं सोचना चाहिए।श उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिये संत और इंतजार नहीं कर सकते और सरकार को इस मामले में अब और देर नहीं करनी चाहिए।

संत सत्यमित्रानंद ने कहा कि हमने शांति से मसले का हल निकालने का काफी प्रयास किया लेकिन यह संभव नहीं हो पाया । उन्होंने कहा कि वीपी सिंह सरकार के समय में भी विवाद का शांतिपूर्ण हल निकल गया था लेकिन ऐनवक्त पर मामला बिगड़ गया। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि संत अब भी शांति चाहते हैं और शांति से ही राम मंदिर निर्माण करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सरकार को सहयोग करने की आवश्यकता है।

अयोध्या मामले में माकपा का RSS पर हमला, कहा– 1992 जैसे हालात बनाना चाहती है

नयी दिल्ली। माकपा ने भाजपा आरएसएस पर अयोध्या विवाद मामले की आड़ में एक बार फिर देश में 1992 जैसे हालात पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुये केन्द्र की भाजपा सरकार से सामाजिक सौहार्द को खतरा उत्पन्न करने वाली ताकतों को संरक्षण देना बंद करने की अपील की है। सोमवार को माकपा पोलित ब्यूरो ने अयोध्या मामले की सुनवाई टालने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद भाजपा आरएसएस नेताओं के भड़काऊ बयानों पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा है कि भाजपा को अदालत के आदेश का पालन करने के अपने पुराने रुख पर कायम रहना चाहिये। पोलित ब्यूरो द्वारा जारी बयान के अनुसार, भाजपा और आरएसएस के नेताओं के अलावा केन्द्रीय मंत्री भी भड़काऊ बयान देकर 1992 में बाबरी मस्जिद ध्वंस के समय उपजे हालात का हवाला देकर वैसी ही परिस्थितियां उत्पन्न करने की धमकी दे रहे हैं।'' पार्टी ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि उच्चतम न्यायालय ने 1994 में बाबरी मस्जिद ढहाये जाने को 'राष्ट्रीय शर्म' करार दिया था और भाजपा ने भी सर्वोच्च अदालत के फैसले का पालन करने की प्रतिबद्धता जतायी थी। माकपा ने कहा कि अब चुनाव करीब आते देख आरएसएस की अगुवाई में कानून बनाकर मंदिर निर्माण की मांग उठायी जाने लगी है। यह न सिर्फ अदालती प्रक्रिया को विचलित करने के बराबर है बल्कि असंवैधानिक भी है और इसलिये यह रवैया कानून के विरुद्ध है। पार्टी ने कहा कि भाजपा आरएसएस ने मोदी सरकार की हर मोर्चे पर विफलता से जनता का ध्यान हटाने के लिये देश में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण तेज करने के मकसद से अयोध्या मुद्दे को उठाया है। देश की एकता और अखण्डता के लिये खतरा फैदा करने वाली भाजपा आरएसएस की इस मुहिम के घातक परिणाम होंगे। पोलित ब्यूरो ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को राज्य में कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी और सजगता से निर्वाह करना चाहिये।

'मी टू का हो रहा राजनीतिकरण

लखनऊ । मी टू की आड़ में कहीं किसी को ब्लैकमेल या बदनाम करने की साजिश तो नहीं रची जा रही है। 20–30 साल पुराने मामले अचानक सामने आ रहे हैं। यह आशंका विचारमंच संस्था की ओर से नवचेतना केन्द्र में 'मी टू विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि सैयद मोईद अहमद ने कहीं। उन्होंने कहा कि मी टू का अब राजनीतिकरण हो रहा है। वहीं संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे श्याम कुमार ने कहा कि इस एक दूसरे के प्रति शक का माहोल पैदा हो रहा है। मीट टू समाज में उथल– पुथल मचा रहा है। वहीं मजदूर नेता सर्वेश चन्द्र द्विवेदी ने कहा कि मी टू के जरिए सुनियोजित तरीके से चरित्र हनन का प्रयास किया जा रहा है। कोई भरोसा नहीं है कि कि कब किसपर आरोप लग जाए। इस दौरान सुशीला मिश्रा, रणवीर सिंह, शौकत अली, रमेश चन्द्र आदि ने अपने– अपने विचार दिए।

बसपा के पूर्व विधायक का निधन, शोक

आजमगढ़ । बसपा के पूर्व विधायक श्याम नरायन यादव का रविवार की सुबह मुंबई में उपचार के दौरान निधन हो गया। वे दस दिनों से बीमार थे। सहारा लखनऊ में इलाज चल रहा था। यहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें मुंबई में भर्ती कराया गया था। वे सगड़ी तहसील क्षेत्र के लाटघाट घाघरा गांव निवासी थे। काफी दिनों से मुंबई में ही रहते थे तथा बड़े कारोबारियों में शामिल थे। वर्ष 2007 के चुनाव में बसपा ने गोपालपुर से इन्हें प्रत्याशी बनाया था और इन्होंने पूर्व मंत्री वसीम अहमद को टक्कर देते हुए विजय हासिल की थी। उनकी उम्र लगभग 57 वर्ष थी। उन्हें एक पुत्र व दो पुत्रियां हैं। उनके निधन की सूचना मिलते ही जनपद में शोक की लहर दौड़ गई।

समीर अध्यक्ष व महामंत्री बने राघवेंद्र

आजमगढ़ । अराजपत्रित कर्मचारी संघ खाद एवं रसद विभाग के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को कुंवर सिंह उद्यान में हुई। इसमें सर्वसम्मति से जिला इकाई का गठन किया गया। साथ ही समीर गोंड को अध्यक्ष, शिशु श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, राघवेंद्र प्रताप सिंह को महामंत्री एवं राधेश्याम को कोषाध्यक्ष चुना गया। संरक्षक प्रहलाद विश्वकर्मा ने बताया कि कर्मचारियों की समस्या को लेकर सरकार बेहद उदासीन है। कर्मचारी संगठन के माध्यम से समस्याओं के निस्तारण के लिए आवाज उठाएंगे। इस दौरान राजीव सिंह, नागेंद्र यादव, नंदलाल, मनोज कुमार, सीताराम, संतोष, मोतीलाल, अखिलेश, विनोद सिंह, राजेश, मो. तारिक, श्रवण गिरी को सदस्य नियुक्त किया गया।

चयनित टास्क फोर्स का प्रशिक्षण

आजमगढ़ । ग्राम पंचायतों में चयनित टास्क फोर्स का प्रशिक्षण ब्लाक के सभागार में पंचायती राज विभाग की देखरेख में हुआ। अध्यक्षता सहायक विकास पंचायत अधिकारी राघवेंद्र प्रताप सिंह ने की। प्रशिक्षण के दौरान मंडलीय परियोजना के प्रबंधक शमसेर बहादुर सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों का विकास योजना एक सहभागी योजना है। ग्राम पंचायत विकास योजना से न केवल गांव का समग्र विकास होगा बल्कि सक्रिय जनभागीदारी से गरीबों व उपेक्षित वर्गों का समुचित विकास सुनिश्चित होगा। प्रशिक्षक अनीता यादव व पूनम ने संयुक्त रूप से बताया कि गांव सभा के सम्मानित पांच लोगों का चयनकर टास्क फोर्स का गठन किया गया है जो गांव के विकास के बारे में योजना बनाते हैं। वे ग्राम पंचायतों में जाकर निश्चित समय के अवधि में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर ग्राम पंचायत की विकास योजना में मदद करेंगी। इस दौरान सहायक विकास पंचायत अधिकारी ने सभी सदस्यों को राज्य वित्त व 14वां वित्त की टाइड एवं अनटाइड के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर बीडीओ जुल्फिकार अली, एडीओ आइएसबी प्रमोद यादव, गोविन्द सिंह, खंड प्रेरक श्रवण कुमार, गौरव आदि रहे।

इटावा सपा पदाधिकारी ने मुलायम सिंह यादव से की शिष्टाचारी मुलाकात

चकरनगर/इटावा । समाजवादी पार्टी के संरक्षक पूर्व सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव से उनके आवास पर एससीएसटी के प्रदेश महासचिव भूपेन्द्र सिंह दिवाकर ने शिष्टाचारी मुलाकात की। जिला इटावा के विकास खण्ड चकरनगर की धरती पर जन्मे डॉ0 भूपेन्द्र सिंह दिवाकर से नेता जी ने लोकसभा इटावा से संम्बधित खास बात चीत की। नेता जी ने एससीएसटी के प्रदेश महासचिव भेपून्द्र सिंह दिवाकर से शिवपाल सम्बन्धी गहनता से बातचीत की। हालांकि डॉ0 भूपेन्द्र सिंह दिवाकर को अखलेख यादव का बहुत खासम खस माना जाता है। अतः नेता जी के अनुसार हो सकता है कि लोक सभा इटावा में प्रेमदास कठेरिया पर सपा फिर से अपना दांव लगा सकती है। जबकि पिछले लोकसभा में व उनके सुपुत्र विधानसभा में एक बार मात खा चुके हैं।

त्यौहारों पर भगवान की मूर्तियों की खरीददारी जोरों पर

इटावा । हिन्दू धर्म के सबसे बड़े आगामी त्यौहारा धनतेरस व दीपावली को लेकर बाजारों में रौनक बनी हुई है। त्यौहारों पर होने वाली पूजा को को लेकर बाजारों मे एक से एक सुन्दर मूर्तियों की दुकानें सजी हुई है। जिसमें लोग पूजा के लिए दीपों मूर्तियों की खरीददारी की जा रही है। साथ ही आगामी त्यौहारो का लेकर लोग अनेक प्रकार की खरीददारी कर रहे हैं। अतः दीपावली के पर्व पर हिन्दू धर्म के लोग घर को भी दुल्हन की भांति सजाते है। जिसके लिए लोग दीपों, नये चित्रों की खरीदादारी जोरों शौरो से कर रहे हैं। अतः बाजारों में रौनक बनी हुई है।

परामर्श केन्द्र पर 12 परिवारों के बीच कराया समझौता

इटावा । प्रत्येक रविवार को महिला थानें में परिवार परामर्श केन्द्र कार्यक्रम को आयोजित किया जाता है। जहां बिखरे परिवारों के बीच सुलह समझौता करवाकर मामलों को निपटाया जाता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार त्रिपाठी के आदेशानुसार पुलिस लाइन में स्थित महिला थानें में कल रविवार को परिवार परामर्श केन्द्र का आयोजन किया गया। जहां पीड़ितों की समस्याओं को सुनते हुए उनको मिटाकर परिवारों को सुलह समझौता के आधार पर खुशी से घर भेजा गया। वहीं महिला थानाध्यक्ष सुमद्रा वर्मा, डा0 शैलेन्द्र शर्मा प्रोफेसर अध्यक्ष (इतिहास विभाग) चित्रा परिहार कमेटी आदि कमेटी के अनेक सदस्यों की उपस्थिति में इस सप्ताह परिवार परामर्श केन्द्र में बिखरे हुए 12 परिवारों के बीच सुलह समझौता करवाकर व पति पत्नी के बीच मन मुटाव को मिटाकर परिवारों को बिखरने से बचाया गया एवं उन परिवारों को खुशी खुशी विदा किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र में इस दौरान विवादित पक्षों के लोगों को बुलाया गया और परिवार का महत्व बताकर पति–पत्नी के बीच सुलह समझौता करवाकर 12 परिवारों को बिखरने से बचाया गया।

विद्यादान का प्रकाश दीपावली के दीयों के साथ

बहराइच । उजाले और दीयों के प्रकाश के त्योहार दीपावली आगमन का हर्षोल्लास आज सभी परिषदीय विद्यालयों और विद्यादान में भी देखने को मिला। आमतौर पर देखने को मिलता है कि त्योहार के आने से पहले ही विद्यालयों से बच्चे गायब ही होने लगते हैं और यही बात कही न कही वोलिंटियर्स की भी अभिरुचि में देखने को मिलता है। लेकिन जनपद बहराइच का ये अनमोल दान विद्यादान इस धारणा को बदलता हुआ जान पड़ता है। आज भी परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का जमघट और विद्यादानियों का उत्साह दोनों ही अतुलनीय रहे। ये विद्यादानी भी हमारी और आपकी तरह छोटी छोटी खुशियों में खुश होते हैं और परेशानी पड़ने पर व्याकुल भी। लेकिन एक बात जो इनमें अलग है वो है इनका दृढ़ संकल्प। प्रकाश पर्व दीपावली के अवसर पर जनपद में अशिक्षा के अंधियारे के दूर करने के लिए जिलाधिकारी माला श्रीवास्तव ने विकास खण्ड तजवापुर की ग्राम पंचायत शेखदहीर के मजरा बघईया के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने के लिए गयीं। जिलाधिकारी ने सभी कक्षाओं में जाकर बच्चों को गणित, सामान्य ज्ञान आदि विषयों के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने शिक्षिकाओं से अपेक्षा की कि बच्चों को उदाहरण के साथ शिक्षा दी जाये इससे बच्चों को अच्छे ढंग से बात समझ में आयेगी। उन्होंने बच्चों को सीख दी कि जब तक बात समझ में ना आ जाये शिक्षक से पूछते रहें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में स्थित आँगनबाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया। यहाँ पर उन्होंने मौजूद गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों का अन्नप्रासन्न कराया। इस अवसर पर डीएम ने ग्राम प्रधान व पोषक प्रेरक के कार्यो की सराहना भी की। एक विद्यादानी बताया कि हम सभी खुशियों का इंतजार करते हैं लेकिन हम सभी के अंदर इतनी क्षमता है कि हम सभी खुशियों के हजारों बीज बो सकते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यादान भी उहीं खुशियों के सृजन का एक तरीका है। जनपद बहराइच में आज का दिन तिहरी खुशियों भरा रहा। 400 से भी अधिक ग्राम पंचायतों में कायाकल्प अभियान के तहत अर्जित उपलब्धियों को दीपावली त्योहार के आगमन के साथ एक समारोह के रूप मे मनाना और लगभग उतने ही विद्यालयों मे विद्यादान अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि बन पायी है। विद्यालय समय में आज समस्त नोडल अधिकारी परिषदीय विद्यालय के बच्चों के लिए संता क्लाज बन कर आए। पहले तो उन्होने बच्चों के साथ उनके पाठ्यक्रम अनुसार विभिन्न चर्चा की। कई विद्यालयों मे बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए कॉपी, पेंसिल, रंग इत्यादि भी वितरित किए।

डाईट पयागपुर से आए हुये करीब 100 विद्यादानियों बच्चों को दीपावली के पर्व से जुड़ी जानकारी दी और बच्चों से भी बोली में प्रचलित कहानियां भी सुनी। इसी प्रकार से विकास खण्ड बलहा के प्राथमिक विद्यालय सिसवारा में डॉ अब्दुल सलाम द्वारा विद्यादान के अंतर्गत बच्चों को साफ सफाई न करने पर होने वाली बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया। विकास खण्ड हुजूरपुर के प्राथमिक विद्यालय बुरुही में खण्ड शिक्षा अधिकारी अमित श्रीवास्तव ने जीव जंतुओं कि मानव जीवन में उपयोगिता को बताते हुये सहजीविता का सबक देने का प्रयास किया। इस बातचीत के दौरान बच्चों ने स्वयं बताया कि उनके परिवेश मे कौन से कीट मिलते हैं और किस प्रकार से वे उनके जीवन मे उपयोगी हो सकते हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्याम किशोर ने बताया कि वैसे तो विद्यादान का प्रभाव बच्चों के अधिगम पर तो पड़ ही रहा है, सोशल ऑडिटिंग इसका सबसे अच्छे पहलू के रूप मे सामने आ रहा है। विद्यादानियों के माध्यम से लगातार मिल रहे फीडबैक की वजह से विद्यालयों का संचालन कहीं ज्यादा बेहतर हुआ है।

जनाधिकार पार्टी की आमसभा

लखनऊ । संविधान बचाओ–लोकतंत्र बचाओ..नारे से सर्वधिान और देश की अखंडता से खिलवाड़ करने वाले व्यवहार को बर्दाश्त नही किया जाएगा। संविधान की सुरक्षा और उसके अनुरूप चलना देशवासियो का कर्तव्य भी है। इसका अपमान करने वालो पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो। ये बातें रविवार को इकोगार्डन, आलमबाग में आयोजित एक दिवसीय आमसभा में मुख्यवक्ता आईपी कुशवाहा ने कही। जनाधिकार पार्टी की ओर से जिलाध्यक्ष जयनाथ सिंह के नेतृत्व में हुई सभा मे कहा कि शोषित,दलित,महिलाओ पर अत्याचार बढ़ा हुआ है। जन जागरूकता अभियान से जनता को सरकारे गुमराह नही कर सकती। कार्यक्रम में डीके बाबा,अतुल्य शाक्य,राहुल मौर्या,रामाश्रय मौर्या ने अपने विचार रखे।

डा0 तारिक़ शफीक़ अध्यक्ष नजीबुर्रहमान नदवी महासचिव निर्वाचित

लखनऊ । देश भर में समाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक रूप में मुसलमानों का नेतृत्व करने वाले संगठन ऑल इण्डिया मिल्ली कौंसिल के पूर्वी उ0प्र0 की चुनावी बैठक रविवार को हुई। अहमद नगर फैज़ उल्लाहगंज स्थित जामिया मैमूना लिलबनात में हुई बैठक में कौंसिल के सक्रिय सदस्य डा0 तारिक़ शफीक को पूर्वी उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा 20 कार्यकारिणी सदस्यों को भी निर्वाचित किया गया। जिनकी विशेष बैठक में कौंसिल के अन्य पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। जिसमें मौलाना अहमद कमाल अब्दुल रहमान, डा0 अज़ीज़ अहमद और क़ारी मोहम्मद तैय्यब कासमी को संरक्षक, मौलाना ख़ालिद रशीद फंरगी महली, मौलाना इदरीस बस्तवी और अरशद जमाल को उपाध्यक्ष, मौलाना नजीबुर्रहमान मलमली नदवी को महासचिव, अमीर खालिद खान को सचिव, तारिक़ हुसैन को कोषाध्यक्ष चुना गया। निर्वाचन की इस प्रक्रिया को केन्द्र से आऐ मिल्ली कौंसिल के सहायक महासचिव मौलाना मुस्तफा रिफाई जिलानी ने मंजूरी दे दी। इसके अलावा वरिष्ठ वकील जफ़रयाब जीलानी एडवोकेट की सलाह पर कौंसिल की जिला ईकाईयों के गंठन के लिए बैठक में मौजूद जिला प्रतिनिधियों और उनके द्वारा नामित लोगों को जिला संयोजक नियुक्त करते हुए उन्हें जिला ईकाई का चुनाव संपन्न कराने की ज़िम्मेदारी सौंपी गयी। इससे पूर्व सभा की शुरूआत कारी सालिम बिरजीस ने कुर्आन पाक की तिलावत की। संजोयक मौलाना नजीब मलमली ने स्वागत भाषण पेश किया। डा0 तारिक शफीक ने परिचय कराया। सभा में मौलाना अतीक बस्तवी ने संबोधित करते हुए कहा कि उर्जा वान नई पीढ़ी को काम करने का मौका दिया जाए और आने वाली पीढ़ियों को खतरों से बचाया जाए। उन्हें डा0 वकील, इन्जिनियर कुछ भी बनाया जाए लेकिन पहले इस्लाम की बुनियादी और जरूरी शिक्षा अवश्य दिलायी जाए। बैठक में मौलाना खालिद रशीद फंरगी महली, मौलाना नजीबुल हसन सिद्दीकी ने सलाह मशविरों से काम करने पर जोर दिया। आखिर में अमीर खालिद खान ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें मुबारकबाद पेश की और उपस्थित लोगों का शुक्रिया अदा किया।

बाइक–ट्रक में टक्कर, तीन घायल

आजमगढ़ । जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के आजमगढ़ –गोरखपुर मुख्य मार्ग पर स्थित लाटघाट बाजार के समीप शनिवार की रात को लगभग ढाई बजे ट्रक व बाइक में टक्कर हो गई। इस दुर्घटना के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे स्थित नाली में जाकर फंस गया। हादसे में बाइक सवार 23 वर्षीय उमेश गुप्त पुत्र रूपचंद गुप्त, 20 वर्षीय मनोज गुप्त पुत्र रामानंद गुप्त ग्राम सुरेना थाना रौनापार, 22 वर्षीय लक्ष्मण पुत्र बृजमोहन ग्राम रेवली थाना घोसी जिला मऊ निवासी घायल हो गए। तीनों घायल युवकों को पुलिस ने एंबुलेस से रात में ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया। दुर्घटना के समय खाली ट्रक आजमगढ़ से गोरखपुर की ओर जा रहा था। ट्रक चालक व खलासी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए थे।

बच्चों ने पेंटिंग से दिया सामाजिक संदेश

लखनऊ । छोटे से नन्हे से हमका मिले बालम....,जो दिन उठ गयो मेरो हाथ, बलम तोहे ऐसे मारूंगी...., तूने सारी कमाई गवाई रसिया... पारंपरिक लोकगीत पर जब महिलाओं ने प्रस्तुति दी तो फिजा में दिवाली का खुमार चढ़ता नजर आया। यह नजारा रविवार को गोमतीनगर के विपुलखंड में आयोजित दिवाली मेले में देखने को मिला। विपुलम परिवार की ओर से विपुलम महिलाओं ने मिलकर प्रतियोगिता संग सांस्कृ तिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिलाओं संग बच्चों ने एक ओर प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में रंगारंग प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महापौर संयुक्ता भाटिया, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय पार्षद रामकृष्ण यादव, संस्था के अध्यक्ष आत्मप्रकाश मिश्रा, महामंत्री योगेश पांडे संग संस्था के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में बच्चों ने पेंटिंग प्रतियोगिता और महिलाओं ने मेंहदी प्रतियोगिता में अपने हुनर का परिचय दिया। बच्चों ने दो ग्रुप में पेंटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। पांच से दस और दस साल से लेकर 15 साल तक के बच्चों ने अपनी पेंटिंग के जरिए सामाजिक संदेश दिया। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े मुद्दों को पेंटिंग द्वारा प्रस्तुत किया। इसके बाद महिलाओं ने मेंहदी प्रतियोगिता में आधारित समय सीमा के अंदर ब्राइडल, एरेबिक, राजस्थानी और मारवाड़ी डिजाइन की मेंहदी महिलाओं के हाथों पर रचाई जिसमें ईशा, कीर्ति, अर्चना और अन्य तीन महिलाओं ने हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में एकल प्रस्तुति में चलते चलते यूहीं कोई मिल गया पर रेनू, जाने कहां मेरा जिगर गया जी पर डॉ शोभा मिश्रा, श्पलू लटकेश पर वंदना ने प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में झुग्गी–झोपड़ी के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक और एक–एक कर महिलाओं संग बच्चों ने नृत्य, गायन, ग्रुप डांस प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

चोरी की दो बाइक बरामद, चार गिरफ्तार

आजमगढ़ । अहरौला व निजामाबाद पुलिस ने अलग–अलग स्थानों से चोरी की दो बाइक बरामद किया। पुलिस ने इस चोरी की घटना में लिप्त चार वाहन चोरों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए वाहन चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने उनका चालान कर दिया। अहरौला थानाध्यक्ष अयोध्या तिवारी अपने सहयोगी पुलिस कर्मियों के साथ शनिवार की रात को क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली की एक चोरी की बाइक पर सवार होकर दो व्यक्ति अंबारी से अहरौला की ओर जा रहे हैं।

उक्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम गनवारा गांव के समीप घेराबंदी कर खड़ी थी। कुछ देर बाद बाइक पर सवार होकर दो व्यक्तियों को आते देख पुलिस ने उन्हें रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वे भागने का प्रयास कर रहे थे कि तभी बाइक फिसलकर गिर पड़ी। पुलिस ने दोनों बाइक चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की बाइक बरामद कर लिया। पकड़े गए वाहन चोरों में साजिद पुत्र मुन्नू खां ग्राम मुनउवरपुर थाना दीदारगंज व नसीम अहमद पुत्र दिलशेर अहमद ग्राम कोटिला थाना रानी की सराय के निवासी बताए गए हैं।

प्रदेश में 11 हजार टेक्निशियनों की होगी भर्ती : रीता बहुगुणा

आजमगढ़ । केंद्र व प्रदेश सरकार स्वच्छता व स्वास्थ्य पर काफी ध्यान दे रही है। यही कारण है कि 16 माह में प्रदेश सरकार ने हेल्थ सर्विसेज के तहत प्रदेश में काफी सुधार किया है। 22 सौ डाक्टरों के साथ ही 9 हजार एएनएम व नर्सेज की प्रदेश में भर्ती की गई। टेक्निशियन आदि पदों पर भी शीघ्र ही 11 हजार स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती होगी। पिछली सरकारों ने जो बैकलाग मैनपावर छोड़ा थी उसे हम भरने जा रहे हैं। उक्त बातें प्रदेश की महिला कल्याण, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण, पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने रविवार की दोपहर जिला महिला चिकित्सालय के आकस्मिक निरीक्षण के बाद कही। उन्होंने कहा कि महिला जिला चिकित्सालय में डाक्टरों की संख्या पर्याप्त हैं, मशीनें भी उपलब्ध हैं, टेक्निशियन भी पर्याप्त हैं। हर तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर यहां उपलब्ध है, लेकिन रखरखाव खराब पाया गया। बाथरूम व शौचालय से लेकर वार्डों में गंदगी मिली। अस्पताल की हालत बद से बदतर है। सरलता के साथ आवागमन उपलब्ध होने से इस अस्पताल में मरीजों की संख्या ज्यादा है। जो बच्चा कल पैदा हुआ, उस प्रसूता के पास बेड पर चार–चार लोग बैठे हुए मिले। अस्पताल में साफ सफाई नहीं है। भोजन की क्वालिटी उपयुक्त नहीं मिली। रसोईया जमीन पर बैठकर भोजन बना रही थी। वार्ड में लोग जूता व चप्पल पहन कर आ जा रहे हैं। सरकार मातृत्व व शिशु मृत्यु दर नीचे लाना चाहती है, जिसके लिए बहुत केयर की आवश्यकता है। मै समझती हूं कि सिर्फ बच्चा पैदा करा देना सिस्टम नहीं होना चाहिए। इस अस्पताल में हमने सभी प्रकार के अभावों को देखा है। 102 एंबुलेस के रिकार्ड का निरीक्षण नहीं कर पाई। एसडीएम को निरीक्षण के लिए कहा है। अस्पताल में भर्ती आधे से ज्यादा मरीज अपने संसाधनों से यहां आए हुए हैं। कहीं ऐसा तो नहीं है कि 102 एंबुलेस के कर्मी अपने रजिस्टर में उनका नाम दर्ज कर रहे हैं। ऐसा हमने कई जिलों में पाया है। स्वास्थ्य विभाग का सिस्टम चुस्त दुरुस्त रहे इसलिए निरीक्षण किया है। निरीक्षण में पाई खामियों की रिपोर्ट वे लखनऊ पहुंच कर शासन के समक्ष रखेंगी। स्वास्थ्य कर्मियों को मौका देना चाहिए, क्योंकि इस समय मरीजों की ओर से ज्यादा शिकायतें मिली हैं, ऐसा हमने स्वयं महसूस किया है। खामियां मिलने पर कार्रवाई के बारे में उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यहां के डाक्टर से लेकर स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ सख्ती की जाएगी। सर्विस प्रोपराइटर है उसके खिलाफ भी कार्रवाई के लिए लिखेंगी।

कर्मचारियों पर वसूली का आरोप

आजमगढ़ । जल निगम ठेकेदार कल्याण समिति के बैनर तले ठेकेदारों ने विरोध–प्रदर्शन कर अधिशासी अभियंता द्वितीय निर्माण खंड को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ठेकेदारों ने दो कर्मचारियों पर वसूली करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि द्वितीय खंड कार्यालय में ठेकेदारों के बिल पास करने एवं भुगतान के लिए जबरदस्ती प्रति हैंडपंप के हिसाब से कमीशन मांग रहे हैं। इतना ही नहीं अन्य कार्यों में 15 फीसद लिया जा रहा है। ठेकेदारों ने द्वितीय निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंप प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही मांग पूरी न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी। इस अवसर पर अनिल कुमार, राजेश कुमार, पल्टू, कांती, अनिल कुमार चौहान, राजेश, हरिनरायन व घनश्याम सिंह सहित आदि लोग उपस्थित थे।

महिला की हत्या करने वाला आरोपी गिरफतार

लवेदी/इटावा । थाना क्षेत्र के ग्राम लखनपुर में दिनांक 01. 11.2018 को लाखनपुर निवासी अतर सिंह की पत्नी की गला काटकर हत्या कर दी गई थी। इस सम्बन्ध में मृतिका का भाई छोटे उर्फ आशीष ने थाना क्षेत्र में 4 नामजद लोगों के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया गया था। अतः थाना पुलिस टीम ने घटना का अनावरण करते हुए महिला की हत्या करने वाले आरोपी तेजबहादुर सिंह पुत्र बालेश्वर सिंह निवासी ग्राम लखनपुरा थाना लवेदी को कल प्रातः 06:18 बजे लखना चकरनगर रोड ग्राम टकपुरा के पास से गिरफतार कर लिया है। अतः पुलिस ने हत्यारोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू, टॉर्च, व अभियुक्त के खून से भरे कपडे व मृतिका की शॉल बरामद की है। पुलिस द्वारा पूछताछ पर अभियुक्त ने बताया कि मृतिका का पति अतर सिंह अहमदाबाद में प्राइवेट नौकरी करता है। अतः मृतका अपने पांच बच्चों के साथ ग्राम लखनपुरा में रहती थी। अतः मृतिका का पति कभी कभी आता था। मृतिका के अभियुक्त के साथ काफी समय से अवैध सम्बन्ध भी थे। अतः वह रोज रात्रि मृतिका के पास रहता था। अभियुक्त ने बताया कि मृतिका द्वारा उसे भरोसा दिलाया गया था कि वह उसका विवाह अपने भाई की साली से करवा देगी लेकिन काफी समय तक मृतिका ने उसका विवाह नहीं कराया और न ही कहीं और होने दे रही थी। मृतिका उसे दिन में 20–25 बार फोन करके परेशान करती थी। अतः इस कारण अभियुक्त तेज बहादुर शारीरिक व मानसिक रुप से काफी परेशान हो गया था। उसे ऐसा लगने लगा था कि जब तक मृतिका जीवित रहेगी वह उसका विवाह कहीं और नहीं होने देगी। अभियुक्त ने बताया कि वह 31.10.2018 को अपने खेत में पानी लगा रहा था तभी मृतिका उसे बार बार फोन करने लगी। जिस कारण वह मृतका के घर पहुंच गया। अतः रात्रि के समय बच्चों तथा मृतिका के सो जाने पर अभियुक्त ने परेशान होकर चाकू से मृतिका की गला काटकर हत्या कर दी थी और उसके मोबाइल अपना मोबाइल नम्बर भी डिलीट कर दिया। अभियुक्त द्वारा घटना का स्वंय खुलासा किया गया। थाना क्षेत्र में अभियुक्त तेज बहादुरसिंह के खिलाफ मामला पंजीकृत कर उसे जेल भेज दिया गया। एसएसपी ने घटना का अनावरण करने वाली लवेदी थाना पुलिस टीम को 10 हजार रुपये पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया।

महिला अस्पताल में गंदगी देख बिफरी स्वास्थ्य मंत्री, लगाई फटकार

आजमगढ़ । प्रदेश की महिला कल्याण, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण, पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने रविवार की दोपहर जिला महिला अस्पताल के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान गंदगी व दुर्व्यवस्था देख बिफर गईं। उन्होंने सीएमएस को फटकार लगाई। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों से मिली व तीमारदारों से भी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसी के साथ ही महिला अस्पताल के बंद पूर्वी गेट को खोलवाने के लिए एसडीएम को निर्देश दिया। वे जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण करने के लिए दिन में लगभग सवा ग्यारह बजे जिला महिला चिकित्सालय पहुंचीं। जब अस्पताल में पहुंचीं तो वहां कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं थे। डाक्टरों के कक्ष व सीएम के कक्ष में भी ताला लटका हुआ था। वे सीधे उस वार्ड में पहुंचीं जहां प्रसूताएं भर्ती थी। वार्ड के सामने गलियारे में स्वीपर पोछा लगा रहा था। बगैर फिनायल का पोछा लगाते देख स्टाफ नर्स से पूछा तो उन्होंने कहा कि फिनायल से पोछा लगता है। स्वीपर से पूछा तो उसने भागकर खाली गैलन लेकर आया। इस पर वे नाराज हो गईं। अस्पताल की सफाई ठेका लेने वाली कंपनी एएन कपूर जैनिटर प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ के बारे में सीएम से पूछा तो उन्होंने बताया कि उक्त कंपनी का ठेका खत्म हो गया है। इस पर वे नाराज हो गईं और बोली ठेका खत्म हो गया तो उक्त कंपनी के कर्मी क्यों सफाई कर रहे हैं। वार्ड से लेकर शौचालय व बाथरूम में गंदगी का अंबार पाया। शौचालय में पानी की टोंटी खुली हुई थी और पानी बह रहा था। अस्पताल की सिवर लाइन जाम मिला। अस्पताल परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ था। गंदगी व दुर्व्यवस्था देख सीएमएस डा. अमिता अग्रवाल को फटकार लगाई। उन्होंने महिला अस्पताल के बंद पूर्वी गेट को खोलवाने के लिए एसडीएम सदर को निर्देशित किया। अस्पताल के रसोइ घर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जमीन पर बैठकर रसोइयां को भोजन बनाते हुए पाया। इस पर नाराजगी जताई। दाल व रोटी की गुणवत्ता को भी उन्होंने परखा। अच्छे क्वालिटी का भोजन न देख वे बिफर पड़ी और सीएमएस को सुधार लाने का निर्देश दिया।

सामाजिक मुद्दों को मंच पर पेश किया

लखनऊ । विलुप्त होती लोक नाट्य शैली में कलाकारों ने सामाजिक मुद्दों को मंच पर अपने अभिनय और गीत संगीत संग प्रभावी तरीके से पेश किया। ढोलक, नक्कारा, गायन, हारमोनियम व लोक गीतों संग वर्तमान में समाज के सभी प्रकार के व्यक्तियों के क्रिया कलापों को मंच पर साकार किया। समाज में भ्रष्ट होती राजनीति, बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था और बढ़ते अपराध की स्थितियों को रंगकर्मियों ने बखूबी बयां किया। युक्ति भद्र दीक्षित की लिखी जइयो कहां ए हुजूर का निर्देशन सरिता यादव ने किया। जिसका मंचन रविवार को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में किया गया। नौटंकी शैली में ढले नाटक में भ्रष्ट नेता, प्रोफेसर, सेठ और पुलिस को दिखाया गया। संगीतमय प्रस्तुति में तुम पढ़ाने न जाओ पिया, रतिया फूलेली चमेली मैं अकेली बलमा, भूल जा भूल जा तू उसे भूल जा समेत कई गीतों को नौटंकी में परिस्थितियों के अनुसार प्रस्तुत किया गया। नाटक में गुरुदत्त पांडेय, प्रियंका सिंह, अभिषेक कुमार संग हारमोनियम पर अवधेश, नक्कारा पर सुनील विश्वकर्मा, गायन पर प्रियंका आदि ने संगत की।

एक कवियित्री की प्रेम कथा पर परिचर्चा 11 को

लखीमपुर–खीरी । युवा उपन्यासकार सुरेश सौरभ का चर्चित उपन्यास श्एक कवियित्री की प्रेम कथाय पर परिचर्चा का आयोजन 11 नवम्बर को सनातन धर्म सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज मिश्राना में किया जाएगा। उपन्यास के शब्द शिल्प और संवेदना पर परिचर्चा में कुंवर कुसुमेश, नन्दी लाल निराश, डा. राकेश माथुर, विकास सहाय, जोगिन्दर सिंह चावला, डा. मृदुला शुक्ला, शमीउल्ला आदि लोग शामिल होंगे। इससे पहले सुरेश सौरभ की नोटबंदी, 100 कवि, काव्य मंजरी, निर्भया व नंदू सुधर गया आदि पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इस परिचर्चा का संयोजन सत्य प्रकाश शिक्षक और कवि श्याम किशोर बेचौन करेंगे।

संवैधानिक अड़चनें दूर होते ही बनेगा राम मन्दिर : महाना

गोण्डा । औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा कि वह भी चाहते हैं कि अयोध्या में राम मन्दिर बने। संवैधानिक अड़चनें खत्म होते ही अयोध्या में भव्य राम मन्दिर का निर्माण होगा। मंत्री ने सपा–बसपा व कांग्रेस पर भी जमकर तीर चलाए। मूर्ति लगवाने पर मायावती के बयान पर महाना ने कहा कि 100–100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। रविवार को गोण्डा लोकसभा चुनाव संचालन समिति की बैठक के बाद औद्योगिक मंत्री महाना पत्रकारों से रूबरू थे। उन्होंने कांग्रेस पर वार करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोगों को अब तक जय श्रीराम से परहेज था लेकिन अब उनके पोस्टरों में भी मार्यादा पुरुषोत्तम राम की फोटो लगाई जाती है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अखिलेश सरकार में नियुक्तियों में बहुत गड़बड़ियां हुई हैं। वह किसी भी स्तर तक गिरकर गठबंधन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ रुपयों से यूपी में उद्योगों का विकास हो रहा है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री रमापति शास्त्री, भाजपा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह सहित कई विधायक भी मौजूद रहे।

बैट्री दुकानदार ने फांसी लगाई

लखनऊ । अलीगंज के मेहंदी टोला में बैट्री दुकानदार बदरूद्दीन (38) ने फांसी लगा ली। भाई सैबुद्दीन ने बताया कि शनिवार रात वह परिवारीजनों के साथ खाना खाकर अपने कमरे में सोया था। सुबह जब बदरूद्दीन काफी देर सोकर नहीं उठा तो उसका भाई नजमुद्दीन उसको जगाने के लिए कमरे में पहुंचा। देखा कि बदरूद्दीन का शव बेड पर पड़ा था। जबकि गले में रस्सी का निशान था और रस्सी का एक टुकड़ा पंखे से बंधा था। इसकी सूचना पर अलीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन करने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि बदरूद्दीन ने फांसी लगाई थी। सुबह जब परिजनों ने शव देखा, तब तक वजन के कारण फंदा टूट गया था।

डीएम और मारवाड़ी मंच ने वनटांगिया परिवारों के साथ मनाई दीवाली

गोण्डा । तरबगंज के वनटांगिया ग्राम महेशपुर के वनटांगिया परिवारों की यह दीवाली यादगार बन गई। रविवार को डीएम कैप्टेन प्रभांशु श्रीवास्तव ने वनटांगिया परिवारों की दीवाली खुशियों से भर दी। 61 वनटांगिया परिवारों को युवा मारवाड़ी मंच द्वारा कपड़े, जूते, मोजे, खील बताशे, गट्टे गुड़, बर्तन, पटाखे, मिठाई, लइया, बिस्कुट, नमकीन, चप्पल, नी कैप, कंबल, साड़ी, स्वेटर, चटाई, दिया, मोमबत्ती सहित त्योहार से संबंधित सभी जरूरी व पूजा की चीजें भेंट की गईं। एडीएम रत्नाकर मिश्र और सीआरओ कुंज बिहारी, मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष अनिल मित्तल, युवा मारवाड़ी मंच के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, महामंत्री विकास जैन, मुकेश नहरिया, अनिल मित्तल, पद्म अग्रवाल, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, विनय अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल चिंटू, राजेश बंसल, रवि मोदी, रंगेश अग्रवाल, सुरेंद्र गुलाटी, विनोद नहरिया, अंकित गोयल, सचिन खेमका, विशाल अग्रवाल, गोपाल मित्तल व विशाल बंसल आदि इस मौके पर मौजूद रहे।

दीपावली पर सजा बाजार, खरीदारी बढ़ी

गोण्डा । दीपावली व धनतेरस पर्व को को देखते हुए बाजारों में उत्साह और उमंग के साथ सराफा, बर्तन, मिठाई आदि की दुकानें सज गई हैं। जहां ग्राहकों की मांग के हिसाब से खास पैकिंग वाले मिठाई व ड्राईफ्रूट इस बार बाजार में अपनी पैठ जमाए हुए हैं तो वहीं सराफा व इलेक्ट्रॉनिक में गणेश लक्ष्मी वाले चांदी के सिक्के व झालरों में रोटेड बल्ब, एसएमडी रोल ग्रहकों की पसंद बनी हुई है। ग्राहकों की भीड़ बढ़ने से बाजारों में रौनक छाई हुई है। धनतेरस व दीपावली को देखते हुए बाजारों में खरीदारी तेज हो गई है। गोलू मोनू, गुड्डू गुड़िया सभी अपने परिवार संग निकल बाजारों में खरीदारी करने में मशगूल हो गए है। मम्मी पापा गणेश लक्ष्मी तो गोलू मोनू मिठाई ड्राईफ्रूट की मांग कर रहे हैं। जिसे देखो हर कोई खरीदारी में ही लग गया है। शहर के एक माल में तैनात तौसीफ खां व सुजीत सिंह ने बताया कि दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में खरीदार गर्म कपड़ों की ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं। इलेक्ट्रिक की दुकान कर रहे अजीत सिंह चावला का कहना है कि दीपावली में घर की सजावट के लिए इस बार इंडियन झालर, रोटेड बल्ब, एसएमडी रोल की ज्यादा खरीद हो रही है।

किसानों की आय को दोगुना करने के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार संकल्पित : सुरेश्वर सिंह

बहराइच । जनपद के कृषकों को कृषि एवं सम्बद्ध विभागों द्वारा संचालित योजनाओं तथा वर्तमान रबी 2018–19 की तैयारी के सम्बन्ध में उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से कृषि प्रसार सुधार आत्मा योजनान्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में जिलाधिकारी माला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित जनपद स्तरीय एक दिवसीय कृषि प्रदर्शनी, मेला एवं रबी खाद्यान्न उत्पादकता गोष्ठी का मुख्य अतिथि विधायक महसी सुरेश्वर सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया।गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि किसानों की आय को दोगुना करने के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि ऐसी गोष्ठियों के पीछे सरकार की यही मंशा है कि कृषि वैज्ञानिकों व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के मार्फत किसानों को सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सके ताकि वे लागत में कमी लाकर अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकें। श्री सिंह ने किसानों का आहवान्ह किया कि अनुदान पर कृषि यन्त्र को प्राप्त करने के लिए अपना पंजीकरण अवश्य करायें। उन्होंने किसानों को यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक फसल से पूर्व मिट्टी की जॉच अवश्य करायें ताकि आवश्यकतानुसार उर्वरक का उपयोग कर कम कीमत पर अच्छी फसल प्राप्त हो। उन्होंने किसानों को जैविक खेती के साथ–साथ कीटनाशक का प्रयोग न करने की भी सलाह दी। जिलाधिकारी ने किसान गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसान केन्द्र व राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता हैं। देश व प्रदेश का उत्थान किसानों पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि जनपद बहराइच किसान प्रधान जनपद है। आकांक्षात्मक जनपद के रूप में चिन्हित होने के बाद से केन्द्र सरकार ने कृषि सेक्टर के विकास के लिए आई.टी.सी. को जिम्मेदारी सौपी है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जनपद के अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि फसल क्षति की सूचना जल्द से जल्द से बीमा कम्पनियों को उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण हाटों को सुदृढ़ करने के लिए भी जनपद में ठोस कदम उठाये जा रहे हैं। जनपद स्तरीय एक दिवसीय कृषि प्रदर्शनी अन्तर्गत रेशम, पशुपालन, उद्यान, मत्स्य, कृषि आदि विभागों सहित कृषि से जुड़े विभिन्न प्रतिष्ठानों की ओर से प्रदर्शनी पण्डालों का विधायक महसी, जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों तथा गणमान्यजन ने अवलोकन भी किया। गोष्ठी के दौरान कृषि यंत्र व सोलर पम्प अनुदान तथा कृषि स्वावलाम्बन योजना के तहत ऋण स्वीकृति पत्रों का वितरण भी मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्यजन द्वारा किया गया। हिन्दू युवा वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष राजदेव सिंह ने किसानों के लिए संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार तथा किसान पाठशाला का आयोजन कराये जाने, परशुराम कुशवाहा ने कृषि क्षेत्र में जनपद को प्रथम स्थान दिलाये जाने, धान क्रय केन्द्र किसानों को सुविधानुसार संचालित करने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सम्बन्धित समस्याओं का समाधान कराये जाने, हनुमान प्रसाद शर्मा ने गेंहू केन्द्रों की संख्या बढ़ाये जाने, छूट्टा जानवरों, बजरंग बली पाठक ने फसल बीमा योजना का लाभ दिलाये जाने, राम केवल गुप्ता ने धान क्रय केन्द्रों का संख्या बढ़ाये जाने, वीरेन्द्र सिंह ने कृषि यन्त्र वितरण व कृषि यन्त्रों का व्यापक प्रचार कराये जाने हेतु अपना सुझाव दिया। साथ ही प्रगतिशील कृषक राजन सिंह ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी तथा खाद, बीज, कृषि यन्त्रों, गेंहू, धान के मूल्य वृद्धि पर प्रकाश डाला, भूपेन्द्र कुमार ने जीरो बजट खेती, अनिल कुमार मिश्रा ने किसानों द्वारा लगाये गये वृक्षों को सूख जाने व आंधी, पानी में गिर जाने पर निस्तारण करने हेतु अपना सुझाव दिया तथा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। उप निदेशक कृषि डा. आरके सिंह, सीवीओ डा. बलवन्त सिंह, उप निदेशक उद्यान अनीस कुमार श्रीवास्तव, एडी फिस बृजेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राहुल पाण्डेय, लीड बैंक प्रबन्धक बलराम साहू, डीडीएम नाबार्ड एम.पी. बर्नवाल, सहायक निदेशक रेशम एस.बी. सिंह, जिला कृषि अधिकारी राम शिष्ट, नोडल सिंचाई अधि.अभि. सिंचाई पंचम ए. के. सिंह, अधि.अभि. विद्युत नानपारा जे.पी.एस. परिहार व कैसरगंज के वेंकटरमन, बीएसए एस.के. तिवारी, डीपीओ सुनील कुमार श्रीवास्तव, जिला उद्यान अधिकारी पारस नाथ सहित अन्य अधिकारी, गणमान्यजन, प्रगतिशील कृषक व भारी संख्या किसान मौजूद रहे।

कुश्ती में महिला पहलवानों ने आजमाए दाव–पेच

आजमगढ़ । स्थानीय नगर में स्थित राहुल जूनियर हाई स्कूल में रविवार को कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में जनपद के साथ ही बलिया, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, गोरखपुर, वाराणसी के पहलवानों ने प्रतिभाग किया। महिला पहलवानों ने कुश्ती में दावपेंच का प्रदर्शन कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिला पहलवान लालसा कृषक इंटर कॉलेज नीबी की साबरमती, अनुराधा, नेहा यादव, बरखा, मऊ, सुगंधा, प्रगती, निधि भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर अच्छा प्रदर्शन किया। कुश्तियों के साथ ही सठियांव से आए रामनयन पहलवान ने 65 की उम्र में 40 किलो की जोड़ी 10 मिनट तक भांजकर मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख रानी सराय इसरार अहमद ने कहा कि कुश्ती एक प्राचीन भारतीय कला है। यह कला गांवों से होकर ही शहरों तक पहुंची है। इस अवसर पर साधु यादव, विश्वास यादव, सुरेंद्र यादव, शिवम यादव आर्य, राजेश्वर योगी, रामाज्ञा यादव, मदन यादव आदि रहे।

पिता की डांट से क्षुब्ध छात्रा ने लगाई फांसी

लखनऊ । तेलीबाग के गांधीनगर में पिता की डांट से क्षुब्ध 11वीं की छात्रा निशा बानो ने फांसी लगाकर जान दे दी। रविवार सुबह घरवाले जब छात्रा को जगाने गये तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज लगाने पर भी दरवाजा नहीं खुला तो पिता ने खिड़की से झांक कर देखा। निशा का शव पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका था। पीजीआई पुलिस के मुताबिक निशा किसी से मोबाइल पर बात कर रही थी। इससे नाराज पिता ने उससे मोबाइल छीनकर फटकार लगा दी थी। इसी से क्षुब्ध होकर उसने जान दे दी। तेलीबाग के गांधीनगर में रहने वाले मोहम्मद यासीन कमाण्ड अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं और वॉशरमैन का काम करते हैं। उनके परिवार में पत्नी शमीम, बेटी निशा बानो (16) व बेटा अरमान है। निशा बीआर गोप स्कूल में 11वीं की छात्रा है जबकि उसका छोटा भाई अरमान कक्षा–2 में पढ़ता है। घरवालों का कहना है कि शनिवार रात निशा किसी से मोबाइल फोन पर बात कर रही थी। यह देख यासीन ने बेटी के हाथ से मोबाइल छीन लिया और उसे फटकार लगा दी। इसके बाद निशा रोते हुए अपने कमरे में चली गई। सुबह 8 बजे तक निशा कमरे से बाहर नहीं निकली तो घरवाले उसे जगाने गए। उसके कमरे का दरवाजा बंद था। घरवालों ने देखा तो निशा का शव पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका था। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे की तलाशी ली लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। इंस्पेक्टर पीजीआई रवीन्द्र नाथ राय ने बताया कि निशा के परिवारीजन शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाना चाहते थे। लेकिन, इसके बाद भी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसकी रिपोर्ट में हैंगिंग की पुष्टि हुई है।

हुनरमंद कलाकारों को महापौर ने किया पुरस्कृत

लखनऊ । पल्लव चेयरटेबल सोसाइटी की ओर से आलमबाग के गीतापल्ली में शख्शियत सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।कार्यक्रम में मुख्यातिथि महापौर सयुंक्ता भाटिया को संस्था के अध्यक्ष सुनील सिंह, गीतांजलि ने स्मृति–चिन्ह व शाल ओढ़ाकर कर सम्मानित भी किया। इसमें एंकर व एक्टर अनिता सहगल, अर्चना शुक्ला,अनीता राय, रंगनाथ तिवारी,मोहन सिंह समेत अभिनय,कला, नृत्य आदि विधाओ में 25 लोगों को पुरस्कृत किया गया।

रामायण पर केंद्रित चित्र कार्यशाला का समापन

लखनऊ । राज्य ललित कला अकेडमी की ओर से भारत–श्रीलंका रामायण चित्रकला शिविर और रामायण पर केंद्रित चित्र कार्यशाला का समापन रविवार को किया गया। अयोध्या शोध संस्थान और ललित कला अकेडमी की ओर से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला और शिविर के समापन के अवसर पर महापौर संयुक्ता भाटिया मौजूद रही। जिन्होंने प्रतिभागी चित्रकारों को प्रमाण पत्र, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। शिविर में श्रीलंका और भरतीय चित्रकारों ने पेंटिग में भावनात्मक रंगों को उकेर सभी की वाहवाही लूटी। रामायण के विभिन्न प्रसंगों को बेहतरीन चित्रकारी से चित्रकारों ने सभी का दिल जीत लिया। शिविर में आए श्रीलंका के डीएमआर दलपितिया, संदथाराका अंबेसिघें, केएम थारंगा,कल्पनी,गयाशा रूवनपेथिराना ने श्रीलंका की स्थानीय शैली में रामायण का चित्रण किया। वहीं भारत के चित्रकार एनके मिश्रा ने सीता हरण और अशोक वाटिका, डीपी मोहन्ती ने रामवन आगमन, डॉ सविता नाग सेतुबंधु, राजेन्द्र प्रसाद ने कैकई, दशरथ संवाद और परमात्मा प्रसाद ने रमायण के विभिन्न प्रसंगों को विभिन्न रंगो के द्वारा पेंटिग में उकेरा।–अयोध्या के दीपोत्तसव में लगेगी पेंटिग प्रदर्शनी समापन के अवसर पर प्रतिभागी चित्रकारों को मेयर संयुक्ता भाटिया ने रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर केंद्रित चित्रों को देखकर पेंटिग संग चित्रकारों की सरहाना की। इस अवसर पर अकेडमी के सचिव डॉ यशवंत सिंह राठौर ने बताया कि 29 चित्रों की प्रदर्शनी अयोध्या के दीपोत्सव में रामबाजार में प्रदर्शित की जाएंगी। जिसमें शिविर के चित्रकारों संग कार्यशाला के प्रतिभागियों की चित्रकारी को प्रदर्शित किया जाएगा।

मारपीट कर व्यक्ति के रुपये छीने

बकेबर/इटावा । थाना क्षेत्र के ग्राम नगला कले निवासी शिवराम सिंह पुत्र पुत्तीसिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकार अपने ही गांव में ग्राम इकरी थाना लवेदी निवासी रामसिंह पुत्र टीकाराम के साथ मारपीट कर रामसिंह की जेब से 1170 रुपये निकाल लिए। विरोध करने पर शिवराम सिंह ने रामसिंह को जान से मारने की धमकी दी। इस सम्बन्ध में रामसिंह ने बकेबर थाने में शिवराम सहित तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला दर्ज कराते हुए रामसिंह ने बताया कि कुछ समय पहले उसका शिवराम के साथ मामूली बात पर विवाद हुआ था।

लेकिन वह किसी काम से शिवराम के गांव नगला कले गया हुआ था। तभी शिवराम ने उसे देखते ही अपने साथियों के साथ मिलकर उसे घेर लिया और गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर शिवराम ने उसके साथ मारपीट करते हुए जबरन उसकी जेब से 1170 रुपये निकाल लिए और साथ ही उसे जान से मारने की धमकी दी। अतः बकेबर थाना पुलिस ने पीड़ित रामसिंह की तहरीर पर शिवराम सहित 03 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस मामलें की जांच कर रही है।

बैंक मित्रों से लूट करने वाले तीन लुटेरे गिरफ्तार

लखीमपुर–खीरी । 31 अक्टूबर को फरधान क्षेत्र में हुई दो बैंक मित्रों के साथ लूट का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं तीन साथ भागने में सफल रहे। लुटेरों के पास से लूट का एक लाख 10 हजार रुपए भी बरामद हुआ। पुलिस ने तीनों को जेल भेजकर फरार साथियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक राम लाल वर्मा ने बताया कि 31 अक्टूबर को बैंक मित्र रमेश कुमार पुत्र राम कुमार निवासी कोरारा थाना फरधान जिला खीरी व पंकज कुमार वर्मा पुत्र रमनरेश वर्मा निवासी मुडिय़ामिश्र थाना गोला जिला खीरी बम्हनपुर से संबंधित शाखा इलाहाबाद बैंक शाखा सुंदरवल शाखा से मिनी बैंक हेतु एक लाख 8 हजार व एक लाख 23 हजार रुपए निकाल कर मोटर साइकिल से जा रहे थे। थाना फरधान क्षेत्र के ग्राम मिठनाबोझी पड़रिया फार्म के करीब पीछे सुंदरवल की तरफ से असलहों से लैश होकर आये अज्ञात बदमाशों द्वारा दोनों से मारपीट कर इनके पास मौजूद दो लाख 31 हजार की नकदी व बैगों में रखे अन्य कागजात लूट लिए गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के खुलासे के लिए एसपी, एएसपी, सीओ के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक फरधान व स्वाट टीम को लगाया गया। 4 नवंबर को को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एसएचओ फरधान एसएन यादव व स्वाट टीम प्रभारी शिव कुमार यादव की टीम द्वारा सुबह 6रू30 बजे पुलिस मुठभेड़ से सेमरी पुल के पास उल्ल नदी के किनारे तीन लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों की पहचान विशाल कुमार वर्मा पुत्र परमात्माशरण वर्मा निवासी सराय सैदापुर थाना फरधान, सद्दाम पुत्र महमूद निवासी राजापुर थाना फूलबेहड़ जिला खीरी, विकास कुमार उर्फ गोलू पुत्र जगजीवन पांडे निवासी ग्राम सुथरी थाना फूलबेहड़ को दो तमंचों, चार जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस व दो अदद मोटर साइकिल सहित बैंक मित्रों से लूट के एक लाख दस हजार रुपए नकद के साथ गिरफ्तार किया। वहीं तीन लुटेरे पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। जिनके नाम धर्मेंद्र पुत्र रामशरण निवासी लौकिहा थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी, छन्नू पुत्र राजेंद्र निवासी ग्राम कलिया पिपरझला थाना मितौली व दुगन्ना पुत्र अज्ञात निवासी देवकली घोसियाना भागने में सफल रहे।

दिल का दौरा पड़ने से किसान की मौत

बांदा । बबेरू कोतवाली क्षेत्र के मुरवल गांव में रहने वाले एक किसान को दिल का दौरा पड़ गया। परिवार के लोगों ने हालत बिगड़ती देखी तो आनन–फानन में 108 एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल लाए, वहां पर चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवारीजनो का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। रोते–बिलखते परिवार के लोग शव लेकर घर चले गए। मुरवल गांव निवासी संतोष नाई (55) के पास डेढ़ बीघा खेतिहर जमीन है। इसके साथ ही वह नाईगीरी का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। रविवार को दोपहर नहाने और खाना खाने के बाद संतोष नाई घर में चारपाई पर लेट गए। उसी दौरान संतोष को दिल का दौरा पड़ गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। परिवार के लोगों ने आनन–फानन में उसे 108 एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल लाए, जिला अस्पताल के चिकित्सक ने एंबुलेंस से उतारने के बाद ही संतोष को देखा, लेकिन तब तक संतोष नाई की मौत हो चुकी थी। चिकित्सक ने संतोष नाई को बेजान घोषित कर दिया। संतोष के मृत घोषित होने के बाद ही परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। रोते–बिलखते परिवार के लोग शव लेकर घर चले गए। मृतक के पुत्र ने बताया कि उसके पिता खेती–किसानी करते थे, इसके साथ ही समय मिलने पर नाईगीरी का काम भी कर लेते थे। इस घटना से परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। रोते–बिलखते परिवार के लोग शव लेकर घर चले गए। बांदा। गिरवां थाना क्षेत्र के मुरवां गांव निवासी बच्चा (18) पुत्र राजू रविवार की दोपहर को अपने चाचा नंदपाल (45) पुत्र महावीर निवासी दिखितवारा (अतर्रा) बाइक में सवार होकर अतर्रा जा रहे थे, तभी रास्ते में बाइक अनियंत्रित होकर गिर जाने से दोनो लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने पर बच्चा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां उसका उपचार किया जा रहा है।

घर से नकदी, जेवर व कम्प्यूटर आदि चोरी

इटावा । सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अर्न्तगत चोरों ने सराय शेख में सूने मकान को निशाना बनाया और घर का ताला तोड़कर घर से सोने चांदी के जेवर, कम्प्यूटर व 45 हजार नकदी सहित अनेक घरेलू सामान चोरी कर ले गये। जानकारी होने पर गृह स्वामी ने थाना क्षेत्र में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सराय शेख निवासी गौरव दीक्षित अपने परिवार के साथ कहीं गये हुए थे। उसी दौरान चोरों ने उनके सूने मकान को निशाना बनाया और घर में प्रवेश कर कमरे में पड़े ताले को तोड़कर अलमारी से सोने चांदी के जेवर व नगदी आदि सामान चोरी कर ले गये। गौरव दीक्षित को घटना की जानकारी पड़ोसियों द्वारा हुई।

सुबह होने पर पडोसियों ने देखा कि उनके घर के दरवाजे पर लगा ताला टूटा पाया। जानकारी मिलते ही गौरव दीक्षित मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। तभी गृह स्वामी गौरव दीक्षित की जानकारी पर थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मकान का निरीक्षण किया। गौरव दीक्षित ने बताया कि चोर उनके घर से सोंने चांदी के कीमती जेवरात, कमरे में रखा कम्प्यूटर सैट, 45 हजार रुपये नकदी व घर का अनेक घरेलू व कीमती सामान चोरी कर ले गये।

जमीनी विवाद में अधेड़ को पिटाई के बाद मारी गोली

लखीमपुर–खीरी । थाना ईसानगर क्षेत्र में बीती रात जमीनी विवाद के चलते दबंगों ने 50 वर्षीय एक व्यक्ति के घर धावा बोलकर पहले धारदार हथियार से घायल कर दिया। फिर जान से मारने की नीयत से गोली मार दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची 100 थाना पुलिस ने घायल को ईसानगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर देख डाक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज जारी है। सुबह घायल मुन्ने के चचेरे भाई के द्वारा दी गई तहरीर पर थाना पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत करके हमलावरों की धरपकड़ शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के लौकाही मल्लापुर निवासी मुन्ने पुत्र मजीद (50) की अपने ही गांव के जाबिर से काफी दिनों से जमीनी विवाद चल रहा था। जिसको लेकर कई बार मारपीट लड़ाई–झगड़ा भी हो चुका था। इन लड़ाई–झगड़ों के बीच जाबिर द्वारा मुन्ने को जान से मारने की धमकी भी दी जा चुकी थी। उसी धमकी को सच साबित करने के लिए बीती रात जाबिर ने अपने साथियों के साथ हथियारों से लैस होकर लगभग 12 बजे मुन्ने के घर धावा बोलते हुए घर के बाहर सो रहे मुन्ने को गालियां देते हुए पहले तो धारदार हथियार से हमला करके घायल किया। फिर उसके गोली मार दी। गोली मुन्ने के बाएं हाथ में लगी। वहीं दाहिना हाथ धारदार हथियार के वार से घायल हो गया। गोली की आवाज सुनकर घर के सभी सदस्य जागकर शोर मचाने लगे व घर में मौजूद बच्चों ने डायल 100 पुलिस को सूचना दी। शोर सुनकर जैसे ही पड़ोस के लोग व पुलिस मुन्ने के घर पर पहुंच पाती उससे पहले ही हमलावर भाग निकले। घटना की सूचना पाकर तत्काल मौके पर पहुंची डायल 100 पुलिस ने मुन्ने को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ईसानगर में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने हालत गंभीर देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसका इलाज जारी है। सुबह होते ही घायल मुन्ने के चचेरे भाई द्वारा गांव के ही झुर्रा पुत्र साबित, जाबिर पुत्र छोटकन्नू, शमी पुत्र जोबिर व शमसुद्दीन पुत्र इश्हाक की नामजद तहरीर थाने में देकर न्याय की गुहार लगाई।

लोकसभा की सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ेगी नागरिक एकता पार्टी : शमीम

गोण्डा । नागरिक एकता पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रविवार को जिले में आयोजित पार्टी कार्यकर्ताओं की पहली बैठक में इसका ऐलान किया। प्रदेश की बदहाली के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा सपा व बसपा को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इन पार्टियों की कथनी और करनी एक है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के मुद्दे को उन्होंने भाजपा का चुनावी हथियार बताते हुए कहा कि इस पर सभी को शीर्ष अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए। राष्ट्रीय एकता पार्टी की तरफ से रविवार को लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले में पार्टी के कार्यकर्ताओं की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो. शमीम खान ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सर्व समाज के विकास के संकल्प के साथ वर्ष 2011 में नागरिक एकता पार्टी का गठन किया था। धार्मिक कट्टरता व ऊंच नीच के बंटवारे की राजनीति को खत्म करना पार्टी का उद्देश्य है।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में बताया मो. शमीम खान ने कहा कि भाजपा, सपा व बसपा ने प्रदेश को बदहाली के रास्ते पर ढकेलने का काम किया है। प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि 40 दिनों में प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बना देंगे लेकिन उनका यह दावा हवा हवाई साबित हुआ है। सड़कों पर गड्ढे खत्म होने के बजाय और बढ़ गए हैं। देवीपाटन मंडल को प्रदेश का सबसे पिछड़ा मंडल बताते हुए उन्होंने इसके लिए जिले के जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि इस जिले के जनप्रतिनिधि विकास के मुद्दे को खनन व खाद्यान्न की ठेकेदारी कर अपना विकास करने में जुटे हैं। मो. शमीम खान ने जिले के पूर्व जिलाधिकारी राम बहादुर की चर्चा करते हुए बताया कि पार्टी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानती है। इस जनपद के विकास के लिए जो काम राम बहादुर ने किया था वह ऐतिहासिक है। पार्टी को मौका मिला तो उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का काम किया जाएगा। हालांकि जिले की लोकसभा सीट से पूर्व जिलाधिकारी राम बहादुर की उम्मीदवारी के सवाल को वह टाल गए और कहा कि समय आने पर इस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने ऐलान किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। इस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमर रजा, प्रवक्ता आलोक दूबे, महासचिव अब्दुल हलीम, पार्टी के संस्थापक सदस्य पारसनाथ दीक्षित, प्रदेश उपाध्यक्ष जावेद अंसारी, महासचिव शकील अहमद राजू, मीडिया प्रभारी मो. अनीश, युवा मोर्चा के महासचिव अतुल अवस्थी समेत अन्य भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

चेहरा नीतीश, भाजपा निश्चिंत

अपनी शतरे पर राजनीति करने में माहिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन के भीतर चल रहे राजनीतिक घमासान की पहली बाजी अपने हाथ कर ली है। गठबंधन में बड़े भाई की स्वीकार्यता के साथ बिहार का चुनावी चेहरा बने नीतीश ने एक बार फिर भाजपा की निर्भरता को उजागर कर यह साबित कर दिया है कि फिलहाल राज्य में जो भी गठबंधन बनेगा उसका नेतृत्व जनता दल (यू) के हाथ ही रहेगा। गत लोकसभा चुनाव में 38 सीटों पर चुनाव लड़ कर महज दो सीटों पर कब्जा जमाने वाली जनता दल (यू) के हाथ उस भाजपा ने कमान सौंपी है, जिसे वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में खुद 30 सीटों पर लड़कर 22 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। 2014 के लोक सभा चुनाव में भाजपा की जीत के मायने चाहे जो हों, मगर भाजपा के रणनीतिकार आगामी लोक सभा चुनाव में जीत के लक्ष्य का भेदी अगर नीतीश को मानते हैं तो इसकी कई वजहें भी है। प्रदेश भाजपा द्वारा नेतृत्व का कोई सर्वमान्य चेहरा न गढ़ पाना पार्टी की पहली ऐसी मजबूरी बनी, जहां नीतीश की निर्भरता सर्वथा भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के लिए भी स्वीकार्य हुई। दरअसल, एनडीए गठबंधन की राजनीति के लगभग डेढ़ दशक बाद भी प्रदेश भाजपा के नामचीन नेताओं का चेहरा जाति विशेष के चेहरे से मुक्त होता नजर नहीं आया। ऐसे में भाजपा नेतृत्व को फिलहाल अपने किसी भी चेहरे के पीछे भागने पर परम्परागत वोटों का बिखराव नजर आय। ऐसे में भाजपा के पास वोटों के बिखराव को रोकने का एकमात्र भरोसेमंद चेहरा नीतीश कुमार। भाजपा नेतृत्व की दूसरी मजबूरी यह भी है कि नीतीश की पहचान एक ऐसे नेता के रूप में भी बनी है, जिनकी स्वीकार्यता विपक्ष की राजनीति कर रहे कुछप्रमुख दलों के भीतर भी है। और इस जरूरत को भाजपा नेतृत्व के लिए समझना भी एक मजबूरी है। हालात ऐसे नहीं है कि वर्ष 2014 के हालात का सुख भाजपा उठा सके। ऐसे में देश की कुर्सी पर काबिज होने की राह में भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए को कुछ सीटें कम भी मिले तो वह ''जुगाड़' टेक्नोलॉजी से पूरा किया जा सके। और यह गुण देश की नजरों में विकास पुरु ष बने नीतीश कुमार में है। भाजपा नेतृत्व ने तो बखूबी नीतीश कुमार के इस गुण को राज्यसभा में बतौर उपसभापति के चुनाव के दौरान आजमा भी लिया है। भाजपा की सियासी फैसलों का नतीजा था कि जदयू के हरिवंश नारायण सिंह को उपसभापति चुनाव में उतारकर अपनी बाजी एनडीए के नाम कर दी। अपने इमेज के प्रति सजग रहने वाले नीतीश कुमार ने जिस तरह से राजाराम मोहन राय के रास्तों पर चल कर एक नया और उत्साही चेहरा बिहार के भीतर विकसित किया है वहा इनके इर्द–गिर्द स्वीकार्यता बढ़ी है। मसला चाहे शराबबंदी का हो या फिर दहेज मुक्त शादी का। या फिर बाल विवाह निषेध का ही। भाजपा नीतीश कुमार के इस नये चेहरे के पीछे चल कर गठबंधन की राजनीति को उसी तरह से दुरुस्त करना भी चाहती है, जिस तरह से अपने प्रारम्भिक काल में सत्ता में आते ही शिक्षा सुधार की ओर ध्यान देते साइकिल योजना, पोशाक योजना व छात्रवृत्ति योजना के जरिये एनडीए की राजनीति को मजबूत आधार देने का काम किया गया था। भाजपा के रणनीतिकारों की नजर गत लोक सभा चुनाव में अलग लड़ने वाले जदयू के प्रदर्शन भी टिकी है। तब एनडीए से अलग होने पर जदयू को लगभग 16 प्रतिशत वोट, भाजपा को 29.40 प्रतिशत मत मिले थे और लोजपा को 6.40 व रालोसपा को लगभग 3 प्रतिशत यानी एनडीए के खाते में लगभग 39 प्रतिशत वोट हासिल होते हैं। ऐसे में जदयू के 16 प्रतिशत मत प्रतिशत को जोड़ते हैं तो यह 55 प्रतिशत जा पहुंचता है। जाहिर है चुनावी दौड़ में हमेशा एक और एक ग्यारह नहीं होता मगर गठबंधन की मजबूती वोटों के बढ़ते प्रतिशत जरूर हासिल हो जाती है। नीतीश को सामने रख कर भाजपा की नजर झारखंड व उत्तर प्रदेश चुनाव को थोड़ा आसान करना भी है। खास कर नीतीश की पकड़ झारखंड व उत्तर प्रदेश के सटे लोकसभा के साथ उन बार्डर क्षेत्रों से हैं, जहां की राजनीति में एक खास जाति का प्रभाव भी है। साथ ही झारखंड के ऐसे दलों से भी रिश्ता है जिनके संबंध फिलहाल भाजपा से ठीक नहीं है। ऐसे में भाजपा झारखंड व उत्तर प्रदेश के लोक सभा चुनाव में भी नीतीश के सामर्थ को भी आजमा कर एनडीए सीटों के क्राइसिस के दौरान प्रॉब्लम शूटर के रूप में आजमाना चाहती है। एक अन्य मगर महत्त्वपूर्ण वजह इसी वर्ष पांच राज्यों में होने वाले चुनाव भी बन गए हैं। खास कर मध्यप्रदेश ,राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा की स्थिति बेहतर नहीं दिख रही है। इस कारण राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में सीटे कम भी आती हैं तो उसकी भरपाई नीतीश के सहयोग से अन्य राज्यों से की जा सके।

समृद्धि और प्रकाश की पोषक परंपरा

कृति बहुरूपवती है। यह सदा से है। प्रतिपल नए रूप में होती है, लेकिन इसकी श्रेष्ठतम अभिव्यक्ति प्रकाश है। छांदोग्य उपनिषद के अनुसार 'प्रकृति का समस्त सवरेत्तम प्रकाश रूप है।' सूर्य प्रकृति का भाग हैं। वैदिक वांग्मय में देवता हैं। सहस्त्र आयामी प्रकाशदाता हैं। वैदिक पूर्वज प्रकृति में भरी पूरी प्रकाश ऊर्जा का केंद्रक न्यूक्लियस जानना चाहते थे। इस जिज्ञासा के उत्तर में कठोपनिषद मुंडकोपनिषद व श्वेताश्वतर उपनिषद में एक ही बात कही गई है 'उस केंद्र पर सूर्य प्रकाश नहीं, चंद्र किरणों का भी नहीं। न विद्युत है और न अग्नि, लेकिन उसी एक ज्योति केंद्र से यह सब प्रकाशित है। प्रकाश प्राचीन भारतीय दर्शन व विज्ञान की सनातन प्यास है। वृहदारण्यक उपनिषद में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय, असतो मा सद्गमय यानी अंधकार से प्रकाश व असत से सत की ओर चलने का संदेश है।' गीता में अजरुन ने विराट रूप देखा, बोला 'दिव्य सूर्य सहस्त्रणि यानी सहस्त्रो सूर्यो का प्रकाश देख रहा हूं। ऋग्वेद के अनुसार, 'जन–जन को प्रकाश से भरने के लिए ही अग्नि ने अमर सूर्य को आकाश में बिठाया है।' भारत की इसी सनातन ज्योतिर्गमय आकांक्षा का सांस्कृतिक आयोजन दीपावली है।

दीपावली निराला प्रकाश पर्व है। दिवस श्रम है, रात्रि विश्रम। रात्रि प्रकाशहीनता है। चंद्र सूर्य से प्रकाशित हैं। वे रात्रि में प्रकाश देने का प्रयास करते हैं। घटते–बढ़ते हुए। पूर्णिमा पूर्ण है। पूर्वजों ने पूर्णिमा में उल्लासपूर्ण प्रकाश अनुभूति देखी। शरद पूर्णिमा उत्सव हो गई। ठीक 15 दिन बाद पूर्ण अंधकार वाली कार्तिकी अमावस्या। तब अंधकार भी अंधकार में अदृश्य था। पूर्वजों ने इसी अमावस्या को झमाझम प्रकाश पर्व बनाया। भारत का शाब्दिक अर्थ प्रकाशरत है। भा का अर्थ प्रकाश और रत का अर्थ संलग्नता। दीपपर्व का मुख्य आयोजन अमावस्या की रात्रि होता है, लेकिन मान्यताओं ने इसे पांच दिवसीय मधुमय आयोजन बनाया है। लंका विजय कर अयोध्या लौटे श्रीराम का स्वागत सहस्त्रों दीपों द्वारा हुआ। 12 वर्ष के वनवास व एक वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी हुई। कुछ लोग इसे भी दीपपर्व से जोड़ते हैं। दीपपर्व का उल्लेख पद्म पुराण व स्कंद पुराण में भी है। लगभग 3500 वर्ष ईसापूर्व कठोपनिषद में यम और नचिकेता के मध्य सांसारिक धन संपदा व वास्तविक ज्ञान पर प्रश्नोत्तरों की स्मृति को भी दीपपर्व से जोड़ा जाता है। इतिहासकार अलबरूनी ने भी दीपावली का उल्लेख किया है।

दीपपर्व का प्रकाश आनंद अचानक नहीं खिला। भारतीय परंपरा में दीपपर्व की निरंतरता है। सातवीं शताब्दी के संस्कृत नाटक नागनंद में इसे 'दीपप्रतिपादुत्सव' कहा गया है। नौवीं शताब्दी में राजशेखर ने काव्य मीमांसा में इसे दीपमालिका कहा है। इस पर्व की देवी श्रीलक्ष्मी हैं। कहा जाता है कि उन्होंने इसी रात पति रूप में विष्णु का वरण किया। लक्ष्मी और विष्णु का रूपक बड़ा प्यारा है। दोनों क्षीर सागर में शेष शैय्या पर हैं, लेकिन शांत हैं। 'शान्ताकारं भुजग शयनं' आश्चर्यजनक है। सांप पर लेटना और शांत रहना। इसीलिए धन की देवी लक्ष्मी रिद्धि, सिद्धि, समृद्धि के विवेकाधीन कोष की स्वाभिमानी हैं। ऋग्वेद में समृद्धि देवी से स्तुति है 'सामान्य धनी दोगुनी, तीन गुनी चार गुनी संपत्ति चाहते हैं। धन का

निजी हित में प्रयोग करने वाले दंडनीय हैं।' धन के सामाजिक उपयोग पर जोर है। पश्चिमी अर्थशास्त्र में उद्यमी को 'साहसी' कहा गया है और लाभ को साहस का पुरस्कार। 'शुभ लाभ' भारतीय चिंतन का विकास है। लाभ में टैक्सचोरी, मिलावट आदि भी है। शुभ लाभ में यह तत्व नहीं होते। आर्थिक दुष्चक्र से बड़ों की संपदा लगातार बढ़ी है। 2016 के एक आकलन के अनुसार एक प्रतिशत धनिकों के पास 58.4 प्रतिशत धन है। 10 प्रतिशत के पास 80 प्रतिशत संपदा है। विषमता चिंताजनक है।

प्रकाश राष्ट्रधर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का संधान है। धन समृद्धि और ज्ञान प्रकाश पर भारत के प्रत्येक जन का अधिकार है, लेकिन विषमताएं गहरी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रत्येक गांव तक विद्युत प्रकाश पहुंचाया है। प्रत्येक घर को प्रकाशित करने का उनका ध्येय स्वागतयोग्य है। उद्यमी को 59 मिनट में ऋण उपलब्ध कराने की घोषणा दीपावली का गिफ्ट है। ऐसी तमाम योजनाएं और भी हैं, लेकिन जीवनदृष्टि में प्रकाश भरने का काम सरकारें ही नहीं कर सकतीं। अलगाववादी बयान देने वाले प्रकाश धर्म पर आक्रामक हैं। संसदीय मर्यादा ह्रासमान है। विभाजक सामाजिक अस्मिताएं और मजबूत हुई हैं। हम सब अपना सामाजिक दायित्व क्यों नहीं निभाते? पर्व, उत्सव और संगमन सांस्कृतिक उदात्त भाव में ही प्रकट होते हैं। किसी अमंगल मुहूर्त में दीपपर्व के साथ आतिशबाजी जुड़ी। वायु प्रदूषण जानलेवा है बावजूद इसके पटाखे हवा में जहर घोल रहे हैं। जुआ भी इस पर्व का हिस्सा बना है। गणोश–लक्ष्मी निश्चित ही आहतमन होंगे। उत्स मूल है। उत्सव इसी मूल उत्स में व्यापक होता है। आनंद का अतिरेक बढ़ता है। आनंद सबको आवृत्त करता है तब उत्सव बनता है।

दीप राग का मूल है–अप्प दीपो भव। स्वयं दीप बनो। बुद्ध ने ढाई हजार वर्ष पहले यही कहा था। तुलसीदास रामचरितमानस में 'विज्ञानदीप' प्रतीक लाए। वह सात्विक आस्तिकता को गाय कहते हैं। आस्तिकता की गाय से धर्ममय दूध दुहते हैं। धर्म से ठंडा करते हैं। फिर दही को विचार से मथते हैं–मुदिता मथै विचार मथानी। योग अग्नि पर तपाकर ज्ञान घृत निकालते हैं। चित्त के दीप में ज्ञान घृत डालते हैं फिर जागृति, स्वप्न और सुषुप्ति की बाती। तब विज्ञानमय दीप बनता है–एहि विधि लेसै दीपध्तेज राशि विज्ञानमय। फिर विज्ञानमय बुद्धि पर समता का आधार बनाएं–समाता दिअटि बनाइ। आधुनिक भारत में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की महत्ता है, लेकिन समता–समरसता का अभाव है। गरीबी की खाई गहरी है। यहां अंधकार ही अंधकार है। समृद्धि के शिखर पहाड़ से भी ऊंचे हैं। हिसा के विश्वासी समूह संप्रभु गणतंत्र को चुनौती देते हैं। यहां उनके पक्षकार बुद्धिजीवी कहे जाते हैं। प्रकाश पर्व की रस लब्धि नहीं होती। तुलसी के विज्ञान दीप में समता मुख्य आधार है। धैर्य, धर्म, विचार, जीवन के श्रेष्ठ उपकरण हैं।

दीपपर्व भारत के प्रकाश अमीप्सु चित्त का सृजन है। प्राचीन यूनानी दर्शन और भारतीय उपनिषदों की अनेक बातें समान हैं। व्यापार प्रसार व बौद्धिक प्रयोजनवश अनेक भरतवंशी बाहर गए थे। दीपपर्व भी साथ गया हो तो आश्चर्य क्या है? मलेशिया में इस पर्व पर सार्वजनिक अवकाश भी है। सिंगापुर सरकार भी दीपपर्व आयोजनों में साथ देती है। यह उत्सव श्रीलंका में भी है। ऑस्ट्रेलिया में 2006 से इसे मनाया जा रहा है। विक्टोरियन संसद, फेडरेशन स्क्वायर मेलबोर्न हवाई अड्डे व भारतीय दूतावास को सजाया जाता है। अमेरिका में 2007 में इसे सरकारी घोषणा द्वारा स्वीकृत किया गया। बराक ओबामा ने 2009 में दीपावली उत्सव में भाग लिया। ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, फिजी, पाकिस्तान, थाइलैंड, इंडोनेशिया, सूरीनाम, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात में भी दीप उत्सव होते हैं। दीपपर्व का खूबसूरत सांस्कृतिक निर्यात हुआ है। हम भारतीय इसके जन्मदाता हैं। दीप की महत्ता विराट है। कवि नीरज ने लिखा है 'उग रही लौ को न टोकोध ज्योति के रथ को न रोकोध जल गया है दीप तो अंधियार ढलकर ही रहेगा।' आइए एक दीप भारत और भारतीयता के लिए भी जलाएं।

आस्था से आहत होती व्यवस्था

विश्वविख्यात अर्थशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'द आइडिया ऑफ जस्टिस' में एक अध्ययन का जिक्र किया है। केरल स्वास्थ्य मानदंडों में भारत के अन्य राज्य तो छोड़िए, चीन से भी आगे और लगभग यूरोप के समकक्ष है। इसका कारण वहां राज्य सरकारों द्वारा स्वास्थ्य और शिक्षा पर पिछले कुछ वर्षो में किया गया खर्च है। इसके ठीक विपरीत सरकारी भ्रष्टाचार और उदासीनता के कारण बिहार और उत्तर प्रदेश इन पैमानों पर लगातार रसातल में बने हुए हैं। असामान्य रूप से जीवन प्रत्याशा और खासकर वृद्धावस्था की मृत्यु दर बढ़ी हुई है, लेकिन जब बीमारी को लेकर व्यक्तिगत संतुष्टि का आकलन किया गया तो केरल में सबसे ज्यादा असंतुष्ट लोग पाए गए तो बिहार और उत्तर प्रदेश में सबसे कम असंतुष्ट। इसके कारण को खोजने पर सेन को पता चला कि 'अभाव में भी संतुष्टि' का यह भाव बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों में इसलिए है कि उन्हें कभी भी सरकारों से अपेक्षा नहीं रही, क्योंकि वे जानते भी नहीं कि सरकार की भूमिका जनजीवन को उठाने में क्या और कहां तक है।

सेन की धारणा का मतलब यह है कि अशिक्षा, अज्ञानता और सत्ता, सरकार और राज्य अभिकरणों के प्रति 'जाही विधि रखे राम, ताहि विधि रहिये' का दासत्व भाव आज भी उत्तर भारत के इन दो राज्यों में हीं नहीं, बल्कि हिंदी पट्टी में भयंकर रूप से व्याप्त है। इसके एकदम उलट केरल में हमेशा से शिक्षा की स्थिति बेहतर रही है और सामूहिक चेतना विकास के तमाम मानदंडों को लेकर तार्किक और सत्ता पर दबाव बनाने वाली रही है। एक

कुंठित और तार्किक रूप से अवैज्ञानिक समझ वाले समाज को 'मैनेज' करना सरकारों के लिए ज्यादा आसान रहता है, क्योंकि भ्रष्टाचार में डूबे हुए होने के बावजूद राजनीतिक दल उन्हें भावनात्मक रूप से बरगलाकर अपने पक्ष में कर ही लेते हैं।

यहां एक प्रश्न विश्लेषकों से भी बनता है कि यदि पिछले 70 वर्षो में समाज की समझ ही गाय, तलाक, मंदिर और मस्जिद जैसे मुद्दों से ऊपर ही नहीं बढ़ पा रही है तो दोष केवल राजनीतिक वर्ग का ही क्यों माना जाए? अगर केरल जैसे शिक्षित और तार्किक सामूहिक सोच वाले राज्य में भी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को ठेंगा दिखाते हुए महिलाओं को सबरीमाला में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है तो भला राजनीतिक दल इसे क्यों नहीं भुनाएंगे। यहां सवाल यह भी है कि अगर यह समझते हुए भी कि हर चुनाव के पहले आरक्षण, धार्मिक प्रतीकों और जातिवाद का मुद्दा 'बोतल में बंद जिन्न' की तरह बाहर निकल आता है तो समाज की आंखों पर पर्दा क्यों पड़ा रहता है और वह चुनाव दर चुनाव धोखा खाते हुए भी यह संदेश नहीं दे पाता कि खूंखार अपराधी शहाबुद्दीन की जगह संसद नहीं सलाखों के पीछे है। शहाबुद्दीन कैसे चार बार प्रजातंत्र के सबसे 'पवित्र मंदिर' लोकसभा में चुन कर आता है? और क्यों किसी लालू यादव को यह संदेश नहीं जाता कि भ्रष्टाचार और अपराध की प्रजातंत्र में जगह नहीं? कैसे किसी राजनीतिक दल का नेता जनमंच से यह चेतावनी दे सकता है कि सुप्रीम कोर्ट आस्था के मुद्दे से छेड़खानी करने से बाज आए ?

दरअसल समाज का एक तबका जिनमें कुछ शिक्षित शहरी लोग और राजनीतिक वर्ग भी शामिल है, वे जनमंचों पर तो विकास की बात करते हैं। इसे सिद्ध करने के लिए 'अपने पक्ष के चुनिंदा आंकड़े' भी पेश करते हैं, लेकिन वापस लौटकर वे दल जाति और संप्रदाय के आधार पर टिकट दे देते हैं। और यह तथाकथित शिक्षित शहरी वर्ग अपनी जाति के नेता के घर अपने बेटे की नौकरी लगवाने या अपना तबादला रुकवाने या मलाईदार जगह करवाने के लिए पहुंच जाता है। अगर आस्था इतनी अक्षुण्ण है तो फिर दुष्कर्म के आरोप में बाबा आसाराम को जेल क्यों? वह तो आज भी लाखों लोगों का भगवान है? राम रहीम को आज भी खुला छोड़ दें और देख लें कि सियासी दल उनके भक्तों के वोटों के लिए उनके आगे कैसे नतमस्तक होते हैं।

आखिर इस संविधान का क्या होगा जिसके अनुच्छेद 14 में समानता को मौलिक अधिकार माना गया और सर्वोच्च न्यायालय से उसे बनाए रखने की अपेक्षा की गई। सबरीमाला मंदिर में तो सभी आयु की महिलाओं के मंदिर में प्रवेश का मामला था और भारत में एक बड़ा वर्ग इस फैसले के पूर्व इस मंदिर का नाम भी नहीं जनता था। ऐसे में क्या राजनीतिक पार्टी के हिसाब से जहां भी समाज के किसी वर्ग की आस्था हो, अदालतों को फैसले सुनाने का हक नहीं होना चाहिए। तब फिर चौराहे या सड़कों पर एक मस्जिद, एक मंदिर हर रोज बनाए जाते रहेंगे और कुछ दिन में भक्त भी वहां आने लगेंगे। इस तरह आस्था बढ़ जाएगी और तब सड़कें जाम होने लगेंगी, क्योंकि पूजा या अजान से ऊपर कुछ नहीं।

हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा भारत बनाते जा रहे हैं? अमर्त्य सेन ने इसका कारण बताया है। उनके अनुसार हमारे तार्किक फैसले और किसी फैसले का चुनाव करते समय असली इच्छा में एक बड़ा अंतर रहता है। इसे 'इच्छा की कमजोरी' कहते हैं जिसे ग्रीक दर्शन में 'अक्रासिया' के नाम से जाना जाता है। भारत के समाज दर्शन में इसे 'अपूर्ण आत्मनियंत्रण' भी माना गया है। कितना साम्य है, केरल के उस शिक्षित व तार्किक समाज में जो सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ महिलाओं को पुरुष सत्ता की जकड़न से निकलने नहीं देना चाहता। इसमें दोनों पक्षों की ओर से राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले खड़े हैं। वहीं उत्तर प्रदेश और बिहार का बीमार समाज जो शिक्षा और स्वास्थ्य के अभाव में तिल–तिल कर मर रहा है, लेकिन 'आस्था' और 'भावनात्मक' मुद्दों पर सर्वोच्च न्यायालय से भी दो–दो हाथ करने को उद्धत है। तभी उत्तर प्रदेश के गेरुआधारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'अन्य' विकल्पों की बात कह रहे हैं तो केंद्रीय राज्यमंत्री गिरिराज सिंह ने इस अदालत से जनवरी में पीठ बनाए जाने के फैसले के अगले दिन कहा कि 'मुङो डर है कि कहीं हिंदुओं के सब्र का बांध न टूट जाए।' जाहिर है कि आस्था की बात आस्थावान लोगों को ही अच्छी लगेगी और अगली बार फिर कोई गिरिराज, कोई लालू या शहाबुद्दीन या कोई ओवैसी संसद की शोभा बनेंगे। आजादी के 70 साल बाद भी बिहार में कुपोषण के कारण हर दूसरा बच्चा ठूंठ (स्टंटेड) या कमजोर (वेस्टेड) पैदा होता रहेगा और बड़ा होकर अशिक्षित और अस्वस्थ होते हुए भी आस्था का झंडा ऊंचा करता रहेगा। उधर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव की तैयारी के साथ अपने दलित प्रेम का प्रदर्शन करते हुए ताजा एलान किया कि 'किसी में ताकत नहीं जो अनुसूचित जाति व जनजाति का आरक्षण खत्म कर सके।'

भारत की चिंता का कारण

श्रीलंका का राजनीतिक संकट निश्चय ही चिंताजनक है। पिछले कुछ महीनों से राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना एवं प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। सिरीसेना के राजनीतिक मोर्चे यूनाइटेड पीपुल्स फ्रीडम अलायंस (यूपीएफए) और विक्रमसिंघे की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) और यूपीएफए के बीच मतभेद खुलकर सामने था। फरवरी में स्थानीय निकाय चुनावों को मीडिया ने सत्तासीन गठबंधन के लिए जनमत संग्रह कहा था। उसमें राजपक्षे की नई पार्टी ने जबरदस्त जीत हासिल की। गठबंधन के दोनों सहयोगी इसके लिए एक–दूसरे को आरोपित करने लगे थे। सिरीसेना और विक्रमसिंघे के बीच सुरक्षा, आर्थिक नीतियों और सरकार के रोजमर्रा के प्रशासन को लेकर तो खींचतान चल ही रही थी। सिरीसेना ने यूएनपी पर उनकी और रक्षा मंत्रालय के पूर्व शीर्ष अधिकारी गोताभया राजपक्षे की हत्या की कथित साजिश को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया। अचानक कृषि मंत्री और यूपीएफए के महासचिव महिंद्रा अमरवीरा ने कह दिया कि हमने गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया है और फैसले से संसद को अगवत करा दिया गया है। किंतु सिरीसेना ने विक्रमसिंघे को बर्खास्त कर जिस तरह पूर्व राष्ट्रपति महेन्द्रा राजपक्षे को प्रधानमंत्री नियुक्त किया उसकी संभावना किसी ने व्यक्त नहीं की थी। राजपक्षे और सिरीसेना के बीच जिस तरह छत्तीस के रिश्ते थे उसमें यह अकल्पनीय था। सिरीसेना राजपक्षे की सरकार में स्वास्य मंत्री थे। उनसे विद्रोह करके उन्होंने मोर्चा बनाया और राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें पराजित किया। प्रश्न है कि अब होगा क्या? 2015 में भारत के प्रयासों से विक्रमसिंघे एवं सिरीसेना के बीच गठबंधन हुआ। विक्रमसिंघे की यूएनपी के समर्थन से सिरीसेना राष्ट्रपति चुनाव जीते। महेन्द्रा राजपक्षे लिट्टे को मटियामेट करके हीरो बनकर उभरे थे। यद्यपि भारत ने तमिल क्षेत्र के पुनर्निमाण एवं उजड़े हुए तमिलों के पुनर्वास में महत्त्वपूर्ण दायित्व हाथों में लिया जिसे आज तक पूरा किया जा रहा है। बावजूद राजपक्षे ने भारत विरोधी रवैया अपना लिया था। उन्होंने सामरिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हंबनटोटा बंदरगाह चीन को कई वर्षो की लीज पर दे दिया। चीन को राजधानी कोलंबो के बंदरगाह को बनाने और चीनी पनडुब्बियों को श्रीलंका के बंदरगाह तक आने की अनुमति दे दी। चीन ने श्रीलंका को भारी कर्ज दिया और आज श्रीलंका चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। इसमें भारत के पास एक ही विकल्प था कि किसी तरह ऐसी सरकार आए, जिसके साथ हमारा मित्रवत संबंध रहे। उसकी परिणति उस गठबंधन के रूप में हुई। श्रीलंका में फिर भारत विरोधी बयान और भाषण शुरू हो गए हैं। संकट आरंभ होने के कुछ ही दिनों पूर्व श्री लंका के बंदरगाह मंत्री महिंदा समरासिंघे ने बयान दिया कि वह भारत को पूर्वी कंटेनर टर्मिनल नहीं सौपेंगे। उनका यह बयान वर्ष 2017 में हुए समझौते का उल्लंघन था। भारत इस पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया व्यक्त करने की जगह कूटनीतिक तरीके से बातचीत कर रहा था। भारत ने खतरे को भांपकर संकट रोकने की कोशिश भी की। सिरीसेना और विक्रमसिंघे से न केवल हमारे राजनियक बल्कि राजनीतिक नेतृत्व भी संवाद कर रहा था। विक्रमसिंघे पिछले 18 अक्टूबर को नई दिल्ली आए थे वह कोई पूर्व निर्धारित दौरा नहीं था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी बातचीत हुई। विक्रमसिंघे की यात्रा के पहले सिरीसेना के हवाले से यह बयान सुर्खियां बनीं थी कि रॉ उनकी हत्या कराना चाहती है। बाद में उसका खंडन किया गया। अब उनका बयान है कि हत्या की साजिश को गंभीरता से न लेने के कारण ही विक्रमसिंघे को हटाना पड़ा है। इसका अर्थ क्या है? 30–31 अगस्त को नेपाल की राजधानी काठमांडू में बिमस्टेक की बैठक से परे सिरीसेना और मोदी की मुलाकात हुई थी। सितम्बर में राजपक्षे भी नई दिल्ली आए थे। उस समय खबर यह थी कि वह भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी के बुलावे पर आए हैं। स्वामी ने बयान दिया था कि राजपक्षे राष्ट्रवादी हैं और चीन के संदर्भ में उनका विचार बदल गया है। नरेन्द्र मोदी ने मई 2017 में श्रीलंका यात्रा के दौरान राजपक्षे से भी मुलाकात की थी। यह सही कदम था। इसका मतलब हुआ कि भारत ने राजपक्षे से भी संपर्क बनाए रखा है। विक्रमसिंघे ने अपनी बर्खास्तगी और संसद को 16 नवम्बर तक के लिए निलंबित करने को असंवैधानिक बताते हुए स्वीकार नहीं किया है। संसद के स्पीकर कारु जयसूर्या खुलकर रानिल विक्रमसिंघे के पक्ष में आ गए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर इसका संविधान के अंदर समाधान नहीं हुआ और सड़कों पर राजनीति उतरी तो खूनखराबा होगा। विक्रमसिंघे भी खूनखराबा की आशंका प्रकट कर रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्री और पूर्व क्रि केटर अर्जुन रणतुंगा की गाड़ी पर राजपक्षे के समर्थकों ने हमला कर दिया। इससे आने वाली तस्वीर का अनुमान लगाया जा सकता है। सदन में बहुमत के लिए 113 सांसद चाहिए। राजपक्षे और सिरीसेना की पार्टी को मिलाकर केवज 95 सीट हैं, जबकि विक्रमसिंघे की यूएनपी के पास 106 सीट है। इस तरह एक विकट राजनीतिक स्थिति है। वहां दो प्रधानमंत्री हैं। प्रश्न है कि अब भारत क्या करे? भारत ने वर्तमान राजनीतिक संकट पर सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश और करीबी पड़ोसी के तौर पर हम उससे लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक प्रक्रिया का सम्मान करने की उम्मीद करते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत दोस्ताना व्यवहार वाले श्रीलंका के लोगों को विकास कायरे के लिए मदद देना जारी रखेगा। इस आश्वासन के बाद श्रीलंका के किसी बड़े नेता के लिए भारत के खिलाफ बयानबाजी कठिन हो गई है।

नेशनल तायक्वोंडो स्कूल चौंपियनशिप 2018 का भव्य आगाज

लखनऊ । जी. डी. गोएंका स्कूल ने सदैव ही अपने छात्रों को हर क्षेत्र में प्रोत्साहित किया है और खेल कूद में भी विभिन्न प्रतिस्पर्धायों के माध्यम से उनकी प्रतिभा को सबके सामने लाने का मंच दिया है। इसी कड़ी में 01, 02 और 03 नवम्बर, 2018 को स्कूल में 'नेशनल तायक्वोंडो स्कूल चौंपियनशिप' का आयोजन किया जा रहा है। यह चौंपियनशिप (स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) द्वारा मान्यता प्राप्त है, इस प्रतियोगिता के आयोजक जी. डी. गोएंका स्कूल है।

जुलूस ए मोहम्मदी की तैयारियों को लेकर मीटिंग

लखनऊ । शाहमीना शाह से निकलने वाले जुलूस ए मोहम्मदी को लेकर आल इण्डिया मोहम्मदी मिशन की एक मीटिंग आस्तान ए हमीदिया फिरंगी महल में हुई। इसकी शुरूआत कारी यार मोहम्मद ने तिलावत कुरान ए पाक से की। मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए मौलाना अबुल इरफान मियां फरंगी महली ने कहा कि 12 रबीउल अव्वल को जुलूस ए मोहम्मदी निकाला जाएगा। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। मौलाना ने कहा कि जुलूस ए मोहम्मदी एक रस्म या रिवाज की तरह शामिल न हो जुलूय में अकीदत और खुलूस के साथ शामिल हो। इसमें मोहम्मदी मिशन के अय्यूब अशरफ समेत कई उलमा उपस्थित थे।

वाकाथान का आयोजन

लखनऊ । पावर ग्रिड उत्तरी क्षेत्र–3 के मुख्यालय में सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अंतर्गत वाकाथान का आयोजन हुआ। 'भ्रष्टाचार मिटाअ–नया भारत बनाओ वाकाथान रैली का शुभारम्भ कार्यपालक निदेशक आरके सिंह ने किया। इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक राजीव मोहन, केएन सिंह, एसके मिश्रा, एके मिश्रा और राजेश गुप्ता समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

भय, भूख व भ्रष्टाचार से परेशान है जनता

जौनपुर । प्रदेश के पूर्व मंत्री व शाहगंज के विधायक शैलेन्द्र यादव श्ललईश्ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार में किसान, व्यापारी, छात्र, नौजवान भय–भूख तथा भ्रष्टाचार से जनता परेशान है। लूट, हत्या, ब्लात्कार जैसे अपराध पूर्व की सरकारों के सापेक्ष इस सरकार मे दस गुना ज्यादा है। वे शुक्रवार को कस्बे के घनश्यामपुर रोड स्थित उमा इलेक्ट्रॉनिक एण्ड फर्नीचर हाउस की दुकान का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने लोकसभा चुनाव में भाजपा का सूफड़ा साफ होने की बात कही। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबेश्बाबाश्ने कहा कि भाजपा देश व प्रदेश में सबका साथ, सबका विकास का नारा देकर अपना विकास कर रही है। इस दौरान पूर्व प्रमुख रमापति यादव, महेंद्र यादव, बाबूराम यादव, लालसाहब यादव श्लालाश्, मुन्नलाल यादव, योगेश पांडेय, अमित द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने मिट्टी का अवैध खनन कर ले जा रहे ट्रैक्टर को पकड़कर दर्ज कराया मुकदमा

डेरापुर कानपुर देहात । एसडीएम डेरापुर ने मिट्टी का अवैध खनन कर ले जा रहे ट्रैक्टर को पकड़कर थाना डेरापुर में मुकदमा लिखा कर कार्यवाही चालू कर दी। एसडीएम डेरापुर दीपाली कौशिक ने थाना डेरापुर में तहरीर देकर बताया कि एसडीएम कोर्ट के पास ललपुरवा गांव के रामजी यादव पुत्र दिनेश सिंह ट्रैक्टर से अवैध खनन कर प्लाट में मिट्टी में डाल रहे थे। जो नियमावली के विरुद्ध है आज थाने में ट्रैक्टर मालिक के खिलाफ 3 बटा 5 बटा 7 धारा उपखनन परिवहन के तहत मुकदमा लिख ट्रैक्टर को गिरफ्तार कर थाने खड़ा कर दिया गया है। कोतवाल राम बहादुर पाल ने शीघ्र गिरफ्तार किए जाने की बात कही है।

घर के अंदर घुसकर की गई चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

डेरापुर कानपुर देहात । नगर पंचायत डेरापुर वार्ड नंबर 6 कृष्णानगर निवासी युवक ने घर में घुसकर चोरी करने वाले चोर के खिलाफ थाना डेरापुर में मुकदमा लिख गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। नगर पंचायत डेरापुर वार्ड नंबर 6 निवासी अरुण कुमार पुत्र राम शंकर यादव ने थाना डेरापुर में तहरीर देकर बताया कि 2 दिन पूर्व घर के अंदर घुसकर धर्मेंद्र कुमार पुत्र लक्ष्मी जो एसडीएम आवास के पास निवास बना कर रहता है ने घर में घुसकर कमरे के अंदर मोबाइल नगदी सहित लगभग 40 हजार का सामान चोरी कर ले गया। पूर्व में इसी चोर द्वारा मकान के अंदर खड़ी साइकिल चोरी कर ली गई थी। जिसको पारिवारिक व पड़ोसियों द्वारा दबाव देने के बाद साइकिल वापस कर दी थी तथा चोरी की वारदात कबूल की है। एसएसआई रवि कुमार दांगी ने मुखबिर की सूचना पर धर्मेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर जेल भेज दिया।

कोर्ट में बयान देने आई अपहृता अचेत होकर गिरी

जौनपुर । मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के अपहृता अपहरण के एक मामले में विवेचक, महिला कांस्टेबल व परिजनों के साथ मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान देने दीवानी न्यायालय आई। अपहृता कोर्ट कैंपस में कैंटीन में मिठाई खाते ही अचानक गश खाकर गिर पड़ी। उसे विवेचक व महिला कांस्टेबल तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाकर भर्ती कराए। उसने पेट दर्द व चक्कर की शिकायत बताया। काफी देर तक उसका उपचार चला। अपहृता मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के जियरामऊ गांव की निवासी है। आरोपी अजीत पर उसके अपहरण का आरोप है। दो दिन पूर्व पुलिस ने उसे बरामद किया और उसके परिजनों के साथ मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान के लिए दीवानी न्यायालय लाए थे। यह चर्चा हुई कि कई परिजनों ने उसे मिठाई में कुछ जहरीला पदार्थ मिलाकर तो नहीं दे दिया। डॉक्टर का कहना है कि सामान्य पेट दर्द व चक्कर का लक्षण है।

आगरा–दिल्ली के बीच होगा पहली इंजन रहित ट्रेन 18 का ट्रायल : मनोज सिन्हा

आगरा । ताजनगरी पहुंचे केंद्रीय रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने कहा कि देश की पहली इंजन रहित ट्रेन 18 का ट्रायल आगरा–दिल्ली के बीच होगा क्योंकि यह रूट 160 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने वाली ट्रेन के लिए उपयुक्त है। इसके साथ ही रेल राज्यमंत्री ने राम मंदिर और आगामी लोकसभा चुनाव 2019 को लेकर भी बयान दिया। दरअसल केंद्रीय रेल राज्यमंत्री मनोज सिन्हा एमएसएमई के एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आगरा पहुंचे। इससे पहले सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता के दौरान केंद्रीय रेल राज्यमंत्री ने कहा कि राम मंदिर को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रुख जो पहले था वही अब है।

कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उनकी आवश्यकतानुसार निर्धारित दरों पर उपलब्ध करायें उर्वरकः सुमित पटेल

कानपुर देहात । कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उनकी आवश्यकतानुसार समय से निर्धारित दरों पर सुगमतापुर्वक उपलब्ध कराने हेतु जानकारी देते हुए जिला कृषि अधिकारी उर्वरक अधिसूचित प्राधिकारी सुमित पटेल ने देते हुए बताया कि उर्वरकों की बिक्री में लगातार परिवर्तन हो रहे है। अतः उर्वरकों की बिक्री विनिर्माता कम्पनी द्वारा उर्वरक की बोरियों पर अंकित दारों/निर्धारित दरों (जो दरे शासन अथवा विनिर्माता कम्पनी द्वारा निर्धारित की गयी है) पर ही करें। किसी भी दशा में निर्धारित दर से अधिक दर पर उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध उर्वरक नियन्त्रण आदेश 1985 की धारा 3 का उल्लंघन मानते हुए कार्यवाही तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। उन्होंने बताया कि उर्वरकों की बिक्री पीओएस मशीन के माध्यम से ही की जायेगी एवं क्रता कृषक को पीओएस मशीन से निकलने वाली इनवाइस/बिल अनिवार्य रूप से दिया जायेगा। उर्वरकों का भण्डारण एवं बिक्रय, उर्वरक बिक्रय प्राधिकार पत्र लाइसेंस में अंकित गोदाम/दुकान की चौहद्दी पर ही किया जाये। उर्वरक बिक्री केन्द्र पर स्टाक/रेट बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये तथा उसमें प्रतिदिन ब्रान्डवार स्टाक एवं दरों का अंकन अनिवार्य रूप से किया जाये। खुदरा उर्वरक बिक्रेता किसी भी समय उपलब्ध उर्वरकों को प्रत्येक किस्म की एक बोरी से अधिक उर्वरक खुली बोरी में बिक्री हेतु न रखे। जिस स्थान पर उर्वरकों का भण्डारण/बिक्री की जाये उक्त स्थान पर किसी भी प्रकार की खाने पीने आदि के सामानों की बिक्री अथवा भण्डारण न किया जाये। उर्वरक बिक्रेता अधिकृत श्रोत से ही उर्वरकों को प्राप्त करेंगे। अधिकृत श्रोत के अतिरिक्त यदि कोई स्टाक पाया जाता है तो उसे अवैध मानते हुए उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के सुरागत प्राविधानों के तहत कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। उन्होंने बताया कि जिंक सल्फेट, फेरस सल्फेट, माईकोन्यूटीन्टस, जैव उर्वरक, लिक्वड उर्वरकों का मुख्य उर्वरक यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी आदि के साथ इनकी टैंगिग किसी भी दशा में नही की जायेगी। उर्वरक विक्रेता अपने प्राप्त स्टाक को जनपद कानपुर देहात से बाहर गैर जनपद में किसी भी प्रकार की उर्वरक बिक्री नही करेगा। उक्त निर्देशों का कडाई से पालन किया जाना सुनिश्चित करे। किसी भी विपरीत परिस्थिति पाये जाने पर दोषी उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्यवाही की जायेगी।

भाई ने अपनी पांच वर्षीय मासूम को हवस का शिकार बनाया

आगरा । थाना ताजगंज धांधूपुरा में बेहद ही गंभीर मामला सामने आया है। यहां पर भाई ने अपनी पांच वर्षीय मासूम को हवस का शिकार बनाया। परिजनों ने जब मासूम को गंभीर हालत में देखा, तो उनके होश उड़ गए। मासूम को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया है। वहीं पुलिस ने आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है। रिश्ते को शर्मसार कर देने वाली ये घटना धांधूपुरा की है। यहां पर भाई ने अपनी ही 5 वर्षीय मासूम बहन को ही हवस का शिकार बना लिया। बालिका के पिता ने बताया कि आरोपी उसकी दूसरी पत्नी का पुत्र है, जो मिठाई की दुकान पर काम करता है। वह मासूम बहन को साइकिल से लेकर मिठाई के गोदाम में ले गया, जहां उसने मासूम के साथ बलात्कार किया। उसकी हालत बिगड़ी तो वह उसे घर छोड़कर चला गया। परिजनों ने घटना से पुलिस को अवगत कराया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही बालिका की हालत गंभीर होने पर उसे उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है।

विशालकाय अजगर को देखकर दहशत में आए ग्रामीण, काबू करने में छूटे रेस्क्यू टीम के पसीना

आगरा । आगरा के निकट अछनेरा के गांव नया बांस में शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक 12 फुट लंबे और करीब 40 किलो वजन का विशालकाय अजगर मछली के जाल में फंस गया। गांव में ही खारी नदी में गांव वालों ने मछली पकड़ने के लिए जाल लगाया था, जिसमें अजगर फंस गया। गांव वालों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम के 100 नंबर पर दी। जिसके बाद वाइल्डलाइफ एसओएस को मामले से अवगत कराया गया। सूचना प्राप्त होते ही वाइल्डलाइफ एसओएस से दो रेस्क्यूर की टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने सफलतापूर्वक अजगर के गले से जाल निकाला। 12 फुट लंबे अजगर को फिलहाल देखरेख में रखा गया है, उसे वापस जंगल में छोड़ दिया जाएगा। अजगर के सफल रेस्क्यू के बाद टीम ने मथुरा के ततरौता गांव के एक खेत से 9 फुट लंबा अजगर और पास ही के शहजादपुर गांव से एक कोबरा सांप भी सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। बता दें कि कोबरा सांप करीब 30 फुट गहरे कुंए में गिर गया था। जिसे बाद में बहार निकाल लिया गया। तीनों ही सांप फिलहाल देख रेख में रखे गए है और जल्द ही वापस जंगल में रिलीज किये जायेंगे। कार्तिक सत्यनारायण, सह–संस्थापक, वाइल्डलाइफ एसओएस ने बताया कि अजगर सांप काफी अच्छी तैराकी करते हैं, जिसके चलते वह ज्यादातर पानी वाली जगह के पास ही रहते हैं। ऐसे मामले बहुत ही सामान्य हैं जिसमें मछुआरों द्वारा बिछाए गए जाल में सांप फंस जाते हैं। कुछ समय पहले ही आगरा के ही बरौली गुज्जर गांव से 4 फुट लंबा अजगर रेस्क्यू किया था जो कि मछली के जाल में फंस गया था। बैजुराज एमवी, डायरेक्टर, संरक्षण प्रोजेक्ट्स, वाइल्डलाइफ एसओएस ने बताया कि अजगर का वजन करीब 40 किलोग्राम है।

पीड़िता का पुलिस ने कराया मेडिकल

जौनपुर । जिला महिला चिकित्सालय में गुरुवार को स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. सच्चिदानंद उपाध्याय पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराने वाली महिला का शुक्रवार को पुलिस ने मेडिकल मुआयना कराया। शनिवार को पीड़िता को अदालत में पेश कर बयान दर्ज कराया जाएगा। इसके बाद पुलिस छानबीन के आधार पर आरोपित चिकित्सक के विरुद्ध आगे कार्रवाई करेगी। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला खुजली की शिकायत होने पर गुरुवार को पति के साथ जिला महिला अस्पताल में उपचार कराने गई थी। डा. सच्चिदानंद उपाध्याय परीक्षण के नाम पर उसे अंदर कमरे में ले गए। कुछ ही देर बाद महिला शोर मचाती हुई बाहर आ गई। उसने डाक्टर पर शारीरिक छेड़खानी का आरोप लगाया।

उसके पति ने डाक्टर से हाथापाई कर ली। मामला संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी अरोवद मलप्पा बंगारी के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट सुरेंद्र नाथ मिश्र व सीओ सिटी नृपेंद्र ने अस्पताल पहुंचकर आरंभिक छानबीन की। महिला व आरोपित चिकित्सक को कोतवाली लाए। पीड़िता की तहरीर पर डाक्टर के खिलाफ छेड़खानी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया। शुक्रवार को महिला कांस्टेबल की निगरानी में पीड़िता को जिला महिला अस्पताल भेजकर डाक्टरी मुआयना कराया गया। शहर कोतवाल विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि शनिवार को पीड़िता का अदालत में बयान कलमबंद कराया जाएगा। मामले की छानबीन की जा रही है। बयान व छानबीन के आधार पर आगे समुचित कार्रवाई की जाएगी।

जेएचवी मॉल डबल मर्डर केस का मुख्य सूत्रधार गिरफ्तार, तीन फरार बदमाशों की तलाश जारी

वाराणसी । क्राइम ब्रांच व कैंट पुलिस को शुक्रवार को बड़ी सफलता मिल गयी है। जेएचवी मॉल डबल मर्डर के मुख्य सूत्रधार को पुलिस ने पकड़ लिया है। मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी आनंद कुलकर्णी ने बताया कि क्राइम ब्रांच व कैंट पुलिस ने घटना का मुख्य सूत्रधार 25 हजार का इनामी रोहित सिंह को गिरफ्तार किया है। फरार अन्य तीन बदमाशों का सुराग लग गया है जल्द ही वह भी पकड़े जायेंगे। एसएसपी आनंद कुलकर्णी ने बताया कि जेएचवी मॉल में ताबड़तोड़ फायरिंग करके दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया था जबकि दो लोग घायल हो गये थे। पुलिस ने इस घटना को चुनौती के रूप में लिया है और खुलासे के लिए क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस की १२ टीमे बनायी गयी है। क्राइम ब्रांच प्रभारी विक्रम सिंह को मुखबिर की सूचना मिली कि जेएचवी मॉल डबल मर्डर का मुख्य सूत्रधार सारनाथ के तिब्बती संस्थान में पास किसी मित्र के आने के इंतजार में खड़ा है। क्राइम ब्रांच प्रभारी व कैंट पुलिस ने मौके पर दबिश देकर एक युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़ा गया बदमाश ने अपना नाम रोहित सिंह निवासी कैमुर, बिहार बताया है। क्राइम ब्रांच व पुलिस की पूछताछ में रोहित ने बताया कि काशी विद्यापीठ में पढ़ाई के बाद जेएचवी में फ्लाइंग मशीन शोरूम में सेल्समैन का काम करता हूं। विद्यापीठ में मेरी दोस्ती आलोक उपाध्याय से हो गयी थी और हम साथ रूम लेकर रहते थे। आलोक की गर्लफ्रेंड की छोटी बहन जेएचवी मॉल में प्यूमा शोरूम में सेल्समैन थी। इसी शोरूम में प्रशांत भी काम करता है जो आलोक की गर्लफ्रेंड की बहन को परेशान करता था। आलोक ने जब प्रशांत को धमकाया था तो प्रशांत ने आलोक की गर्लफ्रेंड को नौकरी से निकलवा दिया था। इसके बाद आलोक ने मौका पाकर अपने साथियों के साथ नदेसर पर प्रशांत की पिटाई भी की थी इसके बाद भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ था और वह प्रशांत को सबक सिखाना चाहता था। हम लोगों ने आलोक कुंदन व ऋषभ के साथ मिल कर प्रशांत से बदला लेने की योजना बनायी थी और ३१ अक्टूबर को जेएचवी मॉल पहुंचे थे। रोहित ने बताया कि आलोक को बातों में उलझा कर बाहर ले जाने की जिम्मेदारी मेरी थी। योजना के मुताबिक मैने ही बिना चेकिंग कराये आलोक, कुंदन व ऋषभ को मॉल को अंदर लाने का काम किया। प्रशांत नहीं मिला तो आलोक ने उसे देख लेने की धमकी दी और असलहा निकाल लिया। इसके बाद कर्मचारियों ने आलोक को पकड़ लिया। आलोक को घिरता देख कर कुंदन व ऋषभ अंदर लाये और अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इसके बाद तीनों लोग मुझे वहां छोड़ कर भाग गये। बाद में पता चला कि फायड्क्षरग में दो लोगों की मौत हो चुकी है जिसके बाद मैं बहुत डर गया। बनारस पुलिस की कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए ही सारनाथ अपने दोस्त के यहां पर ठहरा हुआ था और सारनाथ स्टेशन से बिहार भागना चाहता था लेकिन पकड़ा गया। एसएसपी आनंद कुलकर्णी ने बताया कि जल्द ही आलोक, कुंदन व ऋषभ भी पकड़े जायेंगे। मुख्य सूत्रधार को गिरफ्तार करने वालों में क्राइम ब्रांच प्रभारी विक्रम सिंह, अमित मिश्रा, सुमंत सिंह, रामभवन यादव, कैंट थाना के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार राय, अशोक कुमार, रामानंद यादव आदि पुलिसकर्मी शामिल थे। पत्रकार वार्ता में एसपी क्राइम व प्रभारी एसपी सिटी ज्ञानेन्द्र प्रसाद भी उपस्थित रहे।

जनपदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

कानपुर देहात । बेसिक शिक्षा विभाग की दो दिवसीय जिला स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ बीआरसी प्रांगण झींझक में हुआ। जिसमें मुख्यतिथि के रूप में पहुँचे जिलाधिकारी श्री राकेश कुमार सिंह ने नन्हे मुन्ने बच्चों की क्रीड़ा प्रतियोगिता का फीता काटकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने ध्वजा रोहण किया तथा सफेद कबूतरों व गुब्बारों को आकाश में छोडकर शांति का संदेश दिया। जिलाधिकारी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालय हो या कॉन्वेंट विद्यालय हो बच्चों में प्रतिभा बराबर होती है बस उसे निखारने वाले की कमी होती है ,योगाभ्यास की कमी होती है पढ़ाई ,खेल, व्यवहार का प्रदर्शन अध्यापक व अभिभावक की देन होता है परिषदीय अध्यापकों को कोई चुनौती नहीं दे सकता चुनौती से अभिप्राय कुछ बच्चों की ड्रेस कदमताल ठीक थे कुछ को इस मामले में और मेहनत की जरूरत है पढ़ाई ,स्वच्छता ,व्यवहार में अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छता के प्रति केन्द्र में प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश मुख्यमंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी हर घर में शौचालय बनवाने व उनके प्रयोग किये जाने हेतु प्रतिदिन मेहनत कर रहे है। जिससे कि हमारा प्रदेश व देश स्वच्छता में सबसे आगे रहे। उन्होंने कहा कि बच्चों के प्रोत्साहन हेतु उनको प्रशस्ति पत्र भी दिया जाये जिससे कि बच्चों में उत्साह जाग्रत हो सके। कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। कार्यक्रम की जिलाधिकारी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने वहीं 100 मीटर डौड प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं जिलाधिकारी ने आर्ट गैलरी का फीता काटकर शुभारंभ भी किया तथा अवलोकन किया। इस अवसर पर चेयरमैन राजेन्द्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी संगीता सिंह, के साथ जिसमें डेरापुर ब्लाक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिठमरा की प्रियंका, मिनाक्षी, वर्षा, ओम, आयुष, दिव्या, शबीना, शालनी आदि बच्चों द्वारा एकांकी टीम ने कला क्राफ्ट और पपेट्री की प्रदर्शनी लगाई। साथ ही प्राथमिक विद्यालय गालुवापुर, सरसी, खोजाफूल की पीटी टीमों की प्रतियोगिता के सुन्दर प्रदर्शन पर जिलाधिकारी ने मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेन्द्र सिंह राजू, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सिंह, डिप्टी बीएसए उदय नारायण कटियार, खण्ड शिक्षाधिकारियों में ज्ञान प्रकाश अवस्थी, विमला वर्मा, अमर सिंह,तथा शिक्षकों में नवीन कुमार दीक्षित, आदित्य त्रिपाठी, जय शँकार द्विवेदी, उदय प्रताप सिंह, अनिल तिवारी, सर्वेश कुमार, मोहित यादव, रविन्द्र सिंह, राम जी, ज्योति, सिखा, प्रियंका यादव, आदित्य गौतम, नरेंद्र सिंह यादव, अशोक सिंह राजावत सहित बड़ी संख्या में बच्चे और शिक्षक मौजूद थे।

लोहिया वाहिनी का पूर्व अध्यक्ष हिरासत में

जौनपुर । टीडी कालेज छात्र संघ के चुनाव के दौरान फेसबुक पर भ्रामक पोस्ट कर गड़बड़ी फैलाने के आरोप में समाजवादी लोहिया वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत यादव को शुक्रवार को लाइन बाजार थाना पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मुख्य चुनाव अधिकारी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। छात्र संघ चुनाव के लिए मतदान के दौरान लक्ष्मीकांत यादव ने अपने फेसबुक पर एक भ्रामक पोस्ट किया। इसमें लिखा केपी सिंह सांसद टीडी कालेज में चुनाव में गड़बड़ी कराने के लिए अपने दल बल के साथ पहुंचे योगी के इशारे पर। छात्र संघ के मुख्य चुनाव अधिकारी डा. ओपी सिंह ने इसे गंभीरता से लेते हुए लाइन बाजार थाने में अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी। आरोप लगाया कि इस झूठे व भ्रामक संदेश से कालेज परिसर में छात्रों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। छात्रों में अफरा–तफरी से मतदान पर भी प्रभाव पड़ा। किसी तरह छात्रों को समझा–बुझाकर शांत किया गया। थानाध्यक्ष निरीक्षक मिथिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की विवेचना निरीक्षक रामायन यादव को सौंपी गई है। सूत्र बताते हैं कि पुलिस ने आरोपित को हिरासत में ले लिया है।

कार से 90 पेटी शराब बरामद चालक गिरफतार

इटावा । जनपद के सैफई थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के सैफई चौराहे से एक व्यक्ति को शराब ले जाते हुए कार सहित गिरफतार कर लिया। पुलिस टीम ने कार से 90 पेटी अवैध शराब बरामद की। जिसमें 4320 क्वार्टर देशी शराब भरी थी। आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जनपद भर में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के चलते सैफई थाना प्रभारी जीवाराम यादव अपने हमराहियों के साथ क्षेत्र के अर्न्तगत वाहनों एंव संदिग्ध लोगों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान पुलिस टीम ने सामने से एक तेज रफतार ओमनी कार को आते देखा तभी संदेह होने पर पुलिस टीम द्वारा कार को रोकने का इशारा किया। लेकिन चालक कार की स्पीड बढ़ाकर वहां से निकलने लगा। तभी सैफई पुलिस टीम द्वारा कार का पीछा कर कार को सैफई चौराहे पर रोक लिया गया। तलाशी पर पुलिस टीम ने कार से 90 पेटी अवैध देशी शराब बरामद कर कार चालक को गिरफतार कर लिया। पूछताछ पर कार चालक ने अपना नाम मुकेश कुमार पुत्र फेरु सिंह निवासी ग्राम नगला नवल थाना जसवंतनगर जिला इटावा बताया। पुलिस द्वारा शराब के बारे में पूछताछ पर अभियुक्त ने बताया कि वह शराब को पप्पी पुत्र मुकुट सिंह ग्राम पाठकपुरा थाना जसवतंनगर जिला इटावा के यहां से लाकर सौरभ पुत्र जागेश्वर दयाल निवासी कस्बा सैफई थाना सैफई के यहां लेकर जा रहा था। जहां से शराब को बिक्री के लिए अन्य स्थानों पर भेजा जाना था। सैफई थाना पुलिस ने अभियुक्त कार चालक मुकेश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही अभियुक्त द्वारा बनाम उक्त दोनों अभियुक्तों के खिलाफ भी मामला पंजीकृत कर लिया गया है एंव उक्त तीनों अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है।

दक्षिणांचल के तीन जिले सौभाग्यशाली घोषित

आगरा । दीपावली से पहले दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड डिस्कॉम क्षेत्र के तीन जिलों को शत प्रतिशत रोशन कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा ने डीवीवीएनएल के मथुरा, हाथरस और चित्रकूट को सौभाग्यशाली घोषित किया। इससे पहले ऊर्जामंत्री ने सौभाग्य योजना की जनपदवार समीक्षा भी की। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम सभागार में मीडिया से मुखातिब होते ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा ने बताया कि 31 अक्टूबर तक मथुरा, हाथरस और चित्रकूट को सौभाग्य योजना के तहत शत प्रतिशित विद्युतीकृत कर दिया गया है। तीनों जिलों को सौभाग्यशालली घोषित करते हुए उन्होंने बताया कि मथुरा में 1709 मजरों के अंतर्गत 30176 पोल, 1256 किलो मीटर एलीटी,एचटी लाइन खींच कर 62034 संयोजन निर्गत किए गए। चित्रकूट में 2597 मजररों के अंतर्गत 36340 पोल और 1507 किलो मीटर एलटी,एचटी लाइन लगा कर 80301 कनेक्शन दिए गए। इसी तरह हाथरस में 1369 मजरों के अंतर्गत 41859 कनेक्शन दिए गए हैं। इन तीनों जनपदों को सौभाग्यशाली जनपद घोषित कर दिया गया है। साथ ही जिन मजरों में विद्युत तंत्र विकसित नहीं हो पा रहा है वहां यूपी नेडा के द्वारा सोलर पैनल के माध्यम से बिजली पहुंचाई जाएगी। ऐसे मजरे हाथरस में 25 और चित्रकूट में 500 हैं। इन मजरों को रोशन करने के लिए सरकार 202 लाख रुपए खर्च कर रही है।

किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ । किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से बच रही बीकेटी पुलिस अधिकारियों की फटकार के बाद हरकत में आई। आनन–फानन में पीड़िता को मेडिकल चेकअप के लिए भेजते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर बीकेटी अमरनाथ वर्मा ने बताया कि मल्लाहनखेड़ा निवासी नान्हू को चन्द्रिका देवी पेट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि नान्हू के खिलाफ ठेला लगाने वाले व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वहीं, किशोरी के पिता ने पुलिस पर गम्भीर आरोप मढ़े। उनके मुताबिक गुरुवार सुबह नान्हू उसकी बेटी को बातों में फंसा कर गोमती नदी की तरफ ले गया था। जहां आरोपी ने किशोरी से दुराचार किया। विरोध करने पर आरोपी ने दोस्तों संग मिल कर किशोरी की पिटाई की थी। किशोरी के पिता के आरोपों को दरकिनारा करते हुए बीकेटी पुलिस ने कार्रवाई से इनकार कर दिया। इस बीच घटना की जानकारी आला अधिकारियों को हुई। जिस पर इंस्पेक्टर बीकेटी को मुकदमा दर्ज करने के लिए कहा गया। धाराओं में कर दिया खेलकिशोरी व उसका परिवार नान्हू पर रेप करने का आरोप मढ़ता रहा। मगर, पुलिस ने उनकी एक न सुनी। आरोप है कि किशोरी के पिता से पुलिस ने मनमाफिक तहरीर लिखवाई। जिसके आधार पर छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज किया। वहीं किशोरी के पिता को नान्हू के दोस्तों अंजाम भुगतने की धमकी दी है।

स्काउट गाइड शिविर का समापन

जौनपुर । जनता इण्टर कालेज रतनूपुर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड शिविर का रंगारंग कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। प्रधानाचार्या रजनी द्विवेदी ने कहा कि स्काउट और गाइड प्रशिक्षण से समाज व देश के प्रति श्रद्धा एवं समर्पण का भाव पैदा होता है। एकता, अनुशासन भाई चारा और एकात्मकता का भाव जगाने में इसकी अहम भूमिका है। अच्छे गायन के लिए नन्दलाल यादव को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संचालन स्काउट मास्टर नागेश सिंह ने किया। इस अवसर पर डीओसी राकेश मिश्रा, ट्रेनिंग काउंसलर ज्ञानचंद चौहान, अम्बुज सिंह, आकाश गुप्ता, नितेश प्रजापति, मुरली पाल, सन्तोष सिंह, सतीश सिंह, राजेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

पति, ससुर व देवर को 10–10 वर्ष कारावास

जौनपुर । बदलापुर थाना क्षेत्र के बबुरा गांव में विवाहिता की दहेज हत्या के आरोपी पति, ससुर व देवर को अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम ने 10 वर्ष कारावास व छः हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाया। मोती लाल निवासी केवटली खुर्द ने थाना बदलापुर में प्राथमिकी दर्ज कराया था कि उसकी पुत्री रीता की शादी अनुज के साथ हुई थी। विवाह के समय से ही पति अनुज, ससुर दयाराम व देवर अंकुश दहेज में पचास हजार रुपए व मोटर साइकिल की मांग को लेकर रीता को प्रताड़ित करते थे। 23 जुलाई 2011 को सुबह 10.00 बजे फोन आया कि मांग पूरी कर दो नहीं तो तुम्हारी लड़की को जान से मार देंगे। शाम 5.00 बजे किसी ने फोन किया कि रीता को मारकर ससुराल वालों ने उसका शव रेलवे लाइन पर फेंक दिया है। वहां पहुंचे तो रीता का शव कटी अवस्था में रेलवे लाइन पर पड़ा था। ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने के कारण रीता की हत्या कर दी थी।

प्रेमी के संग फुर्र चल रही युवती को महिला की सूचना पर पुलिस ने पकड़ा

डेरापुर कानपुर देहात । महिला द्वारा डायल हंड्रेड को सूचना करने पर पुलिस ने प्रेमी के साथ भाग रही महिला को गिरफ्तार कर थाना डेरापुर लाई जिसका मुकदमा थाना भरथना में लिखा गया था। मंजू पत्नी राजीव निवासी परौख ने डायल हंड्रेड को सूचना देकर बताया की मेरे मायके मंगूपुर थाना भरथना निवासी सोनम पुत्री स्व अनंतराम अपने प्रेमी राहुल के साथ 28 नवम्बर को घर से भाग गयी थी। जिसका मुकदमा भरथना थाने में लिखा गया था। आज उसे मोटरसाइकिल से डेरापुर में देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लड़की को पकड़कर थाना डेरापुर ले गयी। वहीं प्रेमी भाग जाने में सफल रहा। कोतवाल रामबहादुर पाल ने लड़की की बरामदगी की सूचना भरथना थाने में दी।

पच्चासवें सालाना उर्स की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी

रसूलाबाद कानपुर देहात । सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक हजरत गुलपीर शाह र.अ. के उर्स की तैयारियां युद्धस्तर पर है। निजामियाँ उर्स कमेटी के प्रबंधक अतहर खान भुट्टो ने बताया कि 21 से 24 नवम्बर तक उर्स होगा। जिसमें पहले दिन ईद मिलादुन्नबी का प्रोग्राम, दूसरे दिन आल इंडिया नातिया मुशायरा,तीसरे व चौथे दिन महफिल ए शमां में कव्वालियां होंगी। 50 वां सालाना उर्स है जिसके चलते ऐतिहासिक प्रोग्राम कराने की तैयारी है देश के कोने कोने से प्रख्यात शायर व कव्वाल आ रहे है।

थाना राजपुर में आयोजित हुई यातायात माह को लेकर गोष्ठी

राजपुर कानपुर देहात । यातायात माह को लेकर थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी सिकंदरा राधाकृष्ण मिश्रा के दिशा निर्देशन में यातायात संबंधी गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्राधिकारी के साथ एसओ राजपुर नबीन कुमार सेंगर एवं चौकी प्रभारी महेंद्र सिंह सहित पूरा पुलिस फोर्स एंव प्रधान संध अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, शैलेश सोनी, टिंकल पाल, सर्राफा ब्यापार मंडल अध्यक्ष संतोष कौशल, हिंदू युबा बाहिनी जिला अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह चौहान, राजीव कुमार सोनी, सोमचंद सोनी अनेंको कस्बा ब्यबसाई मौजूद रहे।

पट्टे की भूमि की करायी जाये पैमाइश

बांदा । नरैनी तहसील के बिलहरका मौजा के भांवरपुर ग्राम निवासी महेश प्रसाद ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर बताया कि वर्ष 1996 में उसे गांव में ही पट्टा दिया गया था जिसकी आज तक नाप नहीं करायी गयी है। बताया कि मेरी जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर रखा है। तहसीलदार व उप जिलाधिकारी को कई बार शिकायती पत्र दिया उनके द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गयी और न हलका लेखपाल उनकी जमीन के नाप कर रहा है। पीड़ित ने पट्टे की भूमि की पैमाइश दिलाये जाने की गुहार की है।

महिला की गला काटकर की हत्या

लवेदी/इटावा । थाना क्षेत्र के ग्राम लखनपुर में महिला की गला काटकर हत्या कर दी गई। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया। ग्राम लाखनपुर निवासी 36 वर्षीय महिला उमा देवी पत्नी अतर सिंह की गांव के ही सुभाष पुत्र अनन्तराम ने रंजिश के चलते अपने साथियों के साथ मिलकर महिला की सोते समय धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी परिवार वालों का सुबह होने पर हुई। तभी इस खबर से गांव में सनसनी फैल गई। तभी घटना की जानकारी होने पर मृतिका उमादेवी के मायके वाले वहां पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

बीएचयू में फिर छात्रा संग छेड़छाड़, बाल पकड़ कर पीटने, कपड़ा फाड़ने का आरोप

वाराणसी । बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रो द्वारा आईआईटी की छात्राओं संग छेड़खानी, मारपीट और कपड़ा फाड़ने का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ित छात्रा और उसके मित्र की तहरीर पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश मामला है, न कि छेड़छाड़ का। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि आईआईटी बीएचयू के कुछ छात्र महिला मित्रों संग हाइवे पर खाना खाने गए थे। लंका थाने में दी गई तहरीर के अनुसार आइआटी, बीएचयू के छात्र का कहना है कि वह और उसका एक मित्र दो महिला मित्रों संग गुरुवार की रात हाइवे पर खाना खाने गए थे।

शांतनु जी महाराज द्वारा प्रवाहित की जा रही श्री राम कथा गंगा की धारा में स्नातक विधायक अरुण पाठक ने सपत्नीक पहुंच लिया आर्शीवाद

कानपुर देहात । जनपद की नगर पंचायत डेरापुर में गुढ़ा देवी श्याम बिहारी महाविद्यालय परिसर में आयोजित हो रही हरिद्वार से पधारे श्री राम कथा वाचक शांतनु जी महाराज के मुखारविंद से प्रवाहित की जा रही रामगंगा में आज छठवें दिवस कानपुर क्षेत्र से स्नातक विधायक अरुण पाठक द्वारा सपत्नीक पहुंच शांतनु जी महाराज को फूल माला पहनाकर स्वागत करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। नगर में प्रख्यात कथा वाचक द्वारा प्रवाहित की जा रही श्री राम कथा गंगा की धारा में कथा वाचक द्वारा राम वन गमन की कथा का वर्णन सुनाया। जिसमें व्यास द्वारा बताया गया कि भगवान श्री राम ने माताओं को प्रणाम करते हुए वन गमन की अनुमति मांगी और सीता जी को अयोध्या में ही रुकने को समझाने का प्रयास किया। इसी क्रम में उर्मिला जी के समक्ष आरती उतारने वह शपथ दिलाने पर लक्ष्मण जी अपने आंसुओं को रोक नहीं सके। उन्होंने बताया कि श्री राम कथा में ऐसा तीन बार दृश्य आया जब शेषावतार भ्राता लक्ष्मण अपनें अश्रुवों को नहीं रोक सके। कथा के दौरान शांतनु जी महाराज द्वारा श्री राम कथा का बखान करते हुए बताया कि भगवान वन गमन कर तमसा नदी पहुंच विश्राम करते हैं और दूसरे दिन श्रृंगवेरपुर पहुंचे गंगा तट पर सुमंत जी को बरबस वापस करते हैं। अयोध्यावासी भगवान के ना मिलने पर व्याकुल हो जाते हैं। इसी क्रम में केवट प्रसंग मांगी नाव न केवट आना को सुनाते हुए व्यास जी ने बताया कि आज भगवान केवट से नाव द्वारा पार करने के लिए विनय अनुरोध भी कर रहे भगवान लक्ष्मण से कहते हैं कि ब्रह्मा, विष्णु तक हमारा मरम नहीं जान पाए यह कह रहा है कि मैं तुम्हारा कर्म जानता हूं। नगर में अनवरत बढ़ाई जा रही प्रख्यात श्री राम कथा वाचक शांतनु जी महाराज जी के मुखारविंद से श्री राम कथा गंगा की अविरल धारा में सपत्नीक पहुचें एमएलसी अरूण पाठक व राखी पाठक ने व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

वहीं श्री राम कथा के आयोजक के पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ विवेक द्विवेदी, ब्लॉक प्रमुख डेरापुर डॉ. प्रीति द्विवेदी द्वारा व्यासपीठ का पूजन व शांतनु जी महाराज को माल्यार्पण किया गया। इस दौरान हैलट अस्पताल कानपुर नगर से आए डॉ. सक्षम पांडेय, शिवा द्विवेदी, सरला द्विवेदी महाविद्यालय अकबरपुर के प्राचार्य डॉ. अनिल द्विवेदी, राजकुमार तिवारी, अकबरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योत्सना कटियार, डॉ सुधा दीक्षित, डॉ. रानी बंसल, डॉ पूनम दुबे, डॉ. कल्पना, विद्यार्थी परिषद के प्रांत संगठन के मंत्री कमलनाथ, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष रामजी गुप्ता, विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री गुंजन जी, संतोष तिवारी, आशीष मिश्रा, रवी बाजपेई, पुरुषोत्तम बाजपेई, संजय मिश्रा के साथ स्थानीय लोगों में इंजीनियर अभिषेक द्विवेदी, अंशु, संतोष तिवारी पूर्व प्रधान कुढ़ावल, राजू स्वर्णकार, मुन्ना लाल यादव प्रधान सिहुठा, डोरी लाल प्रधान बड़ागांव, वीरेंद्र यादव प्रधान उलरापुर, पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य बड़ागांव बिंदेश्वरी देवी शुक्ला, क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेंद्र प्रसाद प्रजापति, हारामऊ प्रधान भारत नायक, हरि शुक्ला, पुत्तन पाठक झींझक, बाल जी शुक्ला कार्यक्रम के मुख्य प्रेरणास्रोत प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. नरेंद्र द्विवेदी सहित समस्त नगर वासीजनों ने मौजूद रहकर प्रवाहित की जा रही श्री राम कथा गंगा की अविरल धारा व उससे निकलने वाली प्रेम रस की धारा का रसपान करते हुए दिखाई दिए।

जातीय टिप्पणी का विरोध करने पर पिता–पुत्र को मारा चाकू

जौनपुर । रोहियांव गांव में शुक्रवार दोपहर खेत में धान का बोझ ढो रहे पिता व पुत्र को गांव के ही एक युवक ने चाकू मारकर घायल कर दिया। घायलों को एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ केंद्र ले जाया गया जहां से पुत्र को हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस नामजद आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है। गांव निवासी प्रमोद मिश्रा अपने पिता मनिराज मिश्रा के साथ धान का बोझ ढो रहा था। आरोप है कि उसी गांव का अयोध्या प्रसाद जाति विशेष को गालियां दे रहा था।

राज्यपाल ने तीन तलाक' का विमोचन किया

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने राजभवन में डॉ0 पी0वी0 जगमोहन, अपर मुख्य सचिव सार्वजनिक उद्यम विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा रचित हिन्दी कविता संग्रह 'तीन तलाक' का विमोचन किया। डॉ0 पी0वी0 जगमोहन की यह 15वीं कृति है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल हेमन्त राव, पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन, प्रभात प्रकाशन के प्रभात कुमार, अवकाश प्राप्त आई0ए0एस0 अधिकारी आर0 रमणी, मिराज हैदर, फरहत नकवी व अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने डॉ0 पी0वी0 जगमोहन का अभिनन्दन करते हुये कहा कि तमिल भाषी होते हुये भी हिन्दी में रचना करना उनकी विशेषता है। डॉ0 जगमोहन का व्यक्तित्व बहुआयामी है। उन्होंने तमिल, हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में रचनाएं की है तथा उन्हें अनेकों सम्मान भी प्राप्त हैं। राज्यपाल ने कहा कि आई0ए0एस0 अफसरों के पास बहुत काम होता है, व्यस्तता के बीच समय निकालना बड़ी बात है। उन्होंने माहौल को हल्का करते हुये कहा कि उनके पास सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शिकायतें आती है कि वे काम नहीं करते, पर डॉ0 पी0वी0 जगमोहन अपना दायित्व पूरी जिम्मेदारी से निभाते हैं इसलिये उनकी अभी तक कोई शिकायत नहीं प्राप्त हुई है। राम नाईक ने कहा कि डॉ0 पी0वी0 जगमोहन की रचनाएं सरल और सादे शब्दों में हैं जो सहजता से हृदय तक पहुंचने वाली कवितायें हैं। डॉ0 जगमोहन ने बड़े ही सुंदर ढंग से अपनी बात को पाठकों के सामने लाने का काम किया है। पुस्तक का शीर्षक 'तीन तलाक' अर्थपूर्ण है जिसे देखते ही पुस्तक को लोग पढ़ना चाहेंगे। लोग कहते हैं कि 'जहाँ न पहुंचे रवि, वहाँ पहुंचे कवि।' साहित्य रचना के माध्यम से ज्ञान लोगों तक पहुंचता है। पाठक पुस्तक को खरीदकर पढ़ते हैं तो उसका ज्यादा ख्याल रखते हैं तथा खरीदने से लेखक और प्रकाशक दोनों का लाभ होता है। उन्होंने कहा कि कविता संग्रह का अन्य भाषाओं में भी अनुवाद होना चाहिए।डॉ0 पी0वी0 जगमोहन, अपर मुख्य सचिव ने कहा कि हिन्दी एकमात्र भाषा है जो देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। एक साल आठ माह पूर्व जब पूरे देश में 'तीन तलाक' का मुद्दा एक ज्वलंत मुद्दा था तो इस मुद्दे को लेकर उन्होंने अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि ऐसे अनेक मुद्दों पर जो समाज पर असर डालते हैं उनको उन्होंने कविता के रूप में अपने संग्रह में प्रस्तुत किया है। मिराज हैदर ने कविता संग्रह पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि डॉ0 जगमोहन ने अपनी अब तक प्रकाशित 15 पुस्तकों में लगभग 500 कवितायें लिखी हैं। उन्होंने अपनी सेवा के साथ इंसाफ करते हुये साहित्य के माध्यम से समाज की भी सेवा की है।कार्यक्रम में फरहत नकवी अध्यक्षा 'मेरा हक फाउंडेशन' ने भी अपनी बात रखी।

डीआरआई ने की बड़ी कार्रवाई, 545 कछुए की खाल बरामद एक तस्कर गिरफ्तार

वाराणसी । राजस्व आसूचना निदेशालय की वाराणसी टीम को वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्रतिबंधित जीव की खाल की तस्करी मामले में बड़ी कामयाबी मिली है। डीआरआई की टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी के करते हुए 545 (36किलो) कछुए की खाल बरामद किया। जिसकी कीमत विदेशी बाजार में करोड़ों में आकी जा रही है। साथ ही तस्करी में संलिप्त एक आरोपी के भी हिरासत में लेकर गिरोह के सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है। आरोपी ने डीआरई को बताया कि बरामद कछुए की खाल शिकोहाबाद से लेकर कोलकाता जा रहा था जहां एक आदमी लेने के लिए आने वाला था। इस खाल को बंगाल के रास्ते विदेश भेजा जाना था। विदेशों में कछुए की खाल का इस्तेमाल सेक्स पावर बढ़ाने की दवाओं में किया जाता है।

अधबना खड़ा है आवास, फिर भी पूरा पैसा हुआ पास

लखीमपुर–खीरी । ग्राम पंचायत रारी में भ्रष्टाचार का खेल बड़े पैमाने पर खेला गया है। अकेले प्रधानमंत्री आवास ही इसकी बानगी को काफी हैं। यहां बने हुए अधिकतर आवास ग्राम प्रधान व पंचायत अधिकारी ने 20–20 में बेच डाले हैं। इस पर भी जब पेट नहीं भरा तो फर्जी आवासों के नाम पर खेल खेला जाने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि ऐसे तमाम आवास हैं जिन का पैसा तो निकाल लिया गया है लेकिन धरातल पर उनका कोई अस्तित्व नहीं। रारी के ग्रामीणों ने कुछ ऐसा खुलासा किया जो शायद शासन व प्रशासन की मंशा को ही हिला दे। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत में ऐसे भी आवास हैं जोया तो कागजों पर बने हैं या फिर अद्व ने खड़े हैं। फिर भी ग्राम प्रधान व पंचायत सेक्रेट्री ने पूरा पैसा निकाल कर हड़प कर लिया है। गांव के एक खड़ंजा रास्ते पर ले जा कर दिखाया गया कि प्रधानमंत्री योजना में शामिल एक आवास अध बना खड़ा है। नींव भरवाकर उस पर ढांचा बना दिया गया है। इस आवास की न तो छत का पता है और न ही प्लास्टर आदि का। फिर भी बड़ी बात है कि यह मान लिया गया है कि निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। पढ़ने में आप भले ही चौक जाएं लेकिन जब तस्वीर सामने आएगी तो आपके होश फाख्ता हो जाएंगे।

यह अधबना आवास प्रधान व सेक्रेटरी की नजर में पूर्ण हो चुका है। लिहाजा इस पर प्रधानमंत्री आवास से लाभान्वित होने का रंगरोगन तक दीवार पर करा दिया गया है। यह आवास सविता देवी के नाम पर पास है। ग्रामीणों ने बताया कि ऐसे और भी तमाम आवास हैं जो बने ही नहीं हैं फिर भी उनका पैसा निकाल कर ग्राम प्रधान कय्यूम व ग्राम पंचायत अधिकारी दीपिका कुमारी ने हड़प कर लिया है। इस भ्रष्टाचार की शिकायत भी ग्रामीणों के द्वारा उच्चाधिकारियों से की गई लेकिन भ्रष्टाचार की रकम में बंदरबांट करने वाले अधिकारी केवल जेब गर्म करने तक ही सीमित रहे। इसका नतीजा सरकार को बदनामी के रूप में चुकाना पड़ रहा है। ग्रामीण मुजम्मिल ने कहा कि ग्राम प्रधान व पंचायत अधिकारी साफ तौर पर कहते हैं कि कमाई जाने वाली रकम में उच्च अधिकारी से लेकर शासन स्तर तक बैठे जिम्मेदार भी पैसा खाते हैं। ऐसे ने हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा।

डाई पीने से सिपाही की बिगड़ी हालत, अस्पताल में भर्ती

बांदा । 20 दिन पूर्व शहर के स्टेशन रोड स्थित एक होटल में बनारस के गाजीपुर में तैनात सिपाही अपनी कथित दूसरी पत्नी और उसकी बेटी के साथ रुका था। उस दौरान रात को महिला ने सिपाही पर अपनी बेटी से छेड़खानी का आरोप लगाया था। समझौता न हो पाने पर कथित पत्नी ने सिपाही के खिलाफ बेटी से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया था। उसके बाद भी मोबाइल पर बातचीत होती रही। बुधवार को एक बार फिर से बातचीत हुई तो सिपाही परेशान हो गया और उसने कोतवाली कैंपस के अंदर ही डाई पी ली। हालांकि पुलिस का कहना है कि सिपाही महिला के घर से ही डाई पीकर आया था। पुलिस ने सिपाही को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, वहां उसका उपचार किया जा रहा है। बनारस के गाजीपुर में तैनात सिपाही जगदीश वर्ष 2012–13 में शहर की बलखंडीनाका चौकी में तैनात था। चौकी में तैनाती के दौरान इसी दौरान शहर के बिजलीखेड़ा इलाके की रहने वाली महिला से प्रेम–संबंध हो गए थे। महिला ने अज्ञात कारणों के चलते अपने पति से भी किनारा कर लिया थ। यह भी बताया जा रहा है कि पति ने ही महिला को अपने से अलग कर दिया था। पति से अलग हो जाने के बाद महिला पूरी तरह से सिपाही के साथ ही रहने लगी। सिपाही जहां–जहां भी तैनात रहा, वहां–वहां महिला उसके साथ रहती रही। बीते 4 अक्टूबर को शहर के स्टेशन रोड सिथत एक होटल के कमरे में सिपाही जगदीश शहर के बिजलीखेड़ा मोहल्ले की रहने वाली कथित दूसरी पत्नी और उसकी बेटी के साथ रुका हुआ था। रात को खाना खाने के बाद महिला सो गई जबकि सिपाही और महिला की 16 वर्षीय बेटी जाग रहे थे। इसी दौरान सिपाही जगदीश ने किशोरी के साथ छेड़खानी कर दी। अश्लील हरकत पर किशोरी ने शोर मचाया तो उसकी मां नींद से जाग उठी। शोरशराबा सुनकर होटल का स्टाफ मौके पर पहुंच गया और कमरे का दरवाजा खुलवाया। किशोरी से पूछतांछ की गई। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सिपाही को हिरासत में ले लिया था। महिला और किशोरी को भी कोतवाली ले जाया गया था। पुलिस ने समझौता कराने का प्रयास किया। दोनो पक्षों के बीच समझौते के लिए बातचीत होती रही। लेकिन बात नहीं बन सकी। इस पर महिला ने जो तहरीर लिखकर पुलिस को दी थी उसमें खुद को जगदीश की बतौर पत्नी दर्शाया था। महिला की तहरीर पर पुलिस ने धारा 354 आईपीसी और 8 पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। मुकदमा दर्ज हो जाने के बाद भी सिपाही और खुद को दूसरी पत्नी कहने वाली महिला के बीच बातचीत होती रही। बुधवार को सिपाही शहर में था और महिला से बातचीत हुई।

पीएनबी का एटीएम काटकर रुपए लूटने की कोशिश

लखीमपुर–खीरी । कोतवाली सदर क्षेत्र में बुधवार,बृहस्पतिवार की रात चोरों ने पीएनबी के एटीएम को काटकर रुपए लूटने की कोशिश की। इस बीच अलार्म बज जाने से चोरों को मौके से भागना पड़ा। जानकारी मिलते ही पुलिस के आलाधिकारियों ने मौके का जायजा लिया। शाखा प्रबंधक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, वाईडी कालेज में पंजाब नेशनल बैंक की शाखा स्थित है। यहां के प्रबंधक दीपक तिवारी ने बताया कि शाखा का एक एटीएम सीतापुर रोड पर नहर के पास लगा है।

बृहस्पतिवार की रात करीब 2:45 बजे तीन बदमाश शटर काटकर अंदर दाखिल हो गए। बदमाशों मशीन को काटने का प्रयास किया, लेकिन इसी बीच सेंसर सायरन बजने से बदमाश कैश बाक्स काटने में सफल नहीं हुए और भाग निकले। आसपास के लोगों ने सायरन बजने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर एएसपी घनश्याम चौरसिया, शहर कोतवाल अशोक कुमार पांडे फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस से जानकारी मिलने पर शाखा प्रबंधक दीपक तिवारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। एएसपी और कोतवाल ने शाखा प्रबंधक से घटना के बावत जानकारी ली और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में नकाब पहने दो बदमाश एटीएम के बाहर खड़े थे, जबकि एक बदमाश अंदर था। सदर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

लेखपाल सहित भू–माफियाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बांदा । शहर की बेकीमती जमीन के दस्तावेजों में कूटरचित ढंग से हेराफेरी कर भू–माफियाओं को लाभ पहुंचाने में तत्कालीन हलका लेखपाल सहित भू–माफियाओं के खिलाफ कोतवाली नगर में संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। न्यायालय के आदेश पर हुई इस कार्यवाही के बाद पुलिस ने सक्रियता बरतते हुए पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। शहर के ईदगाह बाबूलाल चौराहा निवासी यूसुफ खां ने 156 (3) के तहत मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें आरोप लगाया गया था कि राजस्व ग्राम लड़ाका पुरवा में गाटा सं0 2608 रकबा 0.175 हेक्टेयर भूमिधरि जमीन का मालिक काबिज है। आरोप लगाया था कि तत्कालीन लेखपाल संतोष कुमार ने 1993 में उसकी काबिज जमीन के नक्शे में लाल स्याही से संशोधन कर दिया था। बताया कि वर्ष 2016 तक सब ठीक ठाक रहा उसके बाद श्याम कुमार जड़िया, विजय कुमार गुप्ता, जगदीश अग्रवाल, नदीम खां, मुवीन खां ने उसके जमीन के आसपास जमीनी खरीद ली और तत्काल लेखपाल संतोष कुमार से सांठगांठ से कूटरचित मानचित्र दाखिल कर दिया जिसमें उसके स्वामित्व की भूमि थी। बताया कि जब उसे इस बात की जानकारी हुई तो कोतवाली नगर में प्रार्थना पत्र दिया उस पर कार्यवाही नहीं हुई। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी युसूफ खां के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ कोतवाली नगर पुलिस मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिये है जिस पर कोतवाली में श्याम कुमार जडिया पुत्र राधेश्याम जडिया, विजय कुमार गुप्ता पुत्र रामसेवक गुप्ता, जगदीश अग्रवाल पुत्र मूलचंद्र अग्रवाल, नदीम खांन व मुबीन खां पुत्रगण मुर्शबर खां व तत्कालीन हलका लेखपाल संतोष कुमार के खिलाफ कोतवाली 419, 420, 465, 468 व 471 आईपीसी के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन राम मंदिर मुद्दे पर बोलना ठीक नहीं : राज्यपाल

वाराणसी । सपा के तत्कालीन सीएम अखिलेश यादव के समय यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर राज्यपाल राम नाइक असंतोष व्यक्त करते रहते थे और सुधार की बात बोलते थे। यूपी में अब सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार है जो पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में हो रहे ताबड़तोड़ अपराध के चलते बैकफुट पर है। शुक्रवार को पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में राज्यपाल राम नाइक ने लॉ एंड आर्डर को लेकर बड़ा बयान दिया है। यूपी में बढ़े अपराध पर राज्यपाल राम नाइक ने कहा कि क्राइम दो तरह के होते हैं एक तो संगठित अपराध होता है और दूसरा व्यक्तिगत अपराध होता है। यूपी में संगठित अपराध में कमी आयी है लेकिन व्यक्तिगत अपराध शूटिंग, मारना, रेप आदि अपराध में सुधार करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने इस मामले में 1 नवम्बर को प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बीच वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आवश्यक निर्देश दिये हैं।

राज्यपाल राम नाइक ने कहा कि कानून व्यवस्था को लेकर मेरे और सीएम योगी आदित्यनाथ के बीच समय–समय पर चर्चा होती रहती है और सुझाव दिये जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अपराध रोकने की दिशा में काम कर रही है। अयोध्या में भव्य दिपावली मानने के प्रश्न पर कहा कि पिछले बार भी वहां पर भव्य दिपावली मनायी गयी थी। इस बार अयोध्या में तीन दिन का कार्यक्रम होने वाला है। पिछली बार की तुलना में इस बार भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। अयोध्या में रामलीला का मंचन करने के लिए विदेश से भी लोग आ रहे हैं। इसके चलते रामलीला का अन्तर्राष्ट्रीय स्वरुप भी सामने आ जायेगा। अयोध्या में राम मंदिर के प्रश्न पर कहा कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और निर्णय आने के बाद ही कुछ करना सही होगा। राज्यपाल के रुप में इस मामले में बोलना उचित नहीं होगा। राज्यपाल के बयान के बाद अखिलेश यादव, राहुल गांधी व मायावती को बड़ा मौका मिल गया है जो पहले से ही प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर हमला बोलते आये हैं। लोकसभा चुनाव 2019 को देखते हुए बीजेपी सरकार भी कानून व्यवस्था को लेकर परेशान है। पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में जनवरी में प्रवासी सम्मेलन होना है और उसके पहले ही बनारस में ताबड़तोड़ क्राइम हो रहे हैं जिसके चलते भी सीएम योगी आदित्यनाथ परेशान हो गये हैं और बनारस के अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी से शिकायत

बांदा । नरैनी तहसील के मानपुर गांव के बाशिंदो ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर कहा है कि गाटा सं0 653, 602 व 13/2, 14/2, 21/5 उनकी भूमिधरि जमीन है। यहीं जमीन जीविका का आधार है। किसानों ने शिकायत करते हुए दबंग ठेकेदारों द्वारा बंदूक के बल पर केन नदी बालू का खनन किया जा रहा है। दबंगों ने उनकी जमीन से जबरन रास्ता बना रखा है। जिससे उनके परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गये है। जब भी किसानों द्वारा विरोध किया जाता है तो उक्त दबंगों द्वारा फायरिंग कर दहशत फैलायी जाती है। इस दौरान राममिलन, मिन्टा, बाबूलाल, राममिलन आदि किसान मौजूद रहे।

घर में जरूर रखें मिश्री और ये ४ चीजें, सर्दियों की बीमारियों से होगा बचाव

सर्दी का मौसम आने से कई तरह की बीमारियां हमें घेर लेती हैं। ऐसे में हर बार एंटी–बायोटिक्स लेने से अच्छा है कि रोजमर्रा की छोटी–छोटी चीजों से इलाज किया जाए। घर में इस्तेमाल होने वाली 5 चीजें ऐसी हैं जो सर्दी के बचाव रखने के साथ–साथ इम्यूनिटी को बढ़ाने में भी मददगार है। जानें कैसे लें सकते हैं इनका पूरा फायदा।

1. मिश्री

हर घर में मिश्री तो जरूर होती है, खाने खाने के बाद लोग सौंफ के साथ इसका सेवन करते हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि सेहत के लिए यह बहुत फायदेमंद है। इसका सेवन करने से बलगम दूर और खांसी से राहत मिलती है। गला दर्द में भी मिश्री बहुत लाभकारी है। दिन में दो बार इसका सेवन करें।

2. सौंफ

ठंड़ लगने पर सबसे पहले पाचन क्रिया पर इसका असर पड़ता है। खाना खाने के बाद थोडी–सी सौंफ का सेवन करें। इससे पेट संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। सौंफ एसिडिटी और बदहजमी दूर करने में भी बहुत फायदेमंद है।

3. कपूर

जोड़ों के दर्द की परेशानी गर्मियों के मुकाबले सर्दी में ज्यादा होती है। इससे बचने के लिए नारियल के तेल में कपूर का टुकड़ा डाल कर पिघला लें और गुनगुने होने पर इससे जोड़ों की मसाज करें। जोड़ों की दर्द और सूजन से आराम मिलेगा।

4. ऐलोवेरा

हवा शुष्क होने के कारण त्वचा में रूखापन और खुलजी की संभावना बढ़ जाती है। इससे राहत पाने के लिए एलोवेरा युक्त मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इसके एंटी–इंफ्लमैटरी गुण स्किन इंफैक्शन से राहत दिलाने में मददगार हैं।

5. नीलगिरी का तेल

नीलगिरी का तेल बंद नाक की परेशानी दूर करने में लाभकारी है। पानी को उबाल कर इसमें 2 बूंद नीलगिरी का तेल डाल दें। इसकी भाप लेने से बलगम निकल जाती है। इसका इस्तेमाल करते समय इस बात का ध्यान रखें कि नीलगिरी का तेल ज्यादा इस्तेमाल न करें।

सर्दियों मे 30: तक बढ़ जाता है स्ट्रोक का खतरा, जानें क्यों?

हार्ट व ब्रेन स्ट्रोक एक खतरनाक बीमारी है। गलत लाइफस्टाइल के चलते आजकल 10 में से 6वां व्यक्ति इसकी चपेट में आ जाता है। इसके कारण कुछ लोग सुनने की क्षमता भी खो देते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि सर्दियों में इसका खतरा बढ़ जाता है। जी हां, सर्दियों में हार्ट व ब्रेन स्ट्रोक की संभवाना बढ़ जाती है।

सर्दियों 30: तक बढ़ जाता है स्ट्रोक का खतरा

सर्दियों में स्ट्रोक की संभावनाएं 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती हैं। एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि ठंड के महीनों में सभी प्रकार के स्ट्रोक के मामलों में वृद्धि हो जाती है। ऐसे में आपको इस मौसम में ज्यादा सावधान रहना चाहिए।

क्या है सर्दियों में स्ट्रोक के खतरे बढ़ने की वजह?

पहले हुए कई अध्ययनों के अनुसार, सर्दियों के महीनों में

इंफेक्शन की दर में वृद्धि, व्यायाम की कमी और हाई ब्लड प्रैशर, स्ट्रोक की बढ़े हुए मामलों का कारण है। सर्दियों के दौरान वायु काफी हद तक प्रदूषित होती है, जिससे छाती और हृदय की स्थिति बिगड़ जाती है। वहीं इस मौसम में खून गाढ़ा हो जाता है, जिससे रक्त की पतली नलिकाएं संकरी हो जाती हैं और उनका दबाव बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति भी स्ट्रोक का खतरा पैदा करती है।

किन लोगों को होता है स्ट्रोक का अधिक खतरा?

व्यक्ति को किसी भी उम्र में स्ट्रोक का खतरा हो सकती है। चिंता की बात तो यह है कि आज 12: स्ट्रोक के मरीज 40 से कम उम्र के होते हैं। जिन लोगों को हाई ब्लड प्रैशर, डायबिटीज और हाई क्लोस्ट्रॉल की समस्या है उन्हें इसका संभावना सबसे ज्यादा होती है। वहीं गर्भनिरोधक दवाओं का सेवन कर रही महिलाएं भी इसकी चपेट में जल्दी आ जाती हैं।

स्ट्रोक के लक्षण

स्ट्रोक का सबसे सामान्य लक्षण होता है शरीर के किसी एक ओर के हिस्से में कमजोरी या लकवा जैसी स्थिति होना। स्ट्रोक आने पर मरीज एक तरफ से हाथ व पैर भी नहीं हिला पाता। बोलने में दिक्कत कम सुनाई देना और धुंधला दिखना भी स्ट्रोक के लक्षण है।

स्ट्रोक आने पर क्या करें?

डॉक्टर्स का कहना है कि स्ट्रोक आने पर अगर सही इलाज किया जाए तो उस व्यक्ति के विकलांगता से बचाया जा सकता है। स्ट्रोक आने पर रोगी को किसी पास के अस्पताल में ले जाना चाहिए, जहां 24 गुना 7 सीटी स्कैन, एमआरआई की सेवा उपलब्ध हो। लक्षण के शुरुआती घंटे के भीतर इलाज करके रोगी की जान बचाई जा सकती है।

भरपूर मात्रा में पीएं पानी

सर्दियों में लोग कम पानी पीते हैं, जिसके कारण खून गाढ़ा हो जाता है। इससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप सर्दियों में अधिक मात्रा में पानी और तरल पदार्थ पीएं। साथ ही स्ट्रोक से बचने के लिए लोगों को ठंड में शराब और धूम्रपान का सेवन कम करना चाहिए।

कुपोषण के खिलाफ कारगर उपाय

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस–4) के सर्वे अनुसार भारत में हर तीस बच्चा कुपोषित है। देश में 35.7 प्रतिशत बच्चे कम–वजनी हैं, 38.4 प्रतिशत अविकसित हैं और हर दूस बच्चा खून की कमी से ग्रस्त है। 15 से 49 वर्ष की आयु की 53 प्रतिशत महिलाएं रक्त अल्पता से पीड़ित हैं। ये आंकड़े भारत में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की भयावह स्थिति को रेखांकित करते हैं। मां का कुपोषण स्वतरू ही बच्चे पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। ये आंकड़े यह भी दिखाते हैं कि वर्तमान नीतियां कुपोषण के दुष्चक्र को तोड़ने में सफल नहीं हो पा रही हैं। दरअसल कुपोषण के खिलाफ वर्तमान प्रयास विभिन्न सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं जिनमें मध्यांतर आहार योजना यानी मिड डे मील और एकीकृत बाल विकास सेवाएं यानी आइसीडीएस मुख्य हैं, लेकिन हकीकत यह है कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए बनी आइसीडीएस की हालत पर आज कहीं अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि कुपोषण आजीवन असर दिखाता है। देखा जाए तो आइसीडीएस के केंद्र में आंगनबाड़ी केंद्र हैं, लेकिन आंगनबाड़ी केंद्र आज भी वांछित नतीजे देने में असफल प्रतीत हो रहे हैं। इसका कारण दोषपूर्ण नीति निर्धारण और भ्रष्टाचार है जिससे लाभार्थी को सही सुविधा नहीं मिल पाती है। नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग ने भी अपनी रिपोर्ट में आइसीडीएस की कमियों को उजागर किया है जैसे कि बजट को अन्य मदों में खर्च करना, वेतन के भुगतान के लिए अवास्तविक बजट, व्यय का गलत विवरण, खब रिकॉर्ड रखरखाव इत्यादि प्रमुख हैं। इसी प्रकार आइसीडीएस के प्रभाव अध्ययन और बच्चों के पोषण की स्थिति पर कार्यक्रम मूल्यांकन रिपोर्ट 2015 के अनुसार 22.5 प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्रों में निर्धारित दवाई नहीं हैं, 41 प्रतिशत में जगह का अभाव है और केवल 48.2 प्रतिशत में सफाई और स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखा जाता है। यह स्थिति आइसीडीएस को अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनाने के लिए उसके पुनर्गठन की तत्काल आवश्यकता की ओर इंगित करती है। 1वर्तमान में आइसीडीएस के पास कई लक्ष्य हैं जैसे बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार करना, बच्चों के उचित मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक विकास की नींव रखने के लिए विभिन्न नीतियों के कार्यान्वयन में प्रभावी समन्वय को स्थापित करना, बच्चों के स्कूल छोड़ने के सिलसिले को थामना। मां को सामान्य स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों को सही तरीके से पू करने के लिए प्रशिक्षित करना भी इसके कार्यो में शामिल है। इसके लिए आइसीडीएस आंगनबाड़ी केंद्र पूरक पोषण, प्री–स्कूल गैर–औपचारिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच–पड़ताल और रेफरल सेवाएं प्रदान करता है। यह स्पष्ट है कि हम एक ही नीति से बहुत से उद्देश्यों को लक्षित करने का प्रयत्न कर रहे हैं। इसके चलते किसी भी उद्देश्य में वांछित सफलता नहीं मिल पा रही है। इसका सबसे अधिक प्रभाव पीड़ित गर्भवती और स्तनपान कने वाली माताओं पर पड़ता है। इससे सेवा वितरण मॉडल के प्रभावी होने पर गंभीर प्रश्न उठता है?1इसीलिए नीति आयोग की 'भारत ष्ट्रीय पोषण रणनीति' ने आइसीडीएस में सुधार की वकालत की है। इस रणनीति में आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण उपलब्ध करने के बजाय महिलाओं को सीधे बैंक खातों में रुपये देने की बात कही गई है। उज्ज्वला रसोई गैस सिलेंडर और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण मॉडल की सफलता के बाद इसे आइसीडीएस में लागू करना एक बड़ा कदम होगा। कुपोषण का मुख्य कारण गरीबी और परिवार की आय में कमी होना है जबकि आइसीडीएस घरेलू खाद्य सुरक्षा को संबोधित नहीं करता। इसलिए किसी भी समग्र समाधान में आय की भरपाई करने का दृष्टिकोण शामिल होना चाहिए। इसके लिए प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण यानी डीबीटी सबसे अच्छा उपलब्ध विकल्प है। दूस कारण, घर में महिलाओं की सामाजिक स्थिति कमजोर होना है। ऐसे में उन्हीं के जन–धन खाते में सरकार की तरफ से सीधा पैसा आने से उनकी स्थिति मजबूत होगी और उन्हें अपने और बच्चे के पोषण और स्वास्थ्य के लिए फैसला लेने में आजादी होगी। घर और समाज में मां की स्थिति मजबूत होने से आने वाली पीढ़ी के पोषण, स्वास्थ्य, और शिक्षा पर अपने–आप ही सकात्मक प्रभाव पड़ता है। तीस कारण, महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्रों में मिलने वाले आहार पर निर्भर रहना पड़ता है जो कई बार उनके स्वाद के अनुकूल नहीं होने के साथ–साथ हर इलाके में एक समान होता है। डीबीटी से महिलाओं को अपना आहार चुनने की आजादी मिलेगी और वे स्थानीय भौगोलिक, जलवायु और सांस्कृतिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपना आहार और पोषण चुन सकेंगी। 1इसका सीधा असर उनके स्वस्थ पर पड़ेगा। अभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर सरकारी प्वधान के तहत स्थानीय जरूरतों का ध्यान नहीं रखा जाता है। डीबीटी आंगनबाड़ी केंद्रों में आहार देने में होने वाले जातिगत भेदभाव के समाधान में भी सहायक होगा। शोध के मुताबिक आइसीडीएस में व्याप्त जातिगत भेदभाव दलित और अन्य पिछड़ी जाति के बच्चों के कुपोषण में कम सुधार के लिए जिम्मेदार है। डीबीटी बांग्लादेश, दक्षिण अमेरिकी देशों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर चुका है। वर्तमान में भारत में पुदुचेरी में गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कने वाली माताओं के लिए कुलविलाक्कु एवं अरवनिपु योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना और जननी सुरक्षा योजना में प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण का सकात्मक परिणाम सामने है।1प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के विरुद्ध पहले जो दलीलें दी जाती थीं वे आज खरी नहीं उतरतीं। आज भारत में 77 प्रतिशत महिलाओं के पास बैंक खाते हैं। जस्थान जैसे प्ंत में जहां आइसीडीएस का कवरेज मात्र 34 प्रतिशत है, प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण तत्काल ही आहार और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण के विरुद्ध अन्य तर्क दरअसल नीति निर्माण और कार्यान्वयन से संबंधित हैं, जो आज आधार, डिजिटल टेक्नोलॉजी इत्यादि के माध्यम से आसानी से हल किए जा सकते हैं। यहां पर यह कहना भी आवश्यक है कि पोषण के लिए प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण को अमल में लाने का मतलब आइसीडीएस या आंगनबाड़ी केंद्रों को खत्म करना नहीं है, परंतु उन पर व्यर्थ का बोझ कम करना है। जैसा कि हम पहले देख चुके हैं कि आइसीडीएस का फलक काफी व्यापक है और उनके लिए आंगनबाड़ी केंद्रों की आवश्यकता रहेगी ही, लेकिन जन–स्वास्थ्य और मां–बच्चे के सुपोषण के लिए प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण का निष्पक्ष पायलट परीक्षण किया जाना चाहिए। सामाजिक क्षेत्र में नीति और सेवा वितरण को दक्ष बनाने के लिए हमें आधुनिक तकनीक का लाभ उठाना ही होगा।

कई सपने पूरे, कुछ अब भी अधूरे

1956 में जब मध्य प्रदेश बना था, तो राजनीतिक नेतृत्व पूरी तरह महाकौशल और छत्तीसगढ़ क्षेत्र के हाथों पहुंच गया। राजनीतिक खींचतान के कारण मध्य प्रदेश की प्रारंभिक प्रगति की रफ्तार धीमी रही। छत्तीसगढ़ खनिजों के मामले में सर्वाधिक समृद्ध क्षेत्र था, उसे लगता रहा कि उसके स्रोतों का लाभ उसे नहीं मिल रहा है। अंततोगत्वा मध्य प्रदेश का एक और विभाजन हुआ। मध्य प्रदेश का यह दुर्भाग्य रहा कि पंडित रविशंकर शुक्ल जैसा राष्ट्रीय कद का नेता, जो अपने सौम्य और प्रभावी व्यक्तित्व के कारण नए मध्य प्रदेश को एकाकार कर सकते थे, प्रदेश के अस्तित्व में आने के कुछ माह बाद ही परलोक गमन कर गए। इसके बाद तो काफी लंबे समय तक प्रदेश की राजनीति शतरंज की बिसात में बदल गई। ऐसे दौर में प्रगति और विकास का पीछे छूट जाना स्वाभाविक है। ऐसा नहीं है कि किसी क्षेत्र में प्रगति नहीं हुई हो। सिंचाई सुविधाएं बढ़ीं तो किसान भी लाभान्वित हुए। कृषि क्षेत्र में विकास की जो संभावनाएं दिखाई दीं, उसको सही दिशा में गति देने का काम मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार ने कर दिखाया। आज कृषि उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है। पहला पशु चिकित्सा एवं शोध संस्थान महू में 1956 में स्थापित हुआ था। बाद में उसे विभाजित कर जबलपुर कृषि विश्वविद्यालय में विलीन कर दिया गया। यदि सरकार ने विकास की वास्तविक समझ दिखाई होती तो खरीफ फसलों के शोध संस्थान को महू में रखा जाता और रबी फसलों के लिए जबलपुर विवि को प्रमुखता दी जाती। कुछ वैसी ही गलती भोपाल में एम्स का नया भवन बनाकर की गई। भोपाल गैस त्रासदी के बाद मुआवजे की राशि और विदेशों की उदार सहायता से गैस मेमोरियल अस्पताल बना था। आधुनिक मशीनों सहित योग्य चिकित्सक लाए गए थे। उस अस्पताल में मौजूद भूमि, भवन और मशीनों में अभिवृद्धि कर क्या एम्स की पूर्ति नहीं की जा सकती थी? लेकिन प्रशासनिक निर्णयों का ढंग भी कुछ निराला होता है। सार्वजनिक धन का सदुपयोग कैसे किया जाए, यह विचार ही नहीं उपजता। लेकिन यह स्वीकार करने में किसी को आपत्ति नहीं होगी कि शिक्षा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश ने काफी प्रगति कर ली है। इसका श्रेय निजी सेक्टर को ज्यादा है। सरकार ने भी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, तकनीकी संस्थान काफी बड़ी संख्या में बनाए हैं, लेकिन उनका स्तर और छात्रों से ली जा रही फीस अवरोध बने हुए हैं। प्रदेश में अनियमितता की शिकायतें आना किस बात का संकेत है? इसके बावजूद हमारा प्रदेश शैक्षणिक केंद्र बनता जा रहा है। आजकल की भाषा में एजुकेशनल हब बन चुका है। मध्य प्रदेश में आज सड़कों का जो जाल बिछ चुका है और जिस तेजी से आवागमन की सुविधाओं में विस्तार हुआ है, वह सबकी नजर में है। 15 साल पहले ही तो बिजली, सड़क के मुद्दे पर कांग्रेस को भारी पराजय का स्वाद चखना पड़ा था। यदि उसके बाद भाजपा निरंतर जीतती रही है तो मानना पड़ेगा कि जनता ने उसके द्वारा किए गए वायदों को पूरा होते देख लिया। कृषि और बिजली में प्रदेश का आत्मनिर्भर हो जाना क्या बदले हुए मध्य प्रदेश की भावी प्रगति–यात्रा का संकेत नहीं हैं? अब तो कोई हमें बीमारू राज्य नहीं कहता। स्वच्छता अभियान में प्रदेश के इंदौर और भोपाल का देश में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त कर लेना असाधारण उपलब्धि है। यह प्रगति जनता के जीवन में भी देखने को मिल रही है। आज हर गांव में ट्रैक्टर ही नहीं दिखता, कारें, जीपें और बाइकों की भीड़ क्या उनकी आर्थिक दुर्दशा की वजह से दिखाई पड़ती है? क्या शहरों में आकर पढ़ने वालों की संख्या प्रदेश के पिछड़ेपन की निशानी है?विकास का पहिया निरंतर गतिशील रहता है। उसकी मंजिल कहीं आकर ठहर नहीं जाती। सड़क, पानी, बिजली में आत्मनिर्भरता के बाद औद्योगिक विकास में गतिशीलता आनी शेष है। औद्योगिक विकास के बाद ही संगठित क्षेत्र में रोजगार की ज्यादा संभावनाएं खुलती हैं। इस क्षेत्र में प्रगति के आंकड़े कमजोर ही कहे जाएंगे। लेकिन इससे इतर असंगठित क्षेत्र में निर्माण कार्यों में आ रही तेजी रोजगार तो प्रदान कर ही रही है। जो अवरोध आ रहे हैं, वे समाज की चारित्रिक कमी और नैतिक मूल्यों की गिरावट से साफ लक्षित हो रहे हैं। इसके लिए सरकार के साथ समाज को भी सक्रिय होना पड़ेगा। केवल सरकारों के सहारे राष्ट्र या प्रदेश प्रगति नहीं कर पाते। आखिर सरकारी कर्मचारी या अफसर भी समाज से ही जाते हैं। समाज में आज अपनी भागीदारी निभाने की क्षमता क्यों कम हो गई है? यह प्रश्न उद्वेलित क्यों नहीं करता? हमारे प्रदेश की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र सांस्कृतिक है। इसकी पड़ताल किए बिना हम मध्य प्रदेश की प्रगति का सही आकलन नहीं कर पायेंगे। अर्जुन सिंह के कार्यकाल में भारत भवन की शुरुआत के पूर्व मप्र कला परिषद और मप्र साहित्य परिषद का गठन किया जा चुका था। जब भारत भवन का निर्माण हो गया तो प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियां राष्ट्रीय हो गईं और फिर वैश्विक।

बॉलीवुड स्टार्स पर चढ़ा हेलोवीन फेस्टिवल का जादू, डरावने कॉस्टयूम पहन शेयर की तस्वीरें

हॉलीवुड में इन दिनों हेलोवीन फेस्टिवल का काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। दुनियाभर में 31 अक्टूबर को हेलोवीन फेस्टिवल को धूम धाम से मनाया जाता हैं। वहीं हॉलीवुड की संस्कृति इन दिनों बॉलीवुड में भी खूब देखने को मिल रही है। हाल ही में बॉलीवुड के कुछ स्टार्स ने सोशल मीडिया पर अपना हेलोवीन लुक फैंस के साथ शेयर किया है। सोहा अली खान की बेटी इनाया नौमी खेमू के लेकर प्रिटी जिंटा, ट्विंकल खन्ना, एमी जैक्सन तक हेलोवीन का जादू सर चढ़कर बोल रहा हैं। सोहा अली खान ने अपनी लाडली बेटी इनाया को हेलोवीन फेस्टिवल पर डरावने कपड़े पहना कर तैयार किया। इस पोशाख में वो बेहद क्यूट दिखाई दे रही हैं। इनाया मीडिया कैमरा को देख क्यूट अंदाज में पोज देते हुए नजर आईं। वहीं बीते कुछ दिन से मीडिया से दूरी बनाने वाले नन्हें तैमूर लंबे समय बाद स्पॉट हुए। इस दौरान तैमूर हेलोवीन फेस्टिवल पर क्यूट अंदाज में नजर आए। इस दौरान वह मीडिया कैमरा को देख घूरते हुए दिखे। वहीं फोटोग्राफर्स को हाय–बाय भी कहा। हेलोवीन फेस्टिवल पर तैमूर के इस अंदाज को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। स्टार किड्स के अलावा एक्ट्रेस सोनम कपूर भी हेलोवीन फेस्टिवल पर भूतिया पोशाक पहन तैयार हुईं हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ तस्वीर शेयर की। इस दौरान सोनम बेहद अलग अंदाज में नजर आईं। उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। हेलोवीन फेस्टिवल को बॉलीवुड अभिनेत्री रिया सेन ने भी भूतिया अंदाज में फैंस को विश किया। उनकी तस्वीर काफी वायरल हो रही है। बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की पत्नी और एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना ने भई एक वीडियो शेयर कर फैंस को हेलोवीन फेस्टिवल की शुभकामनाएं दी है। सलमान खान की बहन अर्पिता शर्मा खान ने बेटे आहिल की एक क्यूट वीडियो शेयर कर फैंस को हेलोवीन फेस्टिवल की शुभकामनाएं दी है। वहीं एक्ट्रेस प्रिटी जिंटा ने हेलोवीन फेस्टिवल के फोटोशूट करवाया है जिसमें वह बेहद ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं। उन्होंने अलग अंदाज की अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की है। बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोन ने अपने दोनों बेटों के साथ हेलोवीन फेस्टिवल पर एक तस्वीर पोस्ट की है। तीनों बेहद क्यूट अंदाज में नजर आ रहे हैं। एक्टर अर्जुन कपूर ने हेलोवीन फेस्टिवल के लिए एक अलग अंदाज चुना है। अर्जुन बेहद डरावने अंदाज में नजर आ रहे हैं। उनकी तस्वीर को देख आप अर्जुन को पहचान नही पाएंगे। कल्कि कोचलीन ने भी हेलोवीन के लिए अपना डरावना लुक सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर किया है।

ट्रेलर से पहले रिलीज हुए फिल्म जीरो के 2 पोस्टर, व्हील चेयर पर दिखीं अनुष्का

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म जीरो के हाल ही में दो पोस्टर रिलीज किए गए। एक पोस्टर में अनुष्का व्हील चेयर पर बैठी नजर आ रही हैं जबकि शाहरुख खान व्हीलचेयर के हैंडल पर बैठे हैं। बताया जा रहा है कि पोस्टर का बैकग्राउंड दिल्ली के कनॉट प्लेस का है। यह भी कहा गया है कि अनुष्का शर्मा दिव्यांग लड़की की भूमिका में होंगी। इस पोस्टर को शेयर करते हुए शाहरुख ने लिखा, श्इस पूरी दुनिया में, मेरी बराबरी की एक ही तो है। वहीं, अनुष्का ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्टर रिलीज करते हुए लिखा– देखिए तो जरा, अभी तक हां ना कुछ भी नहीं बोला है इसे, और फिर भी कितना खुश हो रहा है. वैसे जोड़ी बुरी नहीं है, क्या कहते हो? दूसरे पोस्टर में शाहरुख खान के साथ कैटरीना कैफ नजर आ रही हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए शाहरुख ने कैप्शन में लिखा–सितारों के ख्वाब देखने वालों हमने तो चांद को करीब से देखा है। वहीं, कैटरीना पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा– आसमान से जमीन पे आने की दिक्कत ही ये है कि जब आओ कोई न कोई गले पड़ जाता है। बता दें कि फिल्म का ट्रेलर शाहरुख के जन्मदिन यानि कल रिलीज होगा। फिल्म 'जीरो' में शाहरुख एक बौने व्यक्ति के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में शाहरुख के साथ कैटरीना कैफ, अनुष्का शर्मा अहम किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में रानी मुखर्जी, आलिया भट्ट, सलमान खान और दिवंगत देवी जैसे ही कई कलाकार कैमियो करते हुए भी नजर आएंगे। फिल्म 21 दिसंबर 2018 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रिलीज से कुछ दिन पहले विवादों में फंसी आमिर की फिल्म ठग्स ऑफ हिंदोस्तान, दर्ज हुआ मामला

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की फिल्म ठग्स ऑफहिंदोस्तान रिलीज से कुछ दिन पहले ही विवादों में फंस गई है। फिल्म के निर्माता, निर्देशक और एक्टर आमिर खान के खिलाफ जाति विशेष को अपमानित कर मानहानि करने एवं भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मुकदमा दर्ज किया है। वकील हंसराज चौधरी ने ये मुकद्दमा दर्ज करवाया है। इसके साथ ही वह 12 नवंबर को अपना पक्ष भी रखेंगे। कुछ दिन पहले ही आमिर के नाम के साथ मल्लाह शब्द के प्रयोग की जाने की भी काफी चर्चा थी। कहा जा रहा है कि मल्लाह जाति को फिरंगी शब्दों से संबोधित किया जाना गलत है। इसके अलावा मुकदमे के अधिवक्ता हिमाशु श्रीवास्तव व बृजेश सिंह ने मुकदमे की पोषणीयता पर बहस किया कि जानबूझकर फिल्म की टीआरपी बढ़ाने, मुनाफा कमाने के लिए दुर्भावनापूर्ण तरीके से फिल्म का ऐसा नाम रखा गया और जाति विशेष को फिल्म में अपमानित किया गया। पूरे निषाद समाज को ठग व फिरंगी की संज्ञा दी गई। मुकदमे में कहा गया है कि फिल्म की कहानी केवल कानपुर जिले की है, फिर टाइटल ठग्स आफ हिंदुस्तान रखना फिल्मकारों की दुर्भावना दर्शाता है। फिल्म की कहानी एक अंग्रेजी उपन्यासकार के उपन्यास पर आधारित है जो आजादी के पूर्व आजादी के दीवानों को आतंकवादी ठग आदि शब्द कहते थे। फिल्म में 1795 की घटना दिखाई गई है। बता दें कि फिल्म ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान साल 2018 की सबसे बड़ी रिलीज है। फिल्म 8 नवंबर को रिलीज होने जा रही है।

सर्दियों में करना है वजन कंट्रोल तो फॉलो करते रहें ये टिप्स

सर्दियां शुरू होते ही वजन धीरे–धीरे बढ़ने लगता है। ज्यादातर लोगों को लगता है कि इसका कारण उनके द्वारा खाया गया आहार है, जो काफी हद तक सही है। सर्दियों के मौसम में वजन कम करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है क्योंकि इस दौरान लोग न सिर्फ ज्यादा खाना खाते हैं बल्कि वह आलसी भी हो जाते हैं। ऐसे में आप कुछ आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करके सर्दियों में बढ़ते वजन को कंट्रोल कर सकते हैं।

सर्दियों में कैसे करें वजन कंट्रोल

1. खाने से पहले पीएं पानी

भोजन करने से पहले कम से कम 1–2 गिलास पानी पीएं। इससे शरीर के विषाक्त पदार्थ नष्ट हो जाएंगे और एक्स्ट्रा फैट बर्न होने लगेगा। सादे पानी की बजाए आप खीरे का पानी भी पी सकते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व तेजी से वजन कम करते हैं।

2. नींबू का रस, शहद और दालचीनी

भोजन में नींबू, शहद और दालचीनी मिलाकर खाएं। इसे खाना जल्दी और आसानी से पच जाता है। साथ ही इससे ब्लड शुगर लेवल भी कंट्रोल में रहता है, जिससे जिससे वजन नियंत्रित रहता है।

3. खाने को चबाकर खाएं

खाने को चबाकर खाने से 2 प्रतिशत तक फैट बर्न होता है। साथ ही इससे मोटापे का शिकार होने का खतरा भी कम हो जाता है। तो इसलिए खाने को कम से कम 20 बार अच्छी तरह चबाकर खाएं।

4. हाई प्रोटीन भोजन

अपनी डाइट में अधिक से अधिक हाई प्रोटीन फूड्स को शामिल करें। ब्रेकफास्ट में प्रोटीन से भरपूर पिटा ब्रेड, क्विनोआ, पीनट बटर सैंडविच और सोयाका सेवन करें। इसके अलावा हाई प्रोटीन ड्रिंक को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

5. एक्सरसाइज करें

ठंडी हवा में लोग घरों से निकलने से कतराते हैं, जिससे एक्सरसाइज नहीं हो पाती। आप घर पर भी कुछ आसान एक्सरसाइज कर सकते हैं। ऐसे एक्सरसाइज कर जिसमें आपका शरीर अधिक शामिल हो। आप चाहे तो वजन घटाने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज कर सकते हैं।

6. खाली पेट पार्टी करने ना जाएं

सर्दियां आते ही पार्टी सीजन भी शुरू हो जाता है। आप पार्टी जरूर करें लेकिन खाली पेट पार्टी के लिए ना जाएं। पार्टी में गाजर, सलाद, सेब, सूप या हाई फाइबर युक्त फ्रूट्स या वेजिटेबल खा लें। इसके साथ ही पार्टी में ज्यादा खाना न खाएं।

7. फल और सब्जियां

वजन कंट्रोल करने के लिए अपनी डाइट में फल और सब्जियों को शामिल करें। इसके अलावा अल्कोहल, कार्बोहाईड्रेट और हाई शुगर फूड्स से दूर रहें।

शाहरुख की दीवाली में आलिया के आगे फीकी करीना की खूबसूरती, तस्वीरें उड़ा देंगी आपके होश

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने फिल्म जीरो ट्रेलर लांच के एक दिन बाद दीवाली की पार्टी का आयोजन किया। प्री–दिवाली पार्टी में करीना कपूर खान, करण जौहर, आलिया भट्ट, आमिर खान, विद्या बालन, सिद्धार्थ राय कपूर, अनन्या पांडे, सारा अली खान और शनाया कपूर समेत कई स्टार्स पहुंचे। इस पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शाहरुख और गौरी ने पार्टी की थीन ब्लैक ड्रैस रखी थी। इस दौरान पार्टी में करीना ब्लैक ड्रेस पहने हुए ग्लैमरस अंदाज में नजर आईं। ड्रेस के साथ उन्होंने डार्क मेकअप और

इयररिंग पहने थे जो उनके लुक की शोभा बढ़ाते हुए नजर आए। वहीं आलिया भी ब्लैक लहंगा–चोली पहने हुए खूबसूरत अंदाज में दिखीं। उन्होंने अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की हैं। लेकिन इस बार करीना आलिया के आगे फीकी पड़ी। आलिया के ग्लैमरस लुक को देख सबकी निगाहें उनपर टिकक हुईं।

वहीं दीवाली पार्टी की थीम को फॉलो करते हुए शाहरुख ने ब्लैक कलर की शेरवानी पहनी हुई थी वहीं गौरी भी ब्लैक और गोल्डन कलर के कॉम्बिनेशन में लहंगा पहने हुए बोल्ड अंदाज में दिखीं। उनकी बेटी सुहाना ने मम्मी गौरी के साथ मैच किया लहंगा पहने दिखीं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख की फिल्म श्जीरोश का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। इस इस 3 मिनट 14 सेकंड जीरो के ट्रेलर में हर एक बात नजर आती है, जिससे आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित होगी। फिल्म में शाहरुख के साथ कैटरीना और अनुष्का अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगी। फिल्म को क्रिसमस के मौके पर रिलीज किए जाने की तैयारी है और ये 21 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

फीमेल गैंगस्टर पर फिल्म बनाएंगे भंसाली !

बॉलीवुड के जाने माने फिल्मकार संजय लीला भंसाली फीमेल गैंगस्टर पर फिल्म बना सकते हैं। संजय लीला भंसाली की इस वर्ष सुपरहिट फिल्म पदमावत रिलीज हुई है। पदमावत के बाद से भंसाली अपनी अगली फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। भंसाली ने तय किया है कि वह फीमेल गैंगस्टर फिल्म बनाएंगे। चर्चा है कि भंसाली एक फीमेल गैंगस्टर गंगूबाई कोठेवाली पर अपनी अगली फिल्म बनाने जा रहे हैं। वह कई सालों से फीमेल गैंगस्टर गंगूबाई कोठेवाली पर फिल्म बनाने को लेकर सोच रहे थे और अब वह इसमें एक बार फिर से दिलचस्पी ले रहे हैं। कहा जा रहा है कि संजय लीला भंसाली ने इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा को अप्रोच किया था। लेकिन तब फिल्म फाइनल नहीं हो पाई थी। अब तक यह तय नहीं हुआ है कि फिल्म में लीड किरदार कौनसी अभिनेत्री निभाएंगी। अब भी फिल्म की लीडिंग लेडी की तलाश जारी है। भंसाली की इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा या दीपिका पदुकोण फीमेल गैंगस्टर बन सकती हैं।

पारिवारिक फिल्मों में काम करना चाहते हैं शक्ति कपूर

बॉलीवुड के जाने माने खलनायक शक्ति कपूर का कहना है कि वह अब पारिवारिक फिल्मों

में अधिक काम करना चाहते हैं। शक्ति को फिल्म इंडस्ट्री में आए हुए तीन दशक से अधिक का समय हो गया है। शक्ति कपूर ने फिल्मों में खलनायक के तौर पर अपनी खास पहचान बनाई है। शक्ति ने कहा है कि उन्हें अब पारिवारिक फिल्में ही करने में मजा आ रहा है। शक्ति ने कहा, मुझे राजश्री की फिल्म 'हम साथ साथ हैं' करके भी काफी मजा आया और अब वैसी ही फिल्में में और अधिक करना चाहता हूं। मुझे अब बच्चों की फिल्में करने में भी दिलचस्पी है और बच्चों का विलेन बनने का भी मौका मिले तो वह बनना चाहेंगे। शक्ति ने कहा कि गोविंदा कमाल के एक्टर हैं और उन्होंने ही मुझे सबका बंधु और नंदू और कॉमिक टाइमिंग सिखाई है और यदि मौका मिले तो वह गोविंदा के साथ हमेशा काम करते रहना चाहेंगे। शक्ति ने कहा कि उन्हें लेकर यह अवधारणा है कि वह जिस भी फिल्म में होते हैं उसमें उन्हें अभिनेत्री के साथ यौन शोषण के सीन दिए जाते हैं जबकि सच यह है कि उन्होंने काफी कम फिल्मों में ऐसे सीन दिए हैं। शक्ति ने कहा कि उन्हें अपनी फिल्मों में इस तरह के सीन करने में आपत्ति थी, क्योंकि उन्हें ऐसे सीन करते समय हंसी आ जाती थी और वह ठीक से टेक नहीं दे पाते थे। शक्ति इस बात से खुश हैं कि अब जो फिल्में बन रही हैं, उनमें इस तरह के सीन नहीं होते हैं। शक्ति ने कहा, उन्हें यदि ऐसे सीन फिर से करने को कहा जायेगा तो अब वह फिल्म छोड़ देंगे। मुझे ये सब अब नहीं करना है।

कद्दू की सब्जी में छिपा है 10 बीमारियों का इलाज

पौष्टिकता से भरपूर कद्दू की सब्जी केवल खाने में स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। फिर भी कद्दू की सब्जी खाना कुछ ही लोग पसंद करते हैं और बच्चे तो इसका नाम सुनते ही दूर भागते हैं। मगर विटामिन्स, फाइबर, फोलेट, पोटेशियम, कॉपर और मैग्नीशियम के गुणों से भरपूर कद्दू की सब्जी सेहत की कई प्रॉब्लम को दूर करने में मददगार होती है। चलिए जानते हैं कि कद्दू खाने से क्या–क्या फायदे होते हैं।

1. आंखों की रोशनी होती है तेज

विटामिन ए से भरपूर होने के कारण कद्दू की सब्जी का सेवन आंखों के लिए फायदेमंद होता है। एक कप कद्दू का रोजाना सेवन करने से आंखों की रोशनी तेज होती है।

2. मजबूत इम्यून सिस्टम

कद्दू में एंटी–ऑक्सीडेंट्स पर्याप्त मात्रा में होते हैं, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और आप कई बीमारियों से बचे रहते हैं।

3. वजन घटाने में मददगार

इसमें कैलोरी कम और फाइबर की मात्रा अधिक होती है इसलिए इसे खाने से बार–बार भूख नहीं लगती। इससे पेट भरा रहता है और आप ओवरईटिंग नहीं करते, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

4. खूबसूरत त्वचा

कद्दू में विटामिन ए, विटामिन सी और बीटा–कैरोटीन जैसे तत्व होते हैं, जोकि प्राकृतिक रूप से त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए मदद करते हैं। कद्दू खाने ही नहीं बल्कि इसका पैक बनाकर लगाने से भी खूबसूरती भी बढ़ती है।

5. दिल को रखे स्वस्थ

इसका सेवन करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल सही रहता है

है", जिससे दिल स्वस्थ रहता है। अगर आप दिल के मरीज भी है तो भी इसका सेवन आपके लिए फायदेमंद है।

6. गले के लिए फायदेमंद

इस मौसम में सर्दी–खांसी, जुकाम और गले में खराश की समस्या आम देखने को मिलती है। ऐसे में गर्मा–गर्म कद्दू की सब्जी या इसका सूप पीने से इन सभी परेशानियों से राहत मिलेगी।

7. पेट को रखें दुरुस्त

कद्दू में डाइटरी फाइबर भरपूर मात्रा में होता है इसलिए इसका सेवन करने से पेट से जुड़ी समस्याएं दूर हो जाती है। साथ ही इससे एसिडिटी और पेट की जलन से भी राहत मिलती है।

8. कैंसर से बचाव

कद्दू में ऐसे एंटी–ऑक्सीडेंट्स गुण पाएं जाते हैं, जो शरीर में कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकते हैं। ऐसे में रोजाना कद्दू की सब्जी, सूप या स्नैक्स के रूप में इसका सेवन करने से आप कैंसर के खतरे से बचे रहते हैं।

9. तनाव को करें दूर

इसका सेवन करने से तनाव, अनिद्रा, गुस्सा और डिप्रेशन जैसी समस्याएं दूर रहती हैं। इसके अलावा पका कद्दू खाने से स्मरण–शक्ति भी बढ़ती है।

10. डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद

कद्दू में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। इससे शरीर में इंसुलिन की मात्रा कंट्रोल में रहती है और बढ़ी हुई शुगर की मात्रा भी कम हो जाती है। डायबिटीज रोगियों को हफ्ते में कम से कम 2 बार कद्दू का सेवन करना चाहिए।

बिजली का इतना बिल भरते हैं किंग खान, एक मिडिल क्लास फैमिली खरीद ले नया घर

फिल्म इंडस्ट्री के किंग खान यानि शाहरुख खान आज अपना 53वां बर्थडे सैलिब्रेट कर रहे है।

अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुके शाहरुख का आज हर कोई दीवाना है। किंग खान बॉलीवुड में 25 साल से भी ज्यादा का वक्त हो चुका है, जिसमें उन्होंने एक से एक हिट फिल्म अपने नाम की है। किंग खान के लाखों–करोड़ों फैंस है। अक्सर फैंस को अपने मनपसंद स्टार के बारे में बातें जानने की बड़ी जिज्ञासा होती है। आज हम आपको बताएंगे कि शाहरुख खान के बंगले का बिजली का बील कितना आता है। फोर्ब्स मैगजीन के मुताबिक साल 2017 में शाहरुख की नेट वर्थ 279 करोड़ रुपए थी। हालांकि, शाहरुख इस साल फोर्ब्स के सबसे ज्यादा कमाई वाले टॉप 10 एक्टर्स की लिस्ट से बाहर थे। फिल्मों के अलावा किंग खान की कई कंपनियां, प्रोजेक्ट, ब्रैंड एंडोर्समेंट और वेंचर हैं जिनके बल पर वह यदि एक्टिंग छोड़ दे तब भी अरबपति बने रहेंगे। शाहरुख की प्रोडक्शन कंपनी श्रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की 200 करोड़ नेट वर्थ है। इसके अलावा शाहरुख की वीएफएक्स कंपनी रेड चिलीज वीएफएक्स भारत की सबसे बड़ी वीएफएक्स कंपनी है। शाहरुख ने साल 2007 में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम खरीदी थी। ये टीम आईपीएल में सबसे अधिक प्रॉफिट कमाने वाली कंपनी है। शाहरुख के पास मुंबई, लंदन और दुबई में घर और कुछ जमीनें हैं, जिनको वो कमर्शियल इस्तेमाल के लिए भी यूज करते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि किंग खान के बंगले मन्नत के महीने का 43 लाख रुपए का बिल भरते हैं। शाहरुख 10 से ज्यादा प्रोडक्ट्स के ब्रांड एंबेसडर हैं। इन ऐड से उनकी सालाना इंकम 100 करोड़ रुपए है। भारत में किडजेनिया को लाने का श्रेय भी शाहरुख को जाता है। मुंबई, दिल्ली, कोलकाता जैसे शहरों में किडजेनिया के पार्क खुले हुए हैं। शाहरुख इस वेंचर के लगभग 26 फीसदी के हिस्सेदार हैं।

फिल्म रिव्यूः लुप्त

डायरेक्टर प्रभु राज की फिल्म लुप्त आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म के ट्रेलर को

दर्शकों ने काफी पसंद किया था। ये फिल्म बेहद ही डरावनी है।

कहानी

फिल्म की कहानी बिजनेसमैन हर्ष टंडन (जावेद जाफरी) से शुरू होती है, जो कि बिजनेस में टॉप लेवल पर जाना चाहता है। उसके परिवार में उसका बेटा सैम (ऋषभ चड्ढा), पत्नी (निकी अनेजा) और बेटी तनु (मीनाक्षी दीक्षित) हैं। सैम को समय–समय पर प्रैंक खेलने की आदत है। तनु का बॉयफ्रेंड फोटोग्राफर राहुल (करण आनंद) है।हर्ष को समय–समय पर अजीबोगरीब लोग दिखाई देते हैं, जिसकी वजह से उनकी मनोचिकित्सक उन्हें छुट्टी पर जाने के लिए कहती हैं। हर्ष अपने बीवी बच्चों और राहुल के साथ छुट्टी के लिए कार लेकर लखनऊ से नैनीताल रवाना हो जाता है। बीच रास्ते में उसकी गाड़ी खराब हो जाती है। इसकी वजह से एक अंजान मुसाफिर विजय राज उन्हें अपने घर में रात में रुकने के लिए कहते हैं। फिर कहानी में बहुत सारे ट्विस्ट शुरू हो जाते हैं और समय–समय पर अजीबोगरीब भूत से रिलेटेड घटनाएं भी होने लगती हैं।

कमजोर कड़ियां

फिल्म की कमजोर कड़ी इसकी डगमगाती हुई कहानी और स्क्रीनप्ले है। किरदारों की लेयरिंग भी गड़बड़ है। कहानी का वन लाइनर अच्छा था। इंटरवल से पहले का हिस्सा भी ठीक था। लेकिन फिल्म का सेकंड हाफ पूरी तरह बोर करता है। आखिरकार खोदा पहाड़ और निकली चुहिया वाली कहावत सच होती दिखती है। बार–बार होने वाली घटनाओं का सिर और पैर समझ में नहीं आता है। एक पल के बाद बोरियत भी होने लगती है। फिल्म का कैमरा वर्क भी काफी फीका है, बार–बार एक ही तरह के सीन दिखाई देते हैं। एक तरीके से यह वो फिल्म नहीं बन पाई है, जो दर्शकों को रिझा सके।अभिनय के लिहाज से भी हर किरदार लगभग वेस्ट ही लगा है। कहानी बढ़िया होती तो जावेद जाफरी और विजय राज जैसे एक्टर्स भी उम्दा नजर आते। कास्टिंग भी अच्छी नहीं हैं। डायरेक्टर प्रभु राज ने प्रयास तो किया है लेकिन कहानी ने उन्हें कमजोर कर दिया है। फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और दो गाने अच्छे है। अगर आप जावेद जाफरी या विजय राज के फैन है तो एक बार जरूर ट्राई कर सकते हैं। मीनाक्षी दीक्षित का काम भी अच्छा है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक

हेमन्त कुमार मिश्रा

द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

संपादक

हेमन्त कुमार मिश्रा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।

इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार "सत्य" माना जायेगा।

संपादक

crimereview2012@gmail.com

मो: 9454552222

प्रियंका की शादी में शामिल होने वाले गेस्ट की लिस्ट आई सामने, सलमान समेत इन स्टार्स को भेटा गया न्यौता

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन साथ अपनी शादी की खबरों को दिनों ही उनका ब्राइडल शॉवर

दिनों इन दिनों निक जोनस के लेकर काफी सुर्खियों में हैं। बीते हुआ है और इस इवेंट की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। हाल ही में इस शादी को लेकर एक खबर सामने आई है। खबरों की मानें तो प्रियंका ने अपनी शादी के इनवीटेशन देने शुरू कर दिए हैं। प्रियंका की शादी में कपूर खानदान से लेकर खान सुपरस्टार्स नजर आने वाले है। फिल्मफेयर की एक खबर की माने तो प्रियंका ने अपनी शादी का न्यौता सलमान खान को भेजा है। इसी के साथ प्रियंका सलमान के घरवालों को भी अपनी शादी का न्यौता भेजा है। प्रियंका से जुड़े एक सूत्र ने जानकारी दी है कि, सलमान के साथ–साथ उनके पूरे परिवार जैसे कि अर्पिता–आयुष, अरबाज खान, सोहेल–सीमा, अलविरा–अतुल अग्निहोत्री और सलीम को भी प्रियंका ने अपनी ग्रैंड शादी में शामिल होने के लिए इन्विटेशन कार्ड भेजा है। पूरे तीन दिन तक प्रियंका और निक की शादी का जश्न जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में मनाया जाएगा और लगभग 1500–2000 मेहमानों के आने की संभावना है। सलमान के अलावा रणबीर कपूर, कटरीना कैफ, आलिया भट्ट, फरहान अख्तर और सिद्धार्थ रॉय कपूर समेत कई लोगों को प्रियंका और निक की शादी का न्यौता मिल चुका है। प्रियंका अपनी शादी में सब्यसाची द्वारा डिजाइन किया हुआ ड्रेस पहनने वाली है। बता दें कि प्रियंका ने सलमान की फिल्म श्भारतश को छोड़कर उनसे दुश्मनी ले ली थी। अब देखना ये है कि किया भाईजान प्रियंका की शादी में शामिल होंगे या नहीं।